हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11
खेल
शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है : शिखर धवन

Page 10
देश
महाराष्ट्र के सीएम देवेन्द्र फडणवीस के दफ्तर पर हमले की पाकिस्तान की साजिश...

शुक्ल पक्ष, उत्तर भाद्रपद, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • शनिवार • 01 मार्च 2025 • वर्ष 27 • अंक 81 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 86,840	₹97,000

आज का इतिहास

- **1854 :** ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने लांघ के सिद्धांत के तहत भारत के झासी राज्य को अपने राज्य में जोड़ा
- **1901 :** भारत की जनगणना, ब्रिटिश राज की चौथी और पहली विश्वसनीय जनगणना थी।

न्यूज बाइट्स

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने राजेंद्र प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

पटना (नि.सं.) । भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के 62वें निर्वाण दिवस पर उन्हें राष्ट्र ने शत-शत नमन किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य राजकीय समारोह महाप्रयाण घाट (बांस घाट) स्थित उनके समाधि के निकट हुआ, जहां राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देशरत्न की समाधि पर पुष्प-चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। साथ ही समाधि की परिक्रमा कर उन्हें नमन भी किया। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से बिहार के राज्यपाल के परिसहाय, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की ओर से जिला दंडाधिकारी पटना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से आयुक्त पटना प्रमंडल ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की समाधि पर पुष्प-चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार आदि ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बिहार की जीडीपी वृद्धि दर 14.5 फीसदी, अर्थव्यवस्था 8.54 लाख करोड़ की

पटना (नि.सं.) । बिहार में कृषि, उद्योग और सेवा समेत सभी क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन की बदौलत पिछले वित्तीय वर्ष में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से अधिक 14.5 प्रतिशत होने के अनुमान के साथ अर्थव्यवस्था का आकार 8.54 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को बजट सत्र के पहले दिन सदन में बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया, जिसमें कहा गया है कि पिछले वर्ष की अपेक्षा वित्तीय वर्ष 2023-24 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में वर्तमान मूल्य पर 14.5 प्रतिशत की और 2011-12 के स्थिर मूल्य पर 9.2 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

डिप्टी सीएम सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण

बजट सत्र : 8.54 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था बिहार में तिगुनी हुई विकास की रफ्तार

- उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार ने बीते दो दशकों में महत्वपूर्ण आर्थिक उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य सरकार आर्थिक विकास को और गति देने के लिए लगातार योजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वित्तीय अनुशासन और राजस्व बढ़ोतरी की वजह से बिहार की अर्थव्यवस्था मजबूती की ओर बढ़ रही है और भविष्य में इसे और अधिक सशक्त बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी

बिहार में प्रति व्यक्ति आय में भी सुधार हुआ है। 2011-12 में प्रति व्यक्ति जीएसडीपी 23,525 रुपये थी, जो 2023-24 में बढ़कर 66,828 रुपये हो गई। स्थिर कीमतों के आधार पर यह 23,525 रुपये से बढ़कर 36,333 रुपये हो गई है।

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन डिप्टी सीएम सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पेश की। इस दौरान उन्होने बताया कि बिहार की अर्थव्यवस्था बीते 12 सालों में साढ़े तीन गुना की रफ्तार से बढ़ी है। 2011-12 के 2.47 लाख करोड़ रुपये से 2023-24 में 8.54 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जबकि 2023-24 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में मौजूदा कीमतों पर 14.5% और स्थिर मूल्य पर 9.5% की वृद्धि होने का अनुमान है। वर्ष 2023-24 के लिए राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) मौजूदा कीमतों पर 8,54,429 करोड़ रुपये और स्थिर कीमतों (2011-12) पर 4,64,540 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है, कि बिहार में सभी क्षेत्रों - प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक में आर्थिक गतिविधियों का उस गति से विस्तार हुआ है जो राज्य को देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाले राज्यों में से एक बनाता है। स्थिर कीमतों पर बिहार की जीएसडीपी की वृद्धि दर 2023-24 में 9.2 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो बिहार को उच्च दर से विकास करने वाले राज्यों में शामिल कर देगी।

भाजपा अपनी ताकत दिखा रही है

सर्वेक्षण में कहा गया है कि बिहार की जीएसडीपी मौजूदा कीमतों पर 14.5 प्रतिशत और पिछले वर्ष की तुलना में 2023-24 में 9.2 प्रतिशत स्थिर (11-12 कीमतें) बढ़ने का अनुमान है। मौजूदा कीमतों पर राज्य की जीएसडीपी 10.9 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ी है, जो भारत की जीडीपी वृद्धि दर 10.70 से थोड़ा आगे है। वहीं मौजूदा कीमतों पर जीएसडीपी भारत की जीडीपी से 1.1 प्रतिशत अधिक दर से बढ़ने का अनुमान है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बजट सत्र के पहले दिन राज्य विधानसभा में सर्वेक्षण पेश करने के बाद कहा कि राज्य ने जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति जीएसडीपी में वृद्धि के माध्यम से महत्वपूर्ण आर्थिक विकास हासिल किया है। बिहार ने पिछले दो दशकों में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास देखा है।

चुनाव से पहले 34 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा : राज्यपाल

तीन मार्च को नीतीश सरकार बजट पेश करेगी। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान दोनों सदनों को एक साथ संबोधित किया। अपने 35 मिनट के अभिभाषण में राज्यपाल ने नीतीश सरकार के काम गिनवाए। साथ ही कहा कि चुनाव से पहले सरकार 34 लाख रोजगार देगी। राज्यपाल ने कहा कि 10 लाख लोगों को नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य सरकार का है। इसमें 9 लाख 35 हजार लोगों को नौकरी दी गई है। बाकी पदों पर प्रकिया जारी है। इस साल चुनाव की घोषणा से पहले युवाओं को 10 लाख की जगह 12 लाख सरकारी नौकरी दी जाएगी। अब तक 10 लाख की जगह 24 लाख लोगों को रोजगार दिया गया है। चुनाव की घोषणा से पहले 34 लाख लोगों को रोजगार मिल जाएगा। तेजस्वी यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा कि जो सरकार लिख कर देती है, गवर्नर पढ़ देते हैं। अब इस पर चर्चा होगी इस पर ऐसी पोल खोली जाएगी कि सरकार जवाब नहीं दे पाएगी।

बिहार सरकार की नई पहल, जरूरतमंदों को मिलेगा निःशुल्क चश्मा

सहज और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध : मंगल पांडेय

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार राज्य के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने नेत्र संबंधित समस्याओं को दूर करने और दृष्टिदोष से ग्रस्त लोगों को राहत देने के लिए एक नई योजना की शुरुआत की है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के उद्देश्य से सरकार ने राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत निःशुल्क चश्मा वितरण योजना शुरू की है। इस योजना के तहत उन स्वास्थ्य संस्थानों में जहां नेत्र परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है, वहां मरीजों की आंखों की जांच कर आवश्यकतानुसार उन्हें निःशुल्क चश्मा दिया जाएगा।

राज्य सरकार नेत्र परीक्षण की सुविधा को सुलभ बनाने के लिए जिला अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों, रेफरल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में यह सेवा उपलब्ध करा रही है। इन केंद्रों पर आने वाले उन मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी, जिन्हें धुंधला दिखने या अन्य दृष्टिदोष की समस्या हो रही है। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच के बाद यदि मरीज को चश्मे की आवश्यकता होगी, तो उसे सरकार की ओर से मुफ्त चश्मा उपलब्ध कराया जाएगा। यह सुविधा खासकर उन गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए एक बड़ी राहत होगी, जो महंगे चश्मे खरीदने में असमर्थ होते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता आम जनता को सहज और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस योजना से लाखों लोग लाभान्वित होंगे, विशेष रूप से वे लोग जिनकी आंखों की रोशनी उम्र बढ़ने या किसी अन्य कारण से कमजोर हो रही है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपनी आंखों की जांच करवाएं।

बिहार सरकार लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नए कदम उठा रही है। पहले भी सरकार ने कई स्वास्थ्य योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें निःशुल्क दवा वितरण, आयुष्मान भारत योजना, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसे महत्वपूर्ण अभियान शामिल हैं। अब यह नई पहल नेत्र रोग से पीड़ित लोगों को राहत देने का काम करेगी और उनके जीवन को आसान बनाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर नागरिक स्वस्थ रहे और बेहतर जीवन जी सके।

राज्य के 37 जिलों में बन रहा महिला सशक्तीकरण कार्यालय

पटना (नि.सं.)। राज्य के सभी 37 जिलों में महिला सशक्तीकरण कार्यालय खोला जा रहा है। इसके माध्यम से महिला संबंधित सारी योजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी। इसके साथ ही योजनाओं का समन्वयन के साथ अनुश्रवण भी किया जाएगा। सभी योजनाओं का नियमित मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए महिला एवं बाल विकास निगम की ओर से अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग ब्रिटेन की मदद से इस कार्यालय को खोजा जा रहा है। कई जिलों में इस कार्यालय का भवन बन कर तैयार हो चुका है। पटना सहित कई और जिला पदाधिकारी कार्यालय में इसे अप्रैल तक खोला जाएगा। बता दें कि महिला संबंधित सभी योजनाओं का समय पर मूल्यांकन हो, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग ब्रिटेन की ओर से आर्थिक मदद दी जाएगी। हर जिले के जिला पदाधिकारी के माध्यम से इस भवन का निर्माण करवाया जाएगा। अभी महिला सशक्तीकरण संबंधित योजनाओं की देखरेख के लिए जिला स्तर पर कोई निगरानी नहीं हो पाती थी।

शिक्षकों के तबादले की दूसरी लिस्ट जारी

निज संवाददाता | पटना

शिक्षकों के ट्रांसफर से जुड़ी बड़ी खबर पटना से आ रही है। जहां शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के तबादले की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। बिहार में कुल 1 लाख 90 हजार शिक्षकों ने तबादले को आवेदन दिया था। दूसरे चरण में 187 शिक्षकों का तबादला कर दिया गया है। 25 फरवरी को शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में विभागीय स्थापना समिति की बैठक में शिक्षकों के ट्रांसफर पर फैसला लिया गया। इस बैठक में शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव, प्राथमिक शिक्षा के निदेशक पंकज कुमार, माध्यमिक शिक्षा के उप निदेशक अब्दुस सलाम अंसारी मौजूद थे।

बता दें कि प्रथण चरण में पुराने वेतनमान वाले 35 शिक्षकों का तबादला हुआ था। ये सभी कैंसर से पीड़ित हैं। अभी कैंसर पीड़ित 400 नियोजित शिक्षकों की स्क्रूटिनी हो रही है। शिक्षकों के आवेदन को कई श्रेणी में बांटा गया है। सबसे पहले कैंसर पीड़ित शिक्षकों का तबादला हो रहा है। इसके बाद असाध्य रोगों से पीड़ित शिक्षकों के आवेदनों की स्क्रूटिनी होगी। जिसके बाद चरणबद्ध तरीके से एक लाख 90 हजार टीचर का तबादला किया जाएगा। इसके लिए अलग सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। जिसके जरिये शिक्षकों को स्कूल आवंटित किया जाएगा।

'सक्षम 25' अभियान का समापन हरित और सतत भविष्य के लिए आह्वान

निज संवाददाता | पटना

पटना में बिहार चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ में 28 फरवरी 2025 को 'सक्षम 25' अभियान का भव्य समापन हुआ। यह राष्ट्रीय अभियान ईंधन संरक्षण, पर्यावरणीय स्थिरता और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। 14 फरवरी से 28 फरवरी 2025 तक चले इस अभियान ने पूरे राज्य में व्यापक जागरूकता फैलाने और हरित भविष्य के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी। 'सक्षम 25' को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत देशभर में तेल उद्योग के सहयोग से आयोजित किया गया। इस वर्ष अभियान की थीम 'हरित और स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से स्वच्छ पर्यावरण' रखी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य न केवल ईंधन संरक्षण के महत्व को उजागर करना था, बल्कि नागरिकों और संगठनों को स्वच्छ और अधिक टिकाऊ ऊर्जा के उपयोग के प्रति प्रेरित करना भी था। समापन समारोह में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक और बिहार में तेल उद्योग के राज्य स्तरीय समन्वयक संजीव कुमार चौधरी ने 'सक्षम 25' को एक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया।

स्कूल में अंडा खाने के बाद 80 बच्चों की बिगड़ी तबीयत

नालंदा (नि.सं.)। नालंदा जिले में शुक्रवार को मिड-डे मील में अंडा खाने से 80 बच्चे बीमार हो गए। इससे स्कूल में हड़कंप मच गया। बच्चों को जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहीं इस घटना के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने मिड-डे मील के खाने की गुणवत्ता की जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला जिले के हरनौत प्रखंड के श्री चांदपुर प्राथमिक विद्यालय का है। दरअसल, बच्चों को मिड डे मील में अंडा और चावल परोसा गया था। अंडा खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों ने पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत की और कुछ ही देर में कुछ बच्चों को उल्टी भी होने लगी।

कारखाना निरीक्षणालय द्वारा एनटीपीसी में शकिया गया श्रमिक संवाद

निज संवाददाता | मुजफ्फरपुर

संजय कुमार पाल, मुख्य कारखाना निरीक्षक, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार एवं अनिल कुमार, उप मुख्य कारखाना निरीक्षक, मुजफ्फरपुर ने गुरुवार को एनटीपीसी कांटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने फैक्ट्री के सभी ऑपरेशनल यूनिट की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों से कार्य प्रणाली पर विस्तृत विचार-विमर्श करने के उपरांत कई आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद कारखाने में काम कर रहे श्रमिकों से संवाद किया। विभाग की टीम ने इस दौरान श्रमिकों से कारखाना प्रबंधन से किसी प्रकार की शिकायत, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने के साथ ही काम के दौरान उनके रहने की सुविधा, पीने के पानी की व्यवस्था, काम के दौरान सेफ्टी की जानकारी और उन्हें मिलने वाले पेमेंट के बारे में जानकारी ली। सभी श्रमिकों ने एनटीपीसी कांटी की ओर से दी जाने वाली सारी सुविधाओं को परिपूर्ण और अधिकारियों के व्यवहार को सम्मानजनक बताया। इस मौके पर मौजूद अभिषेक जैन, अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा) ने एनटीपीसी कांटी की तरफ़ से दी जाने वाली हर प्रकार की सेवा और सुविधाओं से उन्हें अवगत कराया। उसके पश्चात उन्होंने सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सेफ्टी पार्क का भी अवलोकन किया और उसकी सराहना की। सेफ्टी पार्क में होने वाली पेप टॉक और सुरक्षा दृष्टि से महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। संवाद के पश्चात अधिकारियों ने एनटीपीसी कांटी के परियोजना प्रमुख मधु एस. से मुलाक़ात कर उनसे वार्ता की और श्रम संसाधन विभाग की ओर से हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान तापस साहा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), महेशकुमार सुथार, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं अभिषेक जैन, अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा) भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

10% से कम राशि खर्च करने वाले पंचायत सचिवों का तनख्वाह रोकी

गया। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 15वीं व षष्टम राज्य वित आयोग की प्राप्त राशि के व्यय की समीक्षा की। जिसमें पाया गया कि वित आयोग की प्राप्त राशि का व्यय काफी कम है। इसपर डीएम ने सभी पंचायत समिति व ग्राम पंचायत में प्राप्त राशि के व्यय में तेजी लाने का निर्देश सभी बीडीओ और प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को दिया। साथ ही 10 प्रतिशत से कम व्यय करने वाले पंचायत समिति व ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव से स्पष्टीकरण करते हुए उनका वेतन स्थगित करने का भी आदेश दिया गया। बताया गया कि खिजरसराय, आमस, फतेहपुर, मोहनपुर, अतरी व नीमचक बथानी दस फीसदी से कम व्यय करने वाले पंचायत समिति हैं। वहीं चकरा (अतरी), भलुआ (बाराचट्टी), काचर (डुमरिया), कुजापी (नगर), कुजेसर (इमामगंज) और मोहड़ा प्रखंड का गेहलौर ग्राम पंचायत ने भी दस फीसदी से कम व्यय किए हैं। डीएम ने स्पष्ट कहा कि योजना के काम होने व एमबी बुक होने के बाद राशि भुगतान में देरी ना करें। साथ ही वास्तविक कार्यों के एवज में ही भुगतान करने का निर्देश दिया गया। डीएम ने जिला स्तरीय व टेक्निकल पदाधिकारी से योजनाओं की भौतिक जांच करवाने का निर्देश डीडीसी को दिया। बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी, अपर जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी व पंचायत राज पदाधिकारी समेत जिले के सभी पंचायत सचिव उपस्थित थे।

आज छह घंटे का होगा पॉवर कट

टिकारी। 11 केवी विद्युत तार बदलने को लेकर टिकारी पॉवर सब स्टेशन से निकली मऊ और ऑक्सीजन प्लांट फीडर की बिजली आपूर्ति आज यानी शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से 6 बजे तक बंद रखी जाएगी। जेईई हिमांशु कुमार ने बताया कि सेफ्टी के तौर पर टाउन फीडर की सप्लाई एक घण्टे के लिए बन्द की जाएगी। श्री कुमार नेबप्रभावित इलाका के उपभोक्ताओं से वैकल्पिक व्यवस्था कर लेने की अपील की है।

इंटर की 3.5 लाख कॉपियों का मूल्यांकन शुरू

गया। इंटरमीडिएट परीक्षा की व्यहवृत उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए गया में छह केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर 27 फरवरी से 8 मार्च तक साइंस व आर्ट्स की साढ़े तीन लाख कॉपियों की जांच होगी। स्वच्छ, कदाचार मुक्त व गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन के लिए सभी केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। चयनित केंद्रों पर अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, जीव विज्ञान, गणित, रसायन, भौतिकी व मनोविज्ञान की कापियां जचेंगी। सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक एक पाली में कॉपियों का मूल्यांकन किया जाएगा। अगर कोई भी परीक्षक या प्रधान परीक्षक आवंटित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन निर्धारित समय में नहीं करते हैं तो उन्हें हर हाल में शाम छह बजे तक कॉपियों की जांच पूरी कर लेनी है। मूल्यांकन की अवधि में केंद्र के बाहर अनावश्यक भीड़ नहीं रहेगी। निगरानी के लिए अलग से पदाधिकारी होंगे प्रतिनियुक्त इस कार्य में गड़बड़ी करने वाले और कदाचार में लिप्त पाए जाने वाले दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम व आईपीसी की धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी कैमरों से होगी कॉपियों की निगरानी: मूल्यांकन केंद्र के बाहर, बरामदे में, मूल्यांकन व वज्रगृह में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। मूल्यांकन कक्ष में सीसीटीवी इस प्रकार से लगाए जाएंगे कि प्रधान परीक्षक व सह परीक्षक आदि व्यक्तियों की गतिविधियां तो कैमरे की नजर में रहें लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के दौरान कॉपियों पर दिए जा रहे मार्क्स व बारकोड स्टिकर्स का क्लोज अप कैमरे में कैद ना हो। सभी मूल्यांकन केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरे का प्रसारण जिला नियंत्रण कक्ष या चिन्हित अन्य स्थल होगा। जिसकी निगरानी के लिए अलग से पदाधिकारी प्रतिनियुक्त होंगे। मार्क्स की इंट्री कम्प्यूटर के द्वारा की जाएगी। प्रत्येक केंद्र पर 13 कम्प्यूटर रहेंगे। उसमें से दस कम्प्यूटर में प्राप्तांकों की प्रविष्टि की जाएगी जबकि तीन कम्प्यूटर मूल्यांकन निदेशक के अधीन रहेंगे।

सरकारी स्कूल के बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

नालंदा। नालंदा जिले के रैतर में शुक्रवार को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जो आज के समय में दुर्लभ है। यहां के एक सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कुमार ने अपना 37वां जन्मदिन स्थानीय सरकारी स्कूल के बच्चों के साथ मनाकर समाज सेवा का अनूठा उदाहरण पेश किया। राजेश कुमार ने अपने इस विशेष दिन पर स्कूल में पढ़ने वाले 200 से अधिक छात्र-छात्राओं के बीच कॉपी, कलम जैसी शैक्षिक सामग्री बांटी और उनके साथ मिलकर केक काटा। इस अभिनव पहल से न केवल बच्चों के चेहरे खिल उठे, बल्कि स्कूल के शिक्षक और स्थानीय ग्रामीण भी इस सराहनीय कदम से अभिभूत हुए। "स्कूल के प्रधानाध्यापक ने कहा कि आज के युग में जन्मदिन मनाना आम बात है, लेकिन राजेश जी ने जिस तरह से अपना जन्मदिन मनाया, वह वास्तव में प्रेरणादायक है।

अपने जन्मदिन को अर्थपूर्ण बनाया: इस अवसर पर राजेश कुमार ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि "मेरा मानना है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को किसी भी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े। मैंने अपने जन्मदिन को अर्थपूर्ण बनाने के लिए इन बच्चों के साथ मनाने का निर्णय लिया। मेरा मकसद सिर्फ इन्हें शैक्षिक सामग्री देना ही नहीं, बल्कि इनके अंदर शिक्षा के प्रति रुचि जगाना भी है।स्थानीय समुदाय के लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में एक सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य लोगों को भी इस तरह के सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। राजेश कुमार पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनका यह प्रयास नालंदा जैसे ऐतिहासिक शैक्षिक महत्व वाले जिले में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम है।

नालंदा में अंडे खाने के बाद 80 स्कूली बच्चे बीमार

नालंदा। नालंदा में शुक्रवार को अंडे खाने के बाद स्कूल के 80 बच्चे बीमार हो गए। सभी को मध्याह्न भोजन में अंडे परोसे गए थे। जिसे खाने के बाद बच्चों को पेट दर्द और उल्टी होने लगी। जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया। बच्चों को कल्याण विगहा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला हरनौत प्रखंड स्थित श्री चंद पुर प्राथमिक विद्यालय का है।

बच्चे अब खतरे से बाहर: विद्यालय की शिक्षिका ऋतु कुमारी ने बताया कि जैसे ही बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली, तुरंत एंबुलेंस की व्यवस्था की और सभी बच्चों को अस्पताल पहुंचाया। बच्चों ने अंडा खाया था। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राकेश रंजन ने बताया कि सभी बच्चों की स्थिति अब खतरे से बाहर है। हमने सभी बच्चों का उचित उपचार शुरू कर दिया है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

जांच के आदेश दिए हैं: जिला शिक्षा अधिकारी राजकुमार ने बताया कि जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच कर रहे हैं कि अंडे की गुणवत्ता में कमी थी या फिर उन्हें तैयार करने के दौरान कोई गड़बड़ी हुई। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच के बाद मामला स्पष्ट होगा। स्थानीय नागरिकों ने मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में पारदर्शिता और बेहतर निगरानी की मांग की है। अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों में दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

2005 में सरकार बनते 35 लाख बच्चों को स्कूल पहुंचाया

नालंदा। बिहारशरीफ के मघडा स्थित शीतला उच्च विद्यालय में गुरुवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल विकास कोष से निर्मित नए कक्ष का उद्घाटन बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री और विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रवण कुमार के हाथों संपन्न हुआ। मंत्री श्रवण कुमार ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था में आए क्रांतिकारी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि "बिहार देश का पहला राज्य है जहां एक बार में 1 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में बिहार ने अकल्पनीय प्रगति की है। उन्होंने बताया कि 2005 में सरकार बनते ही लगभग 35 लाख बच्चों को स्कूल पहुंचाया गया और एक हजार से अधिक नए स्कूलों का निर्माण करके राज्य में शैक्षिक माहौल तैयार किया गया।

राजगीर में सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

♦ ई-रिक्शा से कुंड स्नान करने जा रहे थे पति-पत्नी, पीछे से आ रही बोलेरो ने मारी टक्कर

नालंदा में गुरुवार की रात सड़क हादसे में जख्मी एक अधेड़ की मौत हो गई। मामला राजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ महादेव मंदिर के समीप की है। मृतक की पहचान सिलाव थाना क्षेत्र के कड़ाहडीह निवासी स्वर्गीय जुगा ठाकुर के बेटे सुरेंद्र ठाकुर (45) के रूप में की गई है। घटना 22 फरवरी को हुई थी। घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि 22 फरवरी को पति-पत्नी बेटी के रिश्ते के लिए राजगीर गए हुए थे। तभी दोनों राजगीर बस स्टैंड से ई रिक्शा पकड़कर कुंड स्नान करने जा रहे थे। इसी बीच महादेव मंदिर के समीप पीछे से आ रही बोलेरो ने टक्कर मार दिया। जिससे ई-रिक्शा पर सवार दम्पत्ति समेत चालक जख्मी हो गए। तीनों को आनन-फानन में राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इलाज के क्रम में सुरेंद्र ठाकुर की गुरुवार की शाम मौत हो गई। जबकि सुरेंद्र ठाकुर की पत्नी और चालक अब भी इलाजरत है। सुरेंद्र ठाकुर की पांच बेटियां हैं। सैलून चलाकर सुरेंद्र ठाकुर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे थे। इस हादसे के बाद परिवार वालों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके आजीविका पर संकट आ गया है।

मामला दर्ज, कार्रवाई में जुटी पुलिस: वहीं इस मामले में राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में जख्मी की मौत की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। गाड़ी नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

नालंदा में गोलीबारी में युवक जख्मी

निज संवाददाता। नालंदा

♦ पड़ोसियों ने बाएं हाथ में मारी गोली, गाली-गलौज करने से मना करने पर वारदात की आशंका

नालंदा में बदमाश ने शुक्रवार को एक युवक को गोली मार जख्मी कर दिया। मामला भागन बीघा ओपी अंतर्गत मोरा तालाब गांव का है। जख्मी युवक की पहचान भागन विगहा ओपी के मोरातालाब गांव निवासी मौली यादव के (23) वर्षीय पुत्र धर्मवीर कुमार के रूप में क़ी गई है। घटना के संबंध में जख्मी युवक ने बताया कि वह घर से निकलकर देवी स्थान के पास जा रहा था, तभी गांव के ही बुधन यादव ने गोली मार दी। पहली गोली से किसी तरह से बच गया लेकिन दूसरी गोली बाएं हाथ में लग गई। जिसके बाद वहां मौजूद लोगों ने स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। जख्मी हालत में धर्मवीर कुमार को पुलिस के सहयोग से परिजनों ने इलाज के लिए बिहार शरीफ़ सदर अस्पताल लाया गया। जिसके बाद प्रारम्भिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हालांकि घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। चर्चा है कि गाली गलौज करने से मना करने पर बदमाश द्वारा गोली मारी गई है। वहीं, इस मामलें में भागन विगहा ओपी प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि पुलिस मामलें की जांच में जुट गई है। पड़ोसी के द्वारा ही गोलीबारी की घटना की गई है। मौके पर एफएसएल की टीम को भी निरीक्षण के लिए बुलाया गया है। आरोपी घर छोड़ फरार हो गया है।जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी में जुट गई है।

बाइक लूट गिरोह के सरगना समेत चार गिरफ्तार

निज संवाददाता। गया

गया जिले की मोहनपुर पुलिस ने गुरुवार को बाइक लूट गिरोह के सरगना अंगद पासवान और उसके 3 सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए अपराधियों की निशानदेही पर लूटी गई एक बाइक और लूट में इस्तेमाल की गई दो बाइक को बरामद किया। इसके अलावा पुलिस ने छापेमारी की कार्रवाई के दौरान एक थरनेट (देसी कार्बाइन) भी अपराधियों के पास बरामद किया। इस बात की जानकारी एसपी सीटी रामानन्द कौशल ने दी। एसपी सिटी ने बताया कि कुछ दिन पहले रिकवरी एजेंट से दो अलग-अलग बाइक पर सवार अपराधियों 4 अपराधियों बाइक लूट ली थी। हालांकि रिकवरी एजेंट से अपराधियों से डेढ़ लाख रुपए भी लूटने की कोशिश की थी, पर वे सफल नहीं हो सके थे। पीड़ित ने इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

चौकीदार का बेटा निकला बाइक चोरी गिरोह का मास्टरमाइंड: रिपोर्ट दर्ज किए जाने के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही थी। छानबीन के दौरान सुराग मिलने पर पुलिस ने फतेहपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक चौकीदार के घर रेड मारा तो वहां से दो मोटरसाइकिल बरामद हुई। इस पर पुलिस ने चौकीदार के लड़के अंगद पासवान को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी ने बताया कि अंगद पासवान ही बाइक लूट गिरोह का सरगना है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक और बाइक बरामद की 3 अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अपराधी फतेहपुर, मोहनपुर और बोधगया प्रखण्ड क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम दिया करते थे।

गया में साइबर ठग और नक्सली के खिलाफ एक्शन

निज संवाददाता। गया

♦ साइबर ठगी का पैसा महिला को मिला वापस, 2011 से चल रहा था फरार

गया जिला पुलिस ने साइबर ठगी और नक्सलियों के खिलाफ दो अहम कार्रवाइयों को अंजाम दिया। साइबर क्राइम की शिकार महिला को 45,000 रुपए वापस कराए गए, जबकि एक कुख्यात नक्सली को बेलागंज पुलिस ने दबोच लिया गया।

साइबर ठगी में फंसी थी गुड़िया, पुलिस ने लौटाए 45 हजार: गया जिले की गुड़िया कुमारी के खाते से साइबर क्रिमिनल ने 45,000 रुपये उड़ा लिए थे। उसने साइबर थाना, गया में शिकायत दर्ज कराई। मामला गंभीर था, इसलिए SSP ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। साइबर थाना ने तकनीकी जांच कर 27 फरवरी को पीड़िता के खाते में पूरा पैसा वापस करा दिया। गया पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई पर गुड़िया ने आभार जताया। साइबर थाने की पुलिस ने अपील की कि साइबर ठगी होने पर लोग तुरंत 1930 हेल्पलाइन या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

मोस्ट वांटेड नक्सली चढ़ा पुलिस के हत्थे: बेलागंज पुलिस को इनपुट मिला कि कुख्यात नक्सली सुजीत दास उर्फ कुलेन्दर मोहनपुर बाजार में देखा गया है। वह कई मामलों में वांछित है। इस पर STF और बेलागंज थाना पुलिस की विशेष टीम बनाई गई। टीम ने मोहनपुर बाजार में घेराबंदी की। पुलिस को देख नक्सली ने भागने की कोशिश की लेकिन वह सफल नहीं हो सका। सशस्त्र बलों ने उसे खदेड़ कर धर दबोचा।

हत्या में था शामिल: पकड़े गए नक्सली सुजीत दास उर्फ कुलेन्दर ने अपनी पहचान स्वीकार की। वह 2011 में हुई एक हत्या का आरोपी है। पीड़ित ने तब बयान दिया था कि जब वह अपने भतीजे के साथ बाजार से लौट रहा था, तब घात लगाए उग्रवादियों ने गोली मारकर भतीजे की हत्या कर दी थी। इस मामले में 10 नक्सलियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। घटना के दिन से ही सुजीत फरार चल रहा था। सुजीत हत्या के 14 वर्ष बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा है।

पुरस्कृत होंगे पुलिसकर्मी: गया पुलिस अब सुजीत दास का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। बताया गया है कि सुजीत की गिरफ्तारी करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

नालंदा में 3 मार्च को लगेगा रोजगार कैंप

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नालंदा जिले में 3 मार्च को एक विशेष नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह मेला संयुक्त श्रम भवन, जिला नियोजनालय नालंदा बिहारशरीफ (बिहारशरीफ प्रखंड कार्यालय कैम्पस के निकट) में आयोजित किया जाएगा। इस एक दिवसीय आयोजन में देश की प्रमुख कंपनियां सहभागिता करेंगी, जिनमें MRF, होटल ममता इंटरनेशनल, लेनोवो ग्रुप, ग्रीन मैक्स सिस्टम, अरवन इन्फोसॉफ्ट, निमसन हर्बल, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन, क्वेस कॉर्प लिमिटेड, टाटा मोटर्स और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख हैं।

इनके अलावा कई स्थानीय और बाहरी निजी कंपनियां भी इस मेले में भाग लेंगी। मेले में आने वाली कंपनियां रिटेल, हेल्थकेयर, अकाउंटिंग, डिलीवरी सर्विसेज, हॉस्पिटैलिटी और सिक्योरिटी सर्विसेज जैसे विविध क्षेत्रों में करीब 2,500 रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया चलाएंगी। यह मेला नालंदा के बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर साबित हो सकता है। जिला नियोजन अधिकारी अंकित राज ने बताया, "इस मेले का उद्देश्य है कि नालंदा और आसपास के क्षेत्रों के युवा प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार पाने का अवसर प्राप्त कर सकें।

साथ ही, उन्हें विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी मिलेगा।" प्रशासन ने सभी युवाओं, विशेषकर युवतियों से अधिक से अधिक संख्या में इस मेले में भाग लेने का आग्रह किया है। आवेदकों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की मूल प्रति और फोटो कॉपी साथ लेकर आएं।

नालंदा में 25 हजार का इनामी लुटेरा गिरफ्तार

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा की नुरसराय पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए नूरसराय थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी राकेश कुमार उर्फ कंजला उर्फ कैला (27) को गिरफ्तार किया गया है। जो जहानाबाद जिला कल्पा थाना क्षेत्र के बुधन टाली का रहने वाला है। पुलिस ने जहानाबाद से ही आरोपी को गिरफ्तार किया है। सदर SDPO-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि आरोपी एक कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से 25,000 रुपये का इनाम घोषित था। यह गिरफ्तारी नूरसराय थाना में दर्ज एक कांड से जुड़े मामले में की गई है। **माल लदे ट्रक को बनाया था निशाना:** इस मामले की शुरुआत 6 सितंबर 2024 को हुई थी, जब रात करीब 9:15 बजे अज्ञात अपराधियों ने हिंदुस्तान यूनिलीवर कम्पनी का माल लदा ट्रक को लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें मनोज कुमार उर्फ अमित कुमार, संतोष कुमार, और विकेश कुमार शामिल थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, राकेश कुमार का आपराधिक इतिहास लंबा है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स के लिए नालंदा की नेहा सेलेक्ट

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के इमामगंज रहुई की रहने वाली नेहा कुमारी का खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के F47 लॉन्ग जंप 400 मीटर प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 20 मार्च से 28 मार्च 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। एक साधारण किसान परिवार से आने वाली नेहा ने अपने अथक प्रयासों और दृढ़ संकल्प से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे नालंदा का नाम रोशन किया है। उनके पिता रंजीत कुमार यादव एक किसान हैं, जबकि माता रुक्मिणी देवी गृहिणी हैं। नेहा ने कहा कि "मेरे माता-पिता ने हमेशा मेरा साथ दिया है, चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न रही हों, "उन्होंने मुझे कभी भी महसूस नहीं होने दिया कि मैं किसी से कम हूं।"

नेहा का खेल जगत में सफर 2021 में शुरू हुआ: नेहा का खेल जगत में सफर 2021 में शुरू हुआ, जब वे नालंदा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन से जुड़ीं। महज 3 साल के अंदर, उन्होंने 13वीं जूनियर राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप 2024 में लॉन्ग जंप प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल कर सभी को चौंका दिया। इसके अलावा, 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलीट चैंपियनशिप में उन्होंने लॉन्ग जंप में 5वां स्थान प्राप्त किया। वर्तमान में, नेहा नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी, हरनौत में कोच कुंदन कुमार पांडे के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। कोच पांडे ने कहा कि "नेहा में असाधारण प्रतिभा है। उनकी मेहनत और समर्पण देखकर मुझे विश्वास है कि वे खेलो इंडिया पैरा गेम्स में बिहार के लिए पदक जीतेंगी। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में बिहार का प्रतिनिधित्व करने वाली नेहा ने कहा, "यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।

हावड़ा-अमृतसर-हावड़ा मेल अपने निर्धारित मार्ग पर चलेगी

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के तहत माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-जंघई जंक्शन अनुभाग में माँ बेल्दा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन, पिरथीगंज, माँ बाराही देवी धाम एवं गौरा स्टेशनों के बीच दोहरीकरण के लिए पूर्व नॉन-इंटरलॉकिंग/नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य (दिनांक 06.03.2025 से 12.03.2025 तक) के कारण हावड़ा-अमृतसर-हावड़ा मेल के मार्ग परिवर्तन के संबंध में पूर्व प्रकाशित अधिसूचना के संदर्भ में, यह उल्लेख किया जाता है कि संबंधित **नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य स्थगित कर दिया गया है।** अतएवं, **13005/13006 हावड़ा-अमृतसर-हावड़ा मेल** (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 05.03.2025 से 11.03.2025 तक), जो पहले परिवर्तित मार्ग पर चल रही थी, **अब पुनर्बहाल कर दी गई है एवं अपने निर्धारित मार्ग पर चलेगी।**

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल, गढ़वा।

अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0:–27/2024–25
ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस
पुनःनिविदा शुद्धी पत्र

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–27/2024-25/EE/BCD/GARHWA दिनांक–28.02.2025

1.कार्य का विस्तृत विवरणी

क्र0सं0	कार्य का नाम	परिमाण पत्र की राषि
1	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खरौंधी (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
2	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, केतार (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
3	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कांडी (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
4	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरडीहा (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
5	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रमना (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
6	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बिषुनपुरा (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
7	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सगमा (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
8	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिनियां (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
9	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डंडा (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
10	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रमकंडा (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00
11	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरगड़ (BPHU के भवन निर्माण योजना)	₹ 49,97,900.00

2. कार्य पूर्ण की अवधि :– 06 (छः) माह
3. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 10.03.2025 11:00 बजे
4. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय :– 20.03.2025 11:00 बजे
5. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।
6. निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान :– 24.03.2025 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन अचंल सं0–02,राँची।
7. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 9955921643
8. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 8210456132
9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रकिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक– 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।
- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

Note:- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

नोटः– PR 346761 Building(24-25)#D द्वारा प्रकाशित निविदा को निरस्त करते हुए पुनःनिविदा **Online Mode** में होगा।

PR 347349 Building(24-25)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने दीप प्रज्जवलित कर तीन दिवसीय ककोलत महोत्सव का किया उद्घाटन

ककोलत महोत्सव में लोगों ने लिया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद

- नवादा की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन स्थल के रूप में महत्व
- आगामी कार्यक्रम और मैथिली ठाकुर की प्रस्तुति से महोत्सव को मिलेगा नया मुकाम

निज संवाददाता | नवादा

नवादा नगर के ऐतिहासिक हरिश्चन्द्र स्टेडियम में शुक्रवार को तीन दिवसीय ककोलत महोत्सव-2025 का उद्घाटन बड़े धूमधाम से हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मंत्री डॉ. प्रेम कुमार (सहकारिता विभाग, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग-सह-प्रभारी मंत्री, नवादा) द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस उद्घाटन समारोह में उनके साथ जिले के प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। इसमें जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा देवी, नगर परिषद अध्यक्ष हिसुआ श्रीमती पूजा कुमारी, नगर परिषद अध्यक्ष वारिसलीगंज, जिला पदाधिकारी नवादा रवि प्रकाश, उप विकास आयुक्त प्रियंका रानी, अपर समाहर्त्ता चन्द्रशेखर आजाद, कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुप्रतिभा कुमारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप जलाकर महोत्सव की विधिवत शुरुआत की। उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पहले ककोलत महोत्सव एक छोटे पैमाने पर आयोजित किया जाता था, लेकिन आज यह आयोजन इतना विशाल हो चुका है, जो नवादा के विकास को प्रदर्शित करता है। उन्होंने जिला प्रशासन, नवादा के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह महोत्सव बिहार के विकास की पहचान बन चुका है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से न केवल जिले की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा मिलता है, बल्कि यह पर्यटन और रोजगार के अवसर भी प्रदान करते हैं। महोत्सव के उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने स्वागत भाषण में कहा कि ककोलत महोत्सव और नवादा एक-दूसरे के पर्याय हैं। उन्होंने ककोलत जलप्रपात के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि यह जलप्रपात नवादा जिले का एक प्रमुख आकर्षण है।

ककोलत का जलप्रपात भारत के सबसे सुंदर झरनों में से एक है, जिसका पानी पूरे साल ठंडा रहता है और यह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। उन्होंने कहा कि ककोलत महोत्सव के आयोजन से यह स्थान और भी प्रमुखता हासिल करेगा, जो नवादा की सांस्कृतिक पहचान को उजागर करता है। उद्घाटन के बाद कार्यक्रम के अन्य आकर्षक हिस्सों में विशिष्ट अतिथियों को मोमेंटो और स्टॉल देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात, संगीत जगत के प्रसिद्ध गायक सत्येन्द्र कुमार ने अपनी मनमोहक संगीत प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सत्येन्द्र कुमार के द्वारा पेश की गई गाने की प्रस्तुति को सभी ने खूब सराहा और कार्यक्रम के अंत में उन्होंने और दर्शकों के अनुरोध पर विशेष गीतों की प्रस्तुति दी। महोत्सव में शामिल विभिन्न सांस्कृतिक और कला कार्यक्रमों के बारे में जिला पदाधिकारी ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव का आयोजन नवादा की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटकीय आकर्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस आयोजन में कला, संगीत, और संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जो नवादा को एक नई पहचान देंगे। इस महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी, जिसमें प्रसिद्ध मैथिली गायिका मैथिली ठाकुर की प्रस्तुति को लेकर उत्साह का माहौल है। जिलाधिकारी ने नवादावासियों से अपील की कि वे इस संगीत कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए समय पर उपस्थित हों। उन्होंने यह भी कहा कि इस महोत्सव में भाग लेने से न केवल हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखेंगे, बल्कि इस प्रकार के आयोजनों से नवादा का राष्ट्रीय स्तर पर नाम भी रोशन होगा। ककोलत महोत्सव का उद्घाटन नवादा जिले के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। यह आयोजन न केवल यहां के लोगों के लिए एक सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि यह जिले को एक नए पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर भी है। महोत्सव के तीन दिनों में होने वाले कार्यक्रमों से नवादा की संस्कृति और विरासत को पूरी दुनिया में फैलाने का एक सुनहरा मौका मिलेगा।

टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

निज संवाददाता | नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक, नवादा अभिनव धीमान की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में सभी प्रकार की विधि-व्यवस्था, मद्य निषेध, खनन, भूमि विवाद, बाल श्रम उन्मूलन तथा किशोर श्रम निषेध से संबंधित बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा की गई, जिसमें राजस्व मालिकाना शुल्क, अवैध खनन, परिवहन, भंडारण तथा ओवरलोडिंग के विरूद्ध की गई कार्रवाई, बालूघाटों आदि की विस्तृत रूप से समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने नवादा जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम प्रभावी रूप से करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसकी रोकथाम से विधि-व्यवस्था संधारण में भी मदद मिलेगी। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष में 14544.22 वार्षिक लक्ष्य के विरूद्ध 50.64 प्रतिशत राजस्व की वसूली की गई। दिनांक-26.02.2025 तक छापेमारी-1137, प्राथमिकी-429, गिरफ्तारी-197, जप्त वाहन की संख्या-687 एवं 374.28 रू0 की राशि वसूली की गई। राज्यान्तर्गत 26 फरवरी 2025 तक अवैध खनन, परिवहन, भंडारण तथा ओभरलोडिंग के विरूद्ध की गई कार्रवाई में नवादा जिला प्रथम स्थान पर है। खनन पदाधिकारी, नवादा द्वारा विगत दो सप्ताह में विभिन्न थानान्तर्गत अवस्थित कुल 07 ईंट भट्टों से 03 ट्रैक्टर, 03 जेसीबी एवं 03 पकमेल मशीन को जप्त किया गया है। जिला पदाधिकारी द्वारा नवादा जिलान्तर्गत सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं सभी अंचल अधिकारी को राजस्व भुगतान में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीएमएफ की अद्यतन स्थिति के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। जिलाधिकारी ने टास्क फोर्स के सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य किये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा अभियान चलाकर छापेमारी करते हुए संलिप्त लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें तथा रोकथाम लगाना सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक, नवादा अभिनव धीमान ने अवैध खनन, परिवहन, भंडारण के विरूद्ध पुलिस पदाधिकारी को सक्रियता दिखाते हुए प्रशासनिक तालमेल के साथ छापेमारी करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मद्य निषेध की समीक्षा बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा आगामी होली पर्व के आलोक में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश पुलिस और उत्पाद को दिया गया। चेक पोस्ट पर सतत निगरानी रखने के साथ-साथ वैकल्पिक मार्गो विशेष कर रजौली, गोविंदपुर और कौआकोल के समीप के वैकल्पिक मार्गों पर विशेष नजर बनाए रखने के लिए पुलिस एवं उत्पाद को निर्देश दिया गया। विनष्टीकरण करने के लिए लंबित 22000 लीटर शराब पाए जाने पर जिला पदाधिकारी द्वारा चिंता प्रकट की गई। शीघ्र विनष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया।वाहनों के अधिकरण के समीक्षा के क्रम में भूमि सुधार उप समाहर्ता नवादा के न्यायालय में लंबित वादों को शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश जिला पदाधिकारी द्वारा दिया गया। होम डिलीवरीकर्ता की गिरफ्तारी बढ़ाने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को नाकों पर विशेष सतर्कता बढाने का निर्देश दिया गया।वाहन मूल्यांकन समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा 101 वाहनों जिनका मूल्यांकन अपर जिला परिवहन पदाधिकारी और मोटर यान निरीक्षक द्वारा किये गये मूल्यांकन को समिति के सदस्यों द्वारा उक्त मूल्यांकन को सही पाए जाने पर उसकी नीलामी करने हेतु पत्र कार्रवाई करने का निर्देश अधीक्षक मद्य निषेध को दिया गया।

डीएम के जनता दरबार में पहुंचे फरियादी कई मामलों का हुआ ऑन स्पॉट निष्पादन

निज संवाददाता | नवादा

नवादा के समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी, रवि प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में आज विभिन्न मुद्दों पर 46 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कई मामलों का त्वरित समाधान मौके पर ही किया गया। जनता दरबार में आमतौर पर आपूर्ति, भूमि विवाद, राजस्व, मद्य निषेध, शिक्षा, भू अर्जन, पारिवारिक विवाद, अतिक्रमण, आईसीडीएस जैसे मुद्दे उठाए गए। इस अवसर पर फरियादीगण अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे और उनकी समस्याओं पर जिला प्रशासन ने तत्काल सुनवाई की। जिला प्रशासन को प्राप्त आवेदन में से कुछ विशेष मामलों में त्वरित कार्रवाई की गई। जैसे कि प्रखंड-पकरीबरावां, ग्राम-तुरूकवन के कैलु पंडित द्वारा विद्युत संबंधित समस्या का समाधान किया गया, वहीं थाना-वारिसलीगंज, ग्राम-अब्दालपुर के विरेन्द्र यादव ने नया चापाकल लगाने की मांग की, जिसे जिला प्रशासन ने संज्ञान में लिया और आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, थाना-हिसुआ, ग्राम-मोहम्मदपुर की बेबी कुमारी ने आंगनबाड़ी सेविका बहाल करने की मांग की, जिसे सम्बंधित विभाग को निर्देशित किया गया। इस तरह से जनता दरबार में जिला प्रशासन ने विभिन्न समस्याओं के बारे में शिकायतों को सुना और इन समस्याओं के निवारण के लिए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। एक और महत्वपूर्ण मामला सामने आया जिसमें प्रखंड-नवादा, ग्राम पंचायत-समाय के चन्दन कुमार ने मोबाईल चोरी के मामले में थाना में कार्रवाई नहीं होने की शिकायत की। जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने इस मामले को गंभीरता से लिया और उचित निर्देश दिए। इसके अलावा, थाना-वारिसलीगंज के बाल्मिकी पासवान द्वारा अनुकम्पा के आधार पर नाजायज बहाली के मामले में भी आवेदन दिया गया। इन सभी मामलों में डीएम ने अधिकारियों को पूरी गंभीरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीएम ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि हर फरियादी को त्वरित न्याय मिल सके। जनता दरबार में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्त्ता नवादा, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, गोपनीय शाखा पदाधिकारी, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ऐसे जनसमस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन लगातार सक्रिय रहेगा और हर शिकायत का निवारण शीघ्र किया जाएगा। जनता दरबार का उद्देश्य जन-संपर्क को बेहतर बनाना और अधिकारियों को जनता की समस्याओं से अवगत कराना है, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो सके।

आग लगने से हजारों मूल्य की सम्पति जलकर राख

नारदीगंज (नवादा) (नि. सं.)। थाना क्षेत्र के ननौरा पंचायत के गोतरायन गांव में रामजी महतो के घर में घरेलू गैस सिलेंडर के रिसाव से आग लग गई।इस घटना में घर में रखे पलंग के अलावा दस मन गेहूं, सात मन चावल, दलहन, नगद दस हजार रुपये, जमीन के कागजात समेत अन्य दस्तावेज व बांस बल्ली जलकर राख हो गये।घटना शुक्रवार को तकरीबन साढ़े बजे सुबह की है।ग्रामीण व अग्निशमन विभाग के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया।इस दौरान गृह स्वामी रामजी प्रसाद व उनके पुत्र दिलीप कुमार आंशिक तौर पर जख्मी हुए।लोग कहते हैं कि रामजी महतो के घर में नए गैस सिलेंडर आया था।तब उनके पुत्र दिलीप कुमार ने रसोई घर में गैस सिलेंडर का रेगुलेटर चालू कर लाइटर जलाया।तभी अचानक उससे आग की लपटें निकलने लगी,और देखते देखते घर में फैल गया।इसी क्रम में आग बुझाने लगे पिता व पुत्र भी आग की चपेट में आने से आंशिक रूप से जख्मी हो गए।

भाषा-संस्कृति के उत्थान का ऐतिहासिक आयोजन- मगही रत्न राम रतन प्रसाद सिंह 'रत्नाकर'

निज संवाददाता | नवादा

नवादा बिहार सरकार एवं नवादा जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से 'मगही साहित्य सम्मेलन - सह भाषाई कार्यशाला एवं मगही महोत्सव' का भव्य आयोजन 01 मार्च २०२५ हरिश्चंद्र स्टेडियम, नवादा में किया जा रहा है। यह आयोजन मगही भाषा, साहित्य, लोकसंस्कृति एवं परंपरा को सहेजने तथा नई पीढ़ी को इससे जोड़ने के उद्देश्य से किया गया है। मगध की पावन भूमि पर आयोजित इस ऐतिहासिक महोत्सव में मगही साहित्य, लोककला, संगीत एवं संस्कृति को समर्पित विभिन्न सत्रों का आयोजन होगा। इसमें बिहार प्रदेश के प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, शोधकर्ता, कलाकार एवं मगही प्रेमी भाग लेंगे। बिहार सरकार एवं नवादा जिला प्रशासन की सराहनीय पहल के लिए भूरी भूरी प्रशंसा मगह क्षेत्र में हो रही है। बिहार सरकार एवं नवादा जिला प्रशासन द्वारा मगही भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु यह ऐतिहासिक पहल की गई है मगध क्षेत्र के नामचीन साहित्यारों को आमंत्रित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष लालमणि विक्रांत और गीतकार (डा) शिवेंद्र नारायण सिंह जी ने कहा कि मगही भाषा-साहित्य को बढ़ावा देने के लिए शोध एवं प्रकाशन को प्रोत्साहित मगही को विद्यालयों एवं अकादमिक स्तर पर सुदृढ़ करने की योजना, लोककला, लोकसंस्कृति एवं पारंपरिक मगही गीत-संगीत को संजोने का प्रयास, मगही भाषा को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ावा देने हेतु विशेष अभियान शुरू किए जाने कि आवश्कयता हैं। इस आयोजन के लिए विश्व मगही परिषद की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई हैं। मगही रत्न राम रतन प्रसाद सिंह 'रत्नाकर' ने कहा कि यह आयोजन मगही भाषा और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय महासचिव, प्रोफेसर डॉ. नागेंद्र नारायण (संस्थापक, विश्व मगही परिषद ,नई दिल्ली) ने कहा—'मगही भाषा हमारी अस्मिता की पहचान है। यह महोत्सव हमारी जड़ों से जोड़ने वाला, संस्कृति को जीवंत करने वाला एक बड़ा आयोजन है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि अपनी भाषा और संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।' विश्व मगही परिषद एवं आयोजन समिति समस्त मगही प्रेमियों, साहित्यकारों, कलाकारों एवं शोधार्थियों से इस महोत्सव में सादर आमंत्रण देती है। आइए, मिलकर अपनी भाषा और संस्कृति के इस महापर्व को ऐतिहासिक बनाएं। विश्व मगही परिषद एवं साहित्यकारों की ओर से शुभकामनाएँ देने वालों में डॉ रामचन्द्र सिंह, ललित किशोर शर्मा, नीता सिंह पुतुल, गीतकार राजकुमार, लखीसराय से डॉ. राजेंद्र राज, नालंदा से जयराम देवसपुरी, डॉ विजय कुमार सिंह, मगही रत्न जयप्रकाश सिंह, निशा कुमारी, खुशबू कुमारी, शेखपुरा से जयनंदन सिंह, डॉ किरण कुमारी शर्मा, ममता कुमारी, वंदना कुमारी,रागिनी कुमारी, चुनचुन पांडेय, गया से पूनम कुमारी, पटना से डॉ दिलीप कुमार, पूजा ऋतुराज, प्रभात वर्मा, हिमांशु शेखर, नरेंद्र प्रसाद सिंह, चीन से डॉ राजीव रंजन और नई दिल्ली से समाजसेवी रंजना कुमारी सहित अन्य राज्यों से भी मगही प्रेमीशामिलहुए।

ललमटीया में रेलवे हॉल्ट बनाने को लेकर ग्रामीणों की बैठक

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

हरदिया पंचायत के जंगली गांव ललमटीया में रेलवे हॉल्ट निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एक बैठक आयोजित की। यह बैठक निर्माणाधीन रेलवे लाइन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण समस्या के समाधान के लिए हुई, जहां ग्रामीणों ने ललमटीया गांव में रेलवे हॉल्ट बनाने की अपील की। इस बैठक में ग्रामीणों का कहना था कि उनके गांवों तक पहुंचने के लिए मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, और वह भी घने जंगलों के बीच से टूटी-फूटी कच्ची सड़कों पर। इसके अलावा, बरसात के मौसम में इन गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट जाता है, जिससे उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। बैठक में ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कोसदरिया-झराही से नवादा के तिलैया-कोडरमा रेलखंड का निर्माण कार्य जारी है, और अगर ललमटीया गांव के समीप रेलवे हॉल्ट का निर्माण हो जाता है, तो उन ग्रामीणों को अस्पतालों और स्कूलों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी। इससे न केवल उनके इलाज के लिए अस्पताल जाना सरल होगा, बल्कि बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूल और कॉलेज जाने में भी उन्हें सहूलियत होगी। इस बैठक का आयोजन भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेन्द्र राजवंशी के नेतृत्व में किया गया था, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। सुरेन्द्र राजवंशी ने बताया कि उन्हें ग्रामीणों द्वारा बुलाया गया था और उन्होंने उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना। इसके बाद उन्होंने नवादा सांसद से फोन के माध्यम से संपर्क किया और ग्रामीणों की समस्याओं को सांसद के सामने रखा। नवादा सांसद ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि ललमटीया गांव में रेलवे हॉल्ट बनाने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा नेता सुरेन्द्र राजवंशी ने यह भी बताया कि शनिवार को ग्रामीणों द्वारा हस्ताक्षरयुक्त एक लिखित आवेदन नवादा सांसद को सौंपा जाएगा, ताकि इस मांग को एक इस बैठक में हरदिया पंचायत के फुलवरिया डैम के पास स्थित गांवों जैसे नावाडीह, चोरडीहा, पिपरा, परतौनिया, सुअरलेटी, कुंभियातरी, भानेखाप और चरघरवा समेत कई अन्य गांवों के लोग शामिल थे। इन सभी ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर एकजुट होकर अपनी आवाज उठाई और भविष्य में रेलवे हॉल्ट के निर्माण की दिशा में सरकार से कदम उठाने की उम्मीद जताई।

महाशिवरात्रि के अवसर पर नाटक मंचन का उद्घाटन

नवादा (नि.सं.)। जिले के नारदीगंज प्रखंड स्थित बस्ती बीघा गांव में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित हो रहे भक्ति संगीत एवं नाटक मंचन का उद्घाटन नवादा के प्रसिद्ध समाजसेवी,शिक्षाविद् डॉ अनुज सिंह के द्वारा फीता काटकर किया गया। नाटक का आयोजन श्री शिव नाट्य कला परिषद बस्ती बीघा के द्वारा किया जा रहा है। उद्घाटन के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अनुज को नाटक कला परिषद के अध्यक्ष नीतीश कुमार ,सचिव मुरारी कुमार और कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार एवं संटु कुमार के द्वारा पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। निर्देशक ओमकार कुमार के नेतृत्व में दहेज दानव नाटक का मंचन ग्रामीण कलाकारों के द्वारा किया गया।

विभिन्न मांगों को लेकर 10 मार्च को विधानमंडल का घेराव करेंगे वित्तरहित शिक्षक कर्मी

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

अपने विभिन्न मांगों को लेकर काफी वर्षों से संघर्ष कर रहे वित्तरहित शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने एक बार फिर से आंदोलन का कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। शुक्रवार को जिले के सभी वित्तरहित कॉलेजों के सम्बंधित शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने एक स्वर में आगामी 10 मार्च को विभिन्न मांगों को पूरा करवाने को लेकर विधानमंडल का घेराव करने का निर्णय लिया है। मोर्चा के जिलाध्यक्ष व वारसी कॉलेज पाण्डेयगंगौट के प्राचार्य डॉ० बिपिन सिन्हा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि वित्तरहित शिक्षा निति को खत्म कराने के लिए चरणबद्ध आंदोलन करने की रणनीति बनायी गयी। वित्तरहित शिक्षा कर्मियों द्वारा सर्वसम्मति से 10 मार्च को विधान मंडल का घेराव करने का निर्णय लिया गया है। इसके पूर्व सामूहिक रूप से शुक्रवार 28 फरवरी को हड़ताल पर रहकर एवं धरना देकर आक्रोश का इजहार किया गया। उन्होंने बताया कि वित्तरहित शिक्षा नीति से कई हजार परिवार प्रभावित हो रहे हैं। बावजूद सरकार उनलोगों के समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है। जिसके कारण उनलोगों के समक्ष आंदोलन की एकमात्र विकल्प है। उन्होंने बताया कि मोर्चा के प्रमुख मांगों में शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मियों को वेतनमान देने,लंबित 7 वर्षों के अनुदान का एकमुश्त भुगतान करने,सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन व अन्य सुविधाएं देने,सेवानिवृत्ति की आयु 5 वर्ष बढ़ाने,माध्यमिक विद्यालयों का संबंधन कोड / निलंबन आदेश को रद्द करने सहित अन्य मांगों को लेकर 10 मार्च को विधानमंडल का घेराव किया जाएगा। जिसमें सभी विद्यालय व महाविद्यालय को बंद कर शिक्षाकर्मियों से पटना पहुँचने का आह्वान किया गया है।

विभिन्न मांगों को लेकर भाकपा माले ने दिया कौआकोल प्रखण्ड मुख्यालय पर धरना

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

भाकपा माले की प्रखण्ड इकाई ने शुक्रवार को कौआकोल प्रखण्ड मुख्यालय पर विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अपनी आवाज को सरकार के सामने उठाया और गरीब, मजदूर, किसान, नौजवान, और महिलाओं की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया। धरना में भाकपा माले के मंटू कुमार, दिलीप कुमार, राजेन्द्र मांझी, बसन्ती देवी, दुलरवा देवी, रोहन मांझी, मीना देवी और अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। धरने के दौरान नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण समाज के कमजोर वर्गों को शोषण का सामना करना पड़ रहा है। मंटू कुमार और दिलीप कुमार ने कहा कि नीतीश सरकार के राज में अफसरशाही अपने चरम पर पहुंच गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बगैर चढ़ावे के कोई भी उचित काम नहीं हो रहा है, जो कि आम जनता के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। धरने के दौरान बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और अन्य सामाजिक मुद्दों को लेकर भी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि सरकार इन मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान दे और गरीब वर्ग के जीवन स्तर को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए।

धरने के बाद, भाकपा माले का एक शिष्टमंडल क्षेत्रीय सीओ के पास गया और 11 सूत्री समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की गई और आरोप लगाया गया कि सरकार की नीतियां समाज के कमजोर वर्गों के लिए निरंतर चुनौतियां पैदा कर रही हैं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि सीओ इन समस्याओं पर जल्द कार्रवाई करेंगे और सरकार से उचित समाधान की दिशा में पहल की जाएगी। धरने में शामिल लोगों ने इस एक दिवसीय आंदोलन को एक प्रतीकात्मक संघर्ष के रूप में देखा और कहा कि यदि सरकार ने इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया, तो आगे और बड़े आंदोलन किए जाएंगे। भाकपा माले के कार्यकर्ताओं ने अपने संघर्ष को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि वे गरीबों, किसानों और मजदूरों की आवाज उठाते रहेंगे।

सड़क दुर्घटना में हुआ बाइक सवार युवक बुरी तरह घायल

कौआकोल (नवादा) (नि. सं.)। कौआकोल-रोह मुख्य पथ पर शुक्रवार को जोरावरडीह पेट्रोल पम्प से पूर्व सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक बुरी तरह घायल हो गया। जबकि उस बाइक पर सवार एक बच्चा भी घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के जोरावरडीह निवासी भोला मंडल के 25 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार अपनी बाइक से उसी गाँव निवासी विक्रम कुमार के 6 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के साथ कौआकोल बाजार की ओर जा रहा था,इस बीच कौआकोल-रोह मुख्य पथ पर अवस्थित पेट्रोल पम्प के निकट बाइक सवार का संतुलन खो गया। और वह बाइक से असंतुलित होकर गिर गया। जिससे बच्चा समेत युवक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों को इलाज के लिए कौआकोल पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए नवादा रेफर कर दिया गया है।

आयुष सिन्हा ने हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में विश्व स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त किया

निज संवाददाता | नवादा

नवादा जिले के वारिसलीगंज नगर परिषद के जवाहर पार्क मोहल्ला निवासी PLV अश्वनी कुमार सिन्हा और सोनी सिन्हा के 12 वर्षीय पुत्र आयुष सिन्हा ने हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में विश्व स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। यह अद्वितीय सफलता आयुष ने सैनिक स्कूल रेवाड़ी, पंजाब में छठी कक्षा के छात्र के रूप में हासिल की है। इस उपलब्धि ने न केवल आयुष के परिवार बल्कि समूचे नवादा जिले और बिहार का नाम भी रौशन किया है। आयुष की इस सफलता की सूचना मिलते ही क्षेत्र के शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, शुभचिंतकों और स्वजनों ने उसे बधाई दी। आयुष के माता-पिता अश्वनी कुमार सिन्हा और सोनी सिन्हा ने बताया कि यह प्रतियोगिता विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा अनुमोदित थी और अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन नई दिल्ली ने इसका आयोजन किया था। इस प्रतियोगिता में विश्वभर के 25 देशों और 5000 से अधिक विद्यालयों के दो लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था। आयुष की यह सफलता सिर्फ उसकी मेहनत और लगन का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस स्कूल के शिक्षकगण की भी सफलता है जिन्होंने उसे मार्गदर्शन प्रदान किया। सैनिक स्कूल रेवाड़ी के प्रबंधन ने दूरभाष के माध्यम से यह सूचना दी और बताया कि इस प्रतियोगिता में आयुष ने विश्व स्तर पर पांचवां स्थान हासिल किया। इसके बाद एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह का आयोजन सीडी देशमुख ऑडीटोरियम, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में हुआ। इस कार्यक्रम में भारतीय थल सेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर ने आयुष को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस मौके पर सैनिक स्कूल रेवाड़ी के प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित थे। आयुष की यह उपलब्धि न केवल एक व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह हिंदी भाषा के प्रति उसकी लगन और समर्पण का प्रतीक भी है।

24 घंटे के अंदर 70 फरार अपराधियों की हुई गिरफ्तारी : एसपी

निज संवाददाता | नवादा

नवादा पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने 27 फरवरी 2025 को नवादा जिले में पुलिस द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में पुलिस ने हत्या, बलात्कार, आर्म्स एक्ट, अवैध खनन, मद्य निषेध और अन्य गंभीर अपराधों में कुल 70 फरार अपराधियों को गिरफ्तार किया। इनमें हत्या के चार मामले, बलात्कार का एक मामला, आर्म्स एक्ट के तहत दो मामले, अवैध खनन में एक मामला, हत्या के तीन अन्य मामले, मद्य निषेध कानून के तहत आठ मामले और अन्य विभिन्न अपराधों में 51 गिरफ्तारियां शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस ने 346 लीटर महुआ शराब बरामद की, जो कि प्रतिबंधित शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा था। इसके अतिरिक्त, वारंटों के निष्पादन में 187 और कुर्की के निष्पादन में 15 कार्यवाहियां की गईं। वाहन जांच अभियान के दौरान 400 वाहनों की जांच की गई, जिससे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और उनके अपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता को उजागर किया गया। इसके अलावा, अन्य गिरफ्तारियों में पुलिस ने 1 देशी कट्टा, 2 मोटरसाइकिल, 6590 रुपये नगद, 5 मोबाइल और 3 अपहृत व्यक्तियों को भी बरामद किया। इन सभी गिरफ्तारियों और बरामदगी के बाद पुलिस ने यह स्पष्ट किया कि वे उन अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं, जिन्होंने अपराध को अंजाम देने के बाद अन्य स्थानों पर छुपकर रहने का प्रयास किया। नवादा पुलिस अपराधियों की पहचान और उनके ठिकानों की जानकारी जुटाने के लिए लगातार खुफिया सूचना संकलन कर रही है, ताकि कानून के दायरे में उन्हें लाया जा सके। नवादा पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह एक बड़ी सफलता है, क्योंकि यह दर्शाता है कि पुलिस के प्रयासों से अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि नवादा पुलिस की प्राथमिकता है कि वह जघन्य अपराधों में संलिप्त अपराधियों को पकड़कर उन्हें कड़ी सजा दिलाए, ताकि समाज में कानून व्यवस्था बनी रहे और आम नागरिकों का विश्वास पुलिस पर मजबूत हो।

संक्षिप्त समाचार

शैक्षणिक संस्थान में तपेश्वर सिंह की मनाई गई पुण्यतिथि

आरा| तपेश्वर सिंह की 35 वीं पुण्यतिथि सेन्ट्रल को-ऑपरटिव बैंक लि० एवं तपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज कायमनगर में मना। अध्यक्षता सत्येंद्र नारायण सिंह ने किया। समारोह में स्व सिंह के व्यक्तित्व एवं कृत्य पर प्रकाश डाला गया। अध्यक्ष ने कहा कि राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आज भी सहकारिता की तस्वीर दिख रही है। उस पौधे को लगाने तथा सिंचने कार्य स्व तपेश्वर सिंह जी के द्वारा ही किया गया है। निर्देशक त्रिवेणी प्रसाद सिंह कहा कि स्व तपेश्वर बाबू जीवनपर्यन्त कृषकों एवं कृषि मजदूरों को जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रयत्नशील रहे तथा जो भी बाधा उत्पन्न हुआ उसका सफलतापूर्वक सामना करते हुए कभी समझौता नहीं किए। इधर, तपेश्वर सिंह सदन मिल रोड में पूर्व विधान पार्षद डॉक्टर अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा हुई। इधर,तपेश्वर सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में मुख्य अतिथि डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह, सांसद तारिक अन्वर, पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार सिंह व कुलपति प्रो. डॉक्टर शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी पुण्यतिथि में शामिल हुए।

प्रकाशित परीक्षाफल की रिटोटलिंग के लिए 10 मार्च तक आवेदन

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने स्नातक सेमेस्टर वन सत्र, 2024-28 के प्रकाशित परीक्षाफल में प्राप्तांक के रिटोटलिंग के लिए आवेदन मांगा है। इसके लिए 10 मार्च तक समय दिया गया है। रिटोटलिंग के लिए प्रत्येक पेपर पर इच्छुक परीक्षार्थियों को 150 रुपए का शुल्क देना होगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ अनवारुल हक़ अंसारी ने बताया कि इच्छुक परीक्षार्थी अपना आवेदन संबंधित विभाग/ महाविद्यालय में जमा करेंगे। परीक्षार्थियों से प्राप्त आवेदन/ आवश्यक कागजात अपने स्तर से समीक्षोपरांत सूची बनाकर परीक्षार्थियों का शुल्क बैंक चलान के माध्यम से जमा कराएंगे। किसी भी परिस्थिति में परीक्षा फल के मामले में परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय आने की आवश्यकता नहीं है।

आज नियोजन कार्यालय में लगेगा जॉब कैंप

आरा| कृषि भवन परिसर स्थित जिला नियोजनालय कार्यालय में शुक्रवार को जॉब कैंप लगेगा। इसमें सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के पदों पर भर्ती होगी। निजी कंपनियां बेरोजगार महिला और पुरुष अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। अभ्यर्थियों की उम्र 19 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वीं, 12वीं और स्नातक पास तय की गई है। चयनित उम्मीदवारों को 18 से 25 हजार रुपए मासिक वेतन मिलेगा। जिला नियोजन पदाधिकारी अनीश तिवारी ने बेरोजगार युवाओं से जॉब कैंप में शामिल होने की अपील की।

राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने दिल्ली जाएंगी मुखिया शालिनी सिंह

कोईलवर| स्थानीय कोईलवर प्रखंड के खनगांव पंचायत के मुखिया शालिनी सिंह राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने दिल्ली जाएंगी। राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला प्रतिनिधियों द्वारा पंचायत को सशक्त बनाने के दिशा में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को पंचायती राज विभाग, भारत सरकार द्वारा दिल्ली में एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण सशक्त महिला पंचायत विषय पर आयोजित होगा। विदित हो कि इसके लिए भोजपुर जिला से एकमात्र कोईलवर प्रखंड के खनगांव पंचायत की मुखिया शालिनी सिंह का पंचायती राज विभाग की ओर से दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चयनित किया गया है। इसके लिए पंचायती राज विभाग की ओर से उन्हें 3 मार्च को दिल्ली का फ्लाइट टिकट बुक कराया गया है। वे 4 मार्च को दिल्ली में कार्यक्रम में भाग लेंगी। जबकि 5 मार्च को उनकी वापसी का टिकट कराया गया है।

नवनियुक्त कृषि अधिकारियों को जैविक खेती का मिला प्रशिक्षण

कोईलवर। नवनियुक्त प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को कृषि योजनाओं का भौतिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर यह प्रशिक्षण 25 फरवरी से 24 मार्च तक चलेगा। गुरुवार को प्रखंड कृषि पदाधिकारी मोहम्मद मुस्तफा के नेतृत्व में छह सदस्यीय दल को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें चार महिला और तीन पुरुष अधिकारी शामिल थे। गोपालपुर पंचायत के कोशिहान गांव में जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया गया। यहां प्रगतिशील किसान रिंकू चौधरी ने जैविक कॉरिडोर योजना के तहत खेती की है। इसे देखने और समझने के लिए कृषि पदाधिकारियों का दल पहुंचा। उन्हें बताया गया कि बिना कृत्रिम खाद के प्राकृतिक तरीके से खेती करना बेहतर होता है। मोटे अनाज की खेती के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके बाद दल को ई-किसान भवन में रखे जाने वाले विभिन्न रिकॉर्ड और संचिकाओं के बारे में बताया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, यंत्रीकरण योजना और बीज वितरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ये सभी अधिकारी बिहार के विभिन्न प्रखंडों में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। इस मौके पर प्रखंड कृषि समन्वयक नीरज कुमार, अजीत कुमार, अदिति, रविंद्र कुमार राय समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पीएचडी एडमिशन के लिए 7 मार्च तक होंगे आवेदन

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय पीएचडी एडमिशन टेस्ट (पैट)- 2023 और 2024 की परीक्षा एक साथ लेगा। इस परीक्षा के लिए आवेदन सात मार्च तक स्वीकार किए जाएंगे। पहले आवेदन लेने की अंतिम तिथि 28 फरवरी तक निर्धारित थी। परीक्षा नियंत्रक डॉ अनवारुल हक़ अंसारी ने बताया कि पैट के लिए आवेदन लिया जा रहा है। अब 7 मार्च तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। मार्च माह के तीसरे सप्ताह में परीक्षा लेने की योजना बनायी जा रही है। पहली पाली में ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे। दूसरी पाली की परीक्षा में विषय के अनुसार सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा में दो पेपर होंगे। प्रत्येक पेपर 100 अंक का होगा। पहला पेपर मल्टीपल च्वाइस और दूसरा पेपर संबंधित विषय का होगा। यूजीसी नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों भी आवेदन करेंगे।गौरतलब हो कि पीएचडी एडमिशन टेस्ट में सफल अभ्यर्थियों का दाखिला इंटरव्यू और उनके मेरिट के आधार पर होगा। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का मेरिट विभाग तैयार करेंगे। मेरिट में पीजी मार्क्स पर 70 अंक, प्री पीएचडी टेस्ट पर 5 अंक, जेआरएफ पर 10 अंक और साक्षात्कार पर 20 अंक निर्धारित है। सामान्य श्रेणी के लिए 55 और आरक्षित श्रेणी के लिए 45 प्रतिशत रखा गया है। टेस्ट के बाद इसी आधार पर मेरिट बना कर पीएचडी रिजल्ट घोषित होगा। पीएचडी के लिए अब छात्र-छात्राओं को केवल एडमिशन टेस्ट ही नहीं बल्कि इंटरव्यू से भी गुजरना है।

एक्सट्रीम एलेवन क्रिकेट क्लब सेमीफाइनल में 44 रन से जीता

आरा। भोजपुर जिला क्रिकेट लीग के सीनियर डिवीजन के दूसरे सेमीफाइनल में एक्सट्रीम एलेवन क्रिकेट क्लब ने बिहिया क्रिकेट अकादमी ब्लू को 44 रन से हराया। मैच महाराजा कॉलेज मैदान में खेला गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एक्सट्रीम एलेवन की टीम 35 ओवर में 10 विकेट पर 188 रन बना सकी। सौरभ ने 40, अजीत ने 31, विपुल ने 24, प्रकाश ने 21, आशुतोष ने 17, राहुल ने 18 और गौतम ने 15 रन बनाए। 189 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिहिया क्रिकेट अकादमी ब्लू की टीम 20 ओवर में 94 रन पर सिमट गई। हृदयानंद ने 28, अमर ने 21, आशीष ने 13 और प्रवीण ने 12 रन बनाए। इस जीत के साथ एक्सट्रीम एलेवन फाइनल में पहुंच गया। मैन ऑफ द मैच समरेश सिंह को जिला पैनल के अंपायर ने शाहाबाद पारा मेडिकल कॉलेज की ओर से मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

पंखे की कुंडी से झूलता मिला विवाहिता का शव

बक्सर|धनसोई थाना क्षेत्र के सिसौंधा गांव में विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना देर शाम तकरीबन आठ बजे की है। थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह सदलबल पहुंचे और शव को अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि विवाहिता ने आत्महत्या क्यों की है, यह बात का पता नहीं चला है। एफएसएल टीम को बुलाया गया है। वह मामले की जांच करेगी। मृतका 38 वर्षीय कश्मीरा देवी राजू सिंह की पत्नी थी।

बक्सर के ब्रह्मपुर मेले में पहुंचे करोड़ों के घोड़े

- कल्लू राजा और वैशाली एक्सप्रेस बने मेले की शान, मालिक बोले-देखभाल में महीने का खर्च 50 हजार

निज संवाददाता। बक्सर

बिहार के प्रसिद्ध ब्रह्मपुर मेले में घोड़ा प्रेमियों की भारी भीड़ जुटी है। इस ऐतिहासिक मेले में देशभर के घुड़सवार व्यापारी और शौकीन लोग अपने बेहतरीन घोड़ों के साथ पहुंचे हैं। खासतौर पर तीन घोड़े रॉकेट कल राजा और वैशाली एक्सप्रेस सबकी निगाहों में बने हुए हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है, लेकिन उनके मालिक इन्हें बेचने के लिए तैयार नहीं हैं। मेले में सबसे ज्यादा चर्चा रॉकेट नाम के घोड़े की हो रही है। भोजपुर जिले के झाउआ निवासी हरेराम मुखिया के इस सिंधी नस्ल के घोड़े ने अब तक 106 पुरस्कार जीते हैं। रॉकेट को वीआईपी खाना दिया जाता है। बादाम, काजू और पिस्ते का हलवा भी इसकी डाइट में शामिल है। इसकी देखभाल पर हर महीने 50 हजार रुपए खर्च होते हैं।

अनंत सिंह ने घोड़े की लगाई एक करोड़ कीमतः रॉकेट की कीमत करोड़ों में लग रही है। बाहुबली नेता अनंत सिंह और मंत्री राम सूरत राय ने एक-एक करोड़ की पेशकश की, लेकिन मालिक बेचने को तैयार नहीं हैं। एक व्यक्ति ने तो इसके बदले फोर लाइन के किनारे 10 कट्ठा जमीन तक देने की बात कही। लेकिन घोड़ा मालिक को घोड़ा बेचना नही है। पिछले साल के विजेता कल्लू राजा ने भी मेले में दस्तक दे दी है। भोजपुर के शाहपुर निवासी कृष्णा पांडेय का यह काठियावाड़ी नस्ल का घोड़ा है। जिसको लेकर पहुंचे उनके भाई सतेंद्र पाण्डेय द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया की पिछली बार की जीत के बाद से इसे खरीदने वालों की भीड़ लगी हुई है। कल्लू राजा को भी मानवीय भोजन दिया जाता है।साथ ही उन्होंने दावा किया कि इस बार भी ब्राम्हपुर मेले का विजेता कल राजा ही होगा

वैशाली से पहुंचा है वैशाली एक्सप्रेसः बक्सर के ब्रह्मपुर मेले में वैशाली से वैशाली एक्सप्रेस पहुंचा हुआ है। जो यहां पहुंचने से पहले डुमरी,समस्तीपुर,जहानाबाद ,नालंदा जितने के बाद ब्रह्मपुर मेले में पहुंचा हुआ है। घोड़ा को लेकर पहुंचे हंसराज ने बताया कि घोड़ा पालने में महीने का 70 से 80 हजार रुपए खर्च आता है। चोकर चुन्नी के साथ इसे गाय का दूध और शुद्ध घी खिलाना पड़ता है। ब्रह्मपुर मेला घोड़ा रेस का सुप्रीम कोर्ट माना जाता है। यहां आगे घोड़ा कोई स्थान पा लिया तो फिर पूरे भारत में उसका नाम होता है और घोड़ा का कीमत भी बढ़ जाता है। इसलिए मेले में घोड़ा का ख़रीद बिक्री कम रेस में भाग लेने के लिए अधिकतर लोग अपना घोड़ा लेकर पहुंचते है।

मुंगल काल से लग रहा मेलाः बता दे की सोनपुर मेले के बाद ब्रम्हपुर मेला दूसरे स्थान पर है। हालांकि यह मेला विश्व में पाए जाने वाले घोड़ों की नस्ल की खरीद बिक्री को लेकर ज्यादा प्रसिद्ध है।वही घोड़ा के शौकीन रईस लोग भी अपने घोड़ों की प्रदर्शनी के लिए भी यहां पहुंचते है। जो बड़े बड़े टेंट लगा अपने घोड़े को खड़ा किए हुए है। बक्सर के ब्रह्मपुर मेले को घोड़ा दौड़ का सुप्रीम कोर्ट इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह मेला और इसमें होने वालीघोड़ा दौड़ प्रतियोगिता देश भर में घोड़ा प्रेमियों के लिए सबसे प्रतिष्ठित और निर्णायक मंच मानी जाती है। ब्रह्मपुर मेला बिहार के सबसे पुराने मेलों में से एक है, और यहाँ घोड़ा दौड़ की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसे देशभर घुड़सवारों घोड़ा फलों के लिए अंतिम चुनौती माना जाता है।

बक्सर में गांजा तस्करी का हुआ भंडाफोड़

निज संवाददाता। बक्सर

- UP से आ रही कार से डेढ़ लाख का 12.48 किलो गांजा बरामद, 3 तस्कर गिरफ्तार

बक्सर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने NH-922 पर निरंजनपुर स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास से तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश से आ रही बलेनो कार को रोक कर जांच की गई। कार से 6 पैकेट में पैक 12.480 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए है। गिरफ्तार तस्करों में प्रिंस कुमार सिंह (27), अरविंद गुप्ता और अरमान शामिल हैं। प्रिंस बक्सर के सिताब दियारा का रहने वाला है। अरविंद और अरमान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले हैं। आरोपियों से एक मोटरोला और एक वीवो मोबाइल भी बरामद किया गया है।

यूपी से गांजा लेकर आ रहे थे बक्सरः पुलिस को सूचना मिली थी कि तीन लोग यूपी से गांजा लेकर बक्सर आ रहे हैं। इसी सूचना पर पुलिस ने NH-922 पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच शुरू की। संदिग्ध कार में काले और सफेद रंग के बैग में गांजा छिपाकर रखा गया था। औद्योगिक थाना में NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस गांजे के स्रोत और इसकी सप्लाई नेटवर्क का पता लगा रही है। गिरोह के अन्य सदस्यों की भी तलाश जारी है। यह कार्रवाई बक्सर पुलिस की सतर्कता का परिणाम है, जो जिले में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार प्रयासरत है।

नीतीश कुमार ही होंगे NDA का सीएम फेस

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में शुक्रवार को लोजपा (रामविलास) की कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इसमें जमुई सांसद अरुण भारती और खगड़िया सांसद राजेश वर्मा शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही एनडीए के सभी घटक दल विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। खगड़िया सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि सभी 243 सीटों पर मजबूती के साथ तैयारी जारी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को राजनीति में आना चाहिएः बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को आना चाहिए। इस समय सकारात्मक सोच वाले युवाओं की जरूरत है। अगर वह राजनीति में आते है तो लोजपा (रामविलास) पार्टी में उनका स्वागत किया जाएगा। वहीं अरुण भारती ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार की जनता उन्हें कभी मौका देने वाली नहीं है। जब भी बिहार की जनता ने उनके परिवार को मौका दिया है। वे सिर्फ संपत्ति अर्जित करने में ही रह गए। इस बार एनडीए की जीत पक्की है।

37 करोड़ 19 लाख की लागत से आरण्य देवी मंदिर तक जाने के लिए बनेंगे रास्ते

निज संवाददाता। आरा

अब आरा नगर की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी का दर्शन सुलभ होगा। मंदिर तक चारपहिया पहुंच सकेंगी। कई दशक से चली आ रही सड़क जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। आरण्य देवी मंदिर का सीधा सड़क संपर्क पटना-आरा -बक्सर नेशनल हाईवे फोरलेन, आरा-बड़हरा-एकवना-छपर I पथ और आरा-सरैंया-सिन्हा-महुली पथ से हो जाएगा। क्योंकि आरण्य देवी मंदिर से आरा-सिन्हा एवं आरा-बड़हरा होते हुए आरा बक्सर फोरलेन तक 4.8 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य होगा। इसे लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान घोषणा भी किया था। जिसकी अब स्वीकृति भी मिल चुकी है। इसके लिए 37 करोड़ 19 लाख 97000 की स्वीकृति मिल चुकी है। इससे श्रद्धालु सहित आम जनों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन मिलेगा। मां आरण्य देवी मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार हो रहा है। मंदिर का नवनिर्माण आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट करा रहा है। इस पर करीब आठ से दस करोड़ रुपये खर्च होंगे। नया मंदिर 155 फीट ऊंचा बनेगा। इसमें अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। पांच फ्लोर की ढलाई पूरी हो चुकी है। पहले फ्लोर पर मां आरण्य देवी और भैरव बाबा की मूर्ति स्थापित होगी। दूसरे फ्लोर पर अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां रहेंगी। तीसरे और चौथे फ्लोर पर शादी-विवाह और पूजा का आयोजन होगा। पांचवीं मंजिल तक जाने के लिए सीढ़ियों के साथ लिफ्ट की भी व्यवस्था होगी। बड़ी प्रतिमा को सरस्वती व छोटी प्रतिमा को महालक्ष्मी का रूप माना जाता है मंदिर में स्थापित बड़ी प्रतिमा को सरस्वती और छोटी प्रतिमा को महालक्ष्मी का रूप माना जाता है। वर्ष 1953 में यहां श्रीराम, लक्ष्मण, सीता, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी की मूर्तियां स्थापित की गई थीं। बताया जाता है कि प्राचीन काल में यहां सिर्फ आदिशक्ति की प्रतिमा थी। चारों ओर घना जंगल था। पांडव वनवास के दौरान यहां ठहरे थे। युधिष्ठिर को स्वप्न में मां ने संकेत दिया था कि वह आरण्य देवी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद उन्होंने प्रतिमा स्थापित की। कहा जाता है कि भगवान राम, लक्ष्मण और विश्वामित्र जब बक्सर से जनकपुर धनुष यज्ञ के लिए जा रहे थे, तब उन्होंने भी यहां पूजा-अर्चना की थी। इसके बाद सोनभद्र नदी पार की थी। आरा शहर के नामकरण से जुड़ी हैं तीन कहानियां आरा एक प्राचीन शहर है। इसके नामकरण को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। महाभारतकालीन अवशेष यहां बिखरे पड़े हैं। पुराणों में वर्णित मोरध्वज की कथा से भी इस नगर का संबंध बताया जाता है। द्वापर युग में राजा मोरध्वज के समय यह क्षेत्र चारों ओर से जंगलों से घिरा था। इसे "आरण्य क्षेत्र" कहा जाता था। कहा जाता है कि पांडवों ने गुप्तवास के दौरान यहां समय बिताया था। एक अन्य कहानी के अनुसार, हुएनसांग के वर्णन में जिस स्थान पर सम्राट अशोक ने बौद्ध स्तूप बनवाया था, वह यही क्षेत्र था। आरा के पश्चिम स्थित मसाढ़ गांव में मिले जैन अभिलेखों में इसे "आराम नगर" कहा गया है।

होली से पहले बक्सर में 409 लीटर अवैध शराब जब्त

- क्रेटा कार से UP से पटना की जा रही थी तस्करी, आरोपी अरेस्ट

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में होली से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से एक लग्जरी कार में शराब लाई जा रही है। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए मुफस्सिल थाना पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और शराब से भरी कार को पकड़ लिया। गुप्त सूचना के आधार पर यादव मोड़ से रेलवे क्रॉसिंग तक पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक सफेद रंग की क्रेटा कार को तेज रफ्तार में आते देखा गया। पुलिस ने जब कार को रोका और उसकी तलाशी ली, तो आगे और पीछे की सीटों से भारी मात्रा में शराब बरामद हुई।

कितनी शराब जब्त की गईः पुलिस को कार से 180 एमएल के 2,274 टेट्रा पैक मिले, जिनकी कुल मात्रा 409.32 लीटर अंग्रेजी शराब थी। यह शराब उत्तर प्रदेश से लाकर पटना में सप्लाई की जानी थी।

गिरफ्तार तस्कर और फरार मुख्य आरोपीः पुलिस ने मौके से कार चालक रामनाथ कुमार को गिरफ्तार किया है, जो पटना के सदलपुर का निवासी है। पूछताछ में उसने बताया कि वह सिर्फ शराब पहुंचाने का काम कर रहा था। जबकि मुख्य तस्कर पुलिस की घेराबंदी के दौरान कार से कूदकर फरार हो गया।

पुलिस कर रही फरार आरोपी की तलाशः मुफस्सिल थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि फरार तस्कर की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जब्त शराब और कार को थाने में रखकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बिहार में शराबबंदी के बावजूद तस्करी जारीः बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद शराब की तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पुलिस की सख्ती के बावजूद तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर शराब की तस्करी कर रहे हैं। बक्सर जिले में पहले भी कई बार शराब की बड़ी खेप पकड़ी जा चुकी है। प्रशासन अब तस्करों पर और कड़ी निगरानी रखकर इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने की कोशिश कर रहा है। पुलिस की यह कार्रवाई शराब तस्करी पर लगाम लगाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि, मुख्य आरोपी अभी फरार है, लेकिन पुलिस की सख्ती से जल्द ही उसे भी गिरफ्तार किया जा सकता है। होली से पहले इस तरह की तस्करी रोकने के लिए प्रशासन को और भी सतर्कता बरतने की जरूरत है।

जलपुरा में निकली वोटर जागृति यात्रा

निज संवाददाता। आरा

भोजपुरिया जन मोर्चा की वोटर जागृति यात्रा दर्जनों गांवों का दौरा करते हुए जलपुरा पहुंची। यहां दलित बस्ती में सभा हुई। अध्यक्षता भोजपुर जिला उपाध्यक्ष अशोक यादव ने की। संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता और राष्ट्रीय संगठन प्रभारी गोरखनाथ अकेला ने किया। मुख्य अतिथि भोजपुरिया जन मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरत सिंह सहयोगी थे। धन्यवाद ज्ञापन राज्य सचिव अविनाश प्रसाद ने किया। सभा में प्रदेश अध्यक्ष चतुरभुज प्रसाद गुप्ता भी शामिल हुए। भरत सिंह सहयोगी ने कहा कि नीतीश सरकार की शराबबंदी पूरी तरह फेल हो चुकी है। गांव-गांव में अवैध शराब का कारोबार कुटीर उद्योग की तरह फल-फूल रहा है। इससे दलितों सहित सभी बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता गोरखनाथ अकेला ने देश के सभी बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने पर जोर दिया। हर प्रखंड में दलितों के लिए आवासीय विद्यालय खोलने की जरूरत बताई। इस दौरान भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में जल्द शामिल करने की मांग उठी। सभा के बाद जलपुरा ग्राम कमेटी का गठन हुआ। इसमें सोनू कुमार को अध्यक्ष और लालमोहर राम को सचिव बनाया गया। सुनील राम, मुकेश राम, सुकन राम, मनोरंजन राम, जायबहा दुर दास, मीना देवी, रत्या कुँअर, मोतिसुंदर देवी, विकास कुमार और ललिता देवी को कमेटी सदस्य बनाया गया।

बक्सर-आरा हाइवे पर ट्रक ने टेम्पो में मारी ठोकर, चार की मौत, 14 घायल

निज संवाददाता। आरा

कैमूर जिले के मुंडेश्वरी धाम से मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे श्रद्धालुओं को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में पटना और वैशाली जिले के चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 14 लोग घायल हो गए। इनमें छह की हालत गंभीर है। घटना भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में बनाही स्टेशन जाने वाले रास्ते के पास ब्रिज के निकट हुई। हादसा सोमवार सुबह करीब चार बजे हुआ। श्रद्धालु छोटे मालवाहक टेम्पो में सवार थे। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे 922 पर टेम्पो का तेल खत्म हो गया था। चालक तेल लेने गया था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने टेम्पो को टक्कर मार दिया और फरार हो गया। मृतकों में तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। पटना जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के दाउदपुर गांव की 64 वर्षीय सुगिया देवी, 60 वर्षीय सीरतिया देवी, वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के नयाका टोला-फतेहपुर के छह वर्षीय अजीत कुमार और वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के छेवकी गांव की 61 वर्षीय सुहागी देवी की मौत हो गई। घायलों में पटना जिले के दाउदपुर गांव के नारायण महतो, उनकी पुत्री सीमा कुमारी, गीता कुमारी, शिवानी कुमारी, पुत्र कार्तिक कुमार, गठौला गांव की ज्ञानती देवी और पुत्र दीपू कुमार शामिल हैं। वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी मनोज पासवान की पत्नी अनिता देवी और पुत्र दीपू कुमार, शिवपुर तेरसिया गांव के कृष्णा महतो की पत्नी प्रमिला देवी, खुशरूपुर थाना के हरदास बिगहा बिंद टोली के संजय महतो, उनकी पत्नी पिंकी देवी और पुत्र गोलू कुमार भी घायल हुए हैं। इनमें छह को आरा सदर अस्पताल से पटना रेफर किया गया। तेल लेने गया था चालक, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने टेम्पो में मारी ठोकर घायल नारायण महतो ने बताया कि वह अपने पुत्र कार्तिक कुमार का मुंडन कराने 25 फरवरी को मुंडेश्वरी धाम गए थे। उनके साथ वैशाली, आरा और पटना के रिश्तेदार भी थे। 26 फरवरी की शाम चार बजे सभी घर लौट रहे थे। 27 फरवरी की सुबह शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही गांव के पास टेंपो का तेल खत्म हो गया। चालक तेल लेने गया। सभी लोग टेंपो में बैठे थे।

15 पोखरों को भरवाकर बनाया गया खेल मैदान

निज संवाददाता। बक्सर

उमरपुर पंचायत में मनरेगा योजना से बने पोखरों को भरवाकर खेल मैदान बनाने का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी वीरेंद्र राय ने इस संबंध में जिला पदाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वर्ष 2022 से 2024 के बीच पंचायत में मनरेगा से निजी और सरकारी पोखरों का निर्माण कराया गया था। बाद में इन पोखरों को भरवा दिया गया है। उन्हीं स्थानों पर बिना रजिस्ट्री कराए मनरेगा की राशि से खेल मैदान का निर्माण भी करा दिया गया। श्री राय के अनुसार बड़का गांव मानसिंह पट्टी (मिश्रवलिया) में मुखिया धनंजय मिश्रा और पंचायत रोजगार सेवक ने 2022 से 2024 के बीच कई पोखरों का निर्माण मनरेगा योजना के तहत कराया था। राशि का भुगतान भी कर दिया गया। बाद में भरवा दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि इसका वीडियो भी मौजूद है। शिकायतकर्ता ने बताया कि जिन पोखरों को भरवाया गया, उन्हीं जगहों पर कुछ अन्य निजी जमीन पर बिना रजिस्ट्री कराए खेल मैदान बनाने का कार्य भी मनरेगा से ही कराया गया। यह निर्माण कार्य 23 नवंबर 2024 को पूरा किया गया। इसकी लागत करीब 10 लाख रुपये है। उन्होंने 15 पोखरों की सूची भी अपने आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया है।श्री राय ने जिला प्रशासन से अपील की है कि पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। इसमें बड़े घोटाले का मामला सामने आ सकता है। मामला गंभीर है, जांच कराई जाएगी प्रथम दृष्टया मामला काफी गंभीर प्रतीत होता है। इस तरह का मामला अगर सामने आता है तो सम्यक जांच करा कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार एडीजी सीबीआई ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

निज संवाददाता। मुंगेर

बिहार के एडीजी सीबीआई और मुंगेर जिले के नोडल अधिकारी पारसनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर मुंगेर पहुंचे। जहां सर्किट हाउस में मुंगेर रेंज के डीआईजी राकेश कुमार और एसपी सैयद इमरान मसूद ने बुके देकर उनका स्वागत किया।

डीआईजी कार्यालय के सभागार में एडीजी पारसनाथ पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा और कानून व्यवस्था पर बैठक की। बता दें कि यह उनका मुंगेर का पहला दौरा है। इस बैठक की तैयारियां पिछले एक महीने से चल रही थीं। बैठक में मुंगेर रेंज के डीआईजी राकेश कुमार, एसपी सैयद इमरान मसूद समेत विभिन्न क्षेत्रों के डीएसपी मौजूद हैं। सदर डीएसपी राजेश कुमार, हवेली खड़गपुर डीएसपी चंदन कुमार और तारापुर डीएसपी सिंधु शेखर सिंह भी बैठक में शामिल हैं। साथ ही सभी प्रशिक्षक डीएसपी, सर्किल इंस्पेक्टर और जिले के थाना अध्यक्ष भी उपस्थित हैं। एडीजी बिहार पुलिस सप्ताह 2025 के दौरान चलाए गए जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा कर रहे हैं। यह कार्यक्रम 22 से 27 फरवरी तक आयोजित किया गया था। वे सभी पुलिस अधिकारियों को अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

गार्ड ऑफ ऑनर से किए गए सम्मानित: बैठक से पूर्व एडीजी ने मीडिया को बताया कि अभी हम लोग पुलिस पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक करने आए हैं और इसमें विभिन्न बातों पर चर्चा की जाएगी और चर्चा के बाद ही किन बातों को लेकर विशेष फोकस किया गया इस पर मीडिया को बताया जाएगा। वही मुंगेर में एडीजी के आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सजग है। जगह-जगह पर सुरक्षा को लेकर पुलिस जवानों को लगाया गया है। जबकि किला परिसर के अंदर विभिन्न जगहों पर यातायात पुलिस को भी लगाया गया है। वहीं सर्किट हाउस में एडीजी को गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए पुलिस लाइन के पुलिस जवानों को लगाया गया था।

लिंक रोड और पुल के लिए धरना पर बैठे लोग

मुंगेर । मुंगेर के शहीद स्मारक के पास शुक्रवार को कई लोग मुंगेर-मिर्जा चौकी के बीच बन रही फोरलेन सड़क से जोड़ने के लिए लिंक पथ और पुल की मांग कर रहे है। शहीद स्मारक भवन के पास पुल और लिंक पथ निर्माण संघर्ष समिति नौवागढ़ी ने एक दिवसीय धरना दिया। धरना में नौवागढ़ी क्षेत्र के कंतपुर, रामदीरी, गढ़ी, टीकापुर, आंबेडकर नगर और जय मंगल पासवान टोला के ग्रामीण शामिल हुए। आशा पार्टी ने इस धरने को अपना समर्थन दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि नौवागढ़ी कंतपुर और गढ़ी टीकापुर के पास पुल और लिंक पथ का निर्माण होना चाहिए। इससे छह से अधिक गांव फोरलेन से सीधे जुड़ जाएंगे।

वाहन मालिक कल तक अपडेट करें अपना मोबाइल नंबर, नहीं तो अब लगेगा जुर्माना

मुंगेर। वाहन मालिक और चालक अपने वाहन से लिंक मोबाइल नंबर और पता एक मार्च तक अपडेट कर लें। ऐसा नहीं करने पर 2500 रुपए जुर्माना लगेगा। जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार अलबेला ने बताया कि वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और पता अपडेट रखना अनिवार्य कर दिया गया है। परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। डीटीओ ने बताया कि कई वाहन मालिकों और चालकों के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस से लिंक मोबाइल नंबर उपयोग में नहीं हैं। इससे दुर्घटना या अन्य घटनाओं में वाहन मालिक और चालक की पहचान में परेशानी होती है। यातायात उल्लंघन की स्थिति में ई-चालान भी संबंधित व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता है। डीटीओ ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 49 के तहत, यदि वाहन मालिक अपने रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र में दर्ज पता बदलते हैं, तो 30 दिनों के अंदर नए पते की सूचना सक्षम प्राधिकार को देनी होगी। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

कार्यालय :- जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार

बालिका उच्च विद्यालय परिसर, लातेहार पिन कोड- 829206 ई-मेल आई. डी.
deolatehar1@gmail.com / rmsaltr@gmail.com

आम-सूचना

एतद् को सूचित किया जाता है कि विभागीय अधिसूचना संख्या 434 दिनांक 01.03.2016, विभागीय आदेश संख्या 895 दिनांक 31.03.2022 एवं विभागीय संकल्प संख्या 1726 दिनांक 21.06.2022 एवं अन्य के आलोक में लातेहार जिलान्तर्गत स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा लगातार 24 वर्षो की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त प्रवरण वेतनमान का लाभ हेतु द्वितीय सूची का प्रकाशन NIC के Website – www.latehar.nic.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट में देखी जा सकती है।

अतः प्रवरण वेतनमान हेतु दावा प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों /सेवा निवृत शिक्षक दिनांक 10.03.2025 के अपराह्न 5:00 बजे तक किसी प्रकार की त्रुटि/आपत्ति/साक्ष्याधारित दावा कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार में प्रस्तुत करेंगे। बिलम्ब से दावा प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों का दावा अमान्य माना जायेगा। पत्रांक .....
दिनांक.....

जिला शिक्षा पदाधिकारी,
लातेहार

PR 347348 (Human Resource Developement)24-25*D

पूर्व मध्य रेलवे के तहत नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

पूर्व मध्य रेलवे के तहत नाज़िर गंज-दलसिंह सराय-सथाजगत-बछवारा जं. शाखा में दिनांक 28.02.2025 से 03.03.2025 तक प्री नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य एवं दिनांक 04.03.2025 एवं 05.03.2025 तक नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार नियंत्रित किया जाएगा:-

- **मार्ग परिवर्तन:** (1) 15028 **गोरखपुर – संबलपुर मौर्य एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 04.03.2025) हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-बरौनी के बदले हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी होकर मार्ग परिवर्तित करेगी।
- **संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू:** (1) 13419/13420 **भागलपुर-मुजफ्फरपुर- भागलपुर** (यात्रा शुरू दिनांक 04.03.2025 और 05.03.2025) बरौनी में संक्षिप्त यात्रा समाप्त/से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी।
- **नियंत्रण:** 13106 **बलिया-सियालदह एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 05.03.2025) को 1 घंटे के लिए नियंत्रित किया जाएगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए गहन खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा नोटिस सं०-
डी.डी.यू/ईएल/जी/ई-निविदा/2024-25/21

मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत/सा०/डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृटि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोकनिर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूची बद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती हैं। **(1) कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम:** सं०. डी.डी.यू/ईएल/जी/पी/2024-25/11 **विषय.-** डी.डी.यू मंडल में विभिन्न स्थानों पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए अर्थिंग सिस्टम में सुधार करने। में विद्युती कार्य करने के संबंध में। **कार्य करने की कुल लागत:** रू०. 6456524.15, **निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 20.03.2025. 15:00 बजे, **ई-निविदा वेव साइट का विवरण:** www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा०)
पूर्व मध्य रेल, डी.डी.यू

पीआर/02199/डीडीयू/ईजीईएन/टी/24-25/28

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-208-24-25 (ओपन), दिनांक: 26.02.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **केस संख्या: ओ-एसी-टी-208-24-25। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में एसएसई/डब्ल्यू/II/अंडाल के अधीन अंडाल के नदी किनारे इन्टेक वेल, एक पंप हाउस का प्रावधान तथा अन्य आनुषंगिक कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,89,52,436.23। **बयाना राशि:** ₹ 2,44,800। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 09 महीना। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 27.03.2025 को दोपहर 12.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

(ASN-359/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल-88-24; दिनांक 27.02.2025; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः आसनसोल मंडल-एईएन/1/एएसएन के तहत यूडीएल में एलएचएस सं. 452/बी के पहुंच मार्ग पर शेड का प्रावधान साथ में अतिरिक्त सम्प, पम्पिंग व्यवस्था का प्रावधान तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्य : रु. 61,90,421.15; बयाना राशि : रु. 1,23,800; निविदा दस्तावेज की कीमत : शून्य। बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय : 21.03.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। कार्य समापन अवधि : 9 महीने। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। (ASN-353/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समान प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं : सीनि. डीईएन/3/हावड़ा। ई-निविदा सं. : 355_2024-25, दिनांक 27.02.2025. कार्य का विवरण : एईएन/एनडीएई के अधीन बीवो लूप में अवुटमेंट तथा स्तम्भों की आरसीसी जैकेटिंग द्वारा पुल सं. 51 (डीएल) का पुनरुद्धार। अनुमानित लागत : रु. 1,28,21,025.15; बयाना राशि : रु. 2,14,100। समापन अवधि : स्वीकृति पत्र जारी किए जाने की तारीख से 10 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय : 21.03.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। टिप्पणी : आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-640/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, औरंगाबाद
''हर खेत तक सिंचाई का पानी''
पुर्न निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-15/2024-25
केवल ई० निविदा पद्धति के अनुसार वेबसाईट (www.eproc2.bihar.gov.in) पर
संवेदकों से प्रतिशत दर पर निविदा

पत्रांक- 587

1.	विज्ञापनदाता का नाम	कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल औरंगाबाद
2.	विज्ञापन निर्गत करने की तिथि	दिनांक- 25.02.2025
3.	परिमाण विपत्र प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक- 12.03.2025 से 18.03.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
4.	प्री-बीड मीटिंग का स्थान, तिथि एवं समय	अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई अंचल, पटना के कार्यालय में दिनांक- 17.03.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक ।
5.	निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक- 19.03.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर।
6.	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक- 20.03.2025 को 10:00 बजे पूर्वाह्न को संबंधित प्रमंडलीय कार्यालय में।
7.	वित्तीय वीड खोलने की तिथि	सक्षम प्राधिकार द्वारा बाद में घोषित किया जाएगा।
8.	निविदा की वैद्यता अवधि	120 दिन
9.	कार्य की विवरणी	

क्र0सं0	योजना का नाम	जिला	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण-विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में भुगतेय) (रूपये में)	बेल्ट्रॉन को देय बीड प्रोसेसिंग मूल्य सेवा शूल्क सहित (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में भुगतेय) (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	लिमरा पईन (574) का जीर्णोद्धार कार्य।	औरंगाबाद	गोह	50.587	1.100	10000	590	6 (छः) माह

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 020378 (MWRD) 2024-25

सुरक्षित जीवन अपनाओ, अपनी नियमित एच.आई.वी. जाँच कराओ।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल औरंगाबाद

बिहार सरकार

कार्यालय :- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, औरंगाबाद

सूचना

नवीन कुमार, कार्यालय परिचारी, अनुमण्डलीय व्यवहार न्यायालय, दाऊदनगर, S/O स्वर्गीय चन्देश्वर प्रसाद, ग्राम- कींकर लेन, सरला सदन के पीछे नया टोला, जिला - मुजफ्फरपुर, बिहार आप दिनांक 21.06.2023 से आज दिनांक 19.02.2025 तक बगैर किसी सूचना के कार्यालय से अनुपस्थित हैं। आपको दिनांक 27.04.2024 एवं 26.11.2024 को नोटिस के माध्यम से अपनी अनुपस्थिति की वजह बताते हुए स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश था कि आप किन परिस्थितियों में कार्यालय से अनुपस्थित हैं। दोनों ही नोटिसों का जवाब समयावधि बीतने के बावजूद आज तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय को अप्राप्त है।

इस नोटिस के जरिये आपको अन्तिम अवसर प्रदान किया जा रहा है कि आप दिनांक 28.03.2025 तक सदेह उपस्थित होकर अपनी अनुपस्थिति के संदर्भ में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। यदि निर्धारित तिथि तक आप उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करते हैं तो यह मान लिया जाएगा कि आपको सरकारी सेवा में वापस आने में रूचि नहीं है। ऐसी स्थिति में अद्योहस्ताक्षरी द्वारा आपके विरूद्ध नियमानुकूल विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की जायेगी।

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
औरंगाबाद।
19.02.2025

PR- 20407 (I & P R D) 2024-25

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद
अति अल्पकालीन निविदा संख्या-14/भ0प्र0 औरंगाबाद/2024-25

1.	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	:- कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद।
2.	निविदा आमंत्रित करने की तिथि	:- दिनांक 25.02.2025
3.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय	:- दिनांक 07.03.2025को अपराहन 1:00 बजे तक.
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:- दिनांक 08.03.2025को अपराहन 3:00 बजे तक.
5.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:- दिनांक08.03.2025को अपराहन 3:30बजे
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:- (क)कार्यपालक अभियंता का कार्यालयभवन प्रमंडल, औरंगाबाद (ख)सहायक अभियंता का कार्यालय भवन अवर प्र0सं0-1औरंगाबाद। (ग) सहायक अभियंता का कार्यालय भवन अवर प्र0सं0-2 औरंगाबाद। (घ) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय भवन अंचल गया।
7.	निविदा प्राप्ति एवं खुलने का स्थान	क्रमांक 6 के अनुसार
8.	कार्य विवरणी:-	

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Provision of Ramp, Paver Block & Raising of B/W (Female Block Partially) in the campus of Government Engineering College, Aurangabad	6.713	13500.00	1250.00	10 दिन
2	Repair and Maintenance work of Govt Polytechnic College, Dhanari, Aurangabad	5.077	10500.00	1250.00	10 दिन
	कुल	11.79 लाख			

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालक, अभियंता
भवन प्रमंडल, औरंगाबाद

PR- 020529 (BCD) 2024-25

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में 25 हजार का इनामी लुटेरा गिरफ्तार

● पुलिस ने जहानाबाद से किया गिरफ्तार, हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रोडक्ट से भरे ट्रक को लूटा था

नालंदा, एजेंसी। नालंदा की नुरसराय पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए नूरसराय थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी राकेश कुमार उर्फ कंजला उर्फ कैला (27) को गिरफ्तार किया गया है। जो जहानाबाद जिला कल्पा थाना क्षेत्र के बुधन टाली का रहने वाला है। पुलिस ने जहानाबाद से ही आरोपी को गिरफ्तार किया है। सदर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि आरोपी एक कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ पहले से 25,000 रुपये का इनाम घोषित था। यह गिरफ्तारी नूरसराय थाना में दर्ज एक कांड से जुड़े मामले में की गई है।

माल लदे ट्रक को बनाया था निशाना : इस मामले की शुरुआत 6 सितंबर 2024 को हुई थी, जब रात करीब 9: 15 बजे अज्ञात अपराधियों ने हिंदुस्तान यूनिलीवर कम्पनी का माल लदा ट्रक को लूट की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें मनोज कुमार उर्फ अमित कुमार, संतोष कुमार, और विकेश कुमार शामिल थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, राकेश कुमार का आपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ जहानाबाद महिला थाना में भी एक मामला दर्ज है, जिसमें विभिन्न धाराओं के साथ स्ष्ट/स्ज्ञ एक्ट के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। गिरफ्तारी में नूरसराय थाना के थानाध्यक्ष रजनीश कुमार, एसआई रमेश पासवान, सब-इंस्पेक्टर रज्जू कुमार, रिजर्व गार्ड के राकेश कुमार, और कांस्टेबल अनिल पासवान की टीम शामिल थी।

आमने-सामने भिड़े दो ट्रक, दोनों चालक घायल

झाझा–लक्ष्मीपुर मार्ग पर बीच सड़क पर पलटे वाहन, 2 घंटे तक लगा जाम

जमुई, एजेंसी। जमुई के लक्ष्मीपुर-झाझा मुख्य मार्ग पर गुरुवार की देर रात सौनदीपी मोड़ के पास दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद दोनों ट्रक सड़क पर पलट गए। इससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही लक्ष्मीपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से जेसीबी की सहायता से जाम को हटाने का काम शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को हटाया गया और यातायात बहाल हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीच सड़क पर वाहन पलटने से लगा जाम: लक्ष्मीपुर थानाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने बताया कि दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई थी। जिसमें वाहन के दोनों चालक गंभीर से घायल हो गया था। दोनों का इलाज के लिए लक्ष्मीपुर अस्पताल लाया गया। जबकि ट्रक सड़क पर पलटने से कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हुआ था। जिसे जिसे भी और स्थानीय लोगों की मदद से हटा दिया गया और सुचारू रूप से आवागमन चालू कर दिया गया।

बिहार पुलिस सप्ताह का समापन, सीएम नीतीश ने कई पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस सप्ताह 22 फरवरी से शुरू हुआ था जिसका समापन गुरुवार 27 फरवरी को पटना के मिथिलेश स्टेडियम हो गया. जिसमें मुख्य अतिथि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए. वहीं, इसमें मुख्यमंत्री ने बिहार पुलिस में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी और अच्छे कार्य करने वाले आम लोग तथा स्कूली बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

सीएम नीतीश कुमार ने किया सम्मानित

बिहार पुलिस सप्ताह के मौके पर 1992 बैच के बिहार कैडर के पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार अंबेडकर को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक, वहीं अपर पुलिस महानिदेशक आर मलारविझी को भी राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक और रिटायर्ड पुलिस निरीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग सुनीता कुमारी को भी राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक से अलंकृत किया गया है.

प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत

मुख्यमंत्री के द्वारा पुलिस सप्ताह के समापन समस्तीपुर के रहने वाले भुल्लू साहनी को उनके साहसिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया. वे जन्म से ही दोनों आँख से 90त्न दिव्यांग हैं. इनके द्वारा 20 से 22 वर्षों से पानी में डूबते लोगों को बचाने का कार्य किया जाता है. इनके द्वारा अभी तक लगभग 27 लोगों को डूबने से बचाया गया है और नदी और तालाब में डूबे हुए 13 लोगों के शव को निकल गया है.

साइबर सुरक्षा विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता

अमित कुमार चौधरी बेरंगीनिया जिला संत सीतामढ़ी के रहने वाले हैं. अमित ने थाना में एक अभियुक्त को हथियार के साथ गिरफ्तार करने में

पुलिस का सहयोग किया गया था. जिसको लेकर इन्हें भी मुख्यमंत्री के द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया. वहीं पुलिस सप्ताह के दौरान छात्र-छात्राओं के बीच बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस 5 पटना स्थित मिथिलेश स्टेडियम में साइबर सुरक्षा विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था.

राजीव नगर थाना का सातवां स्थान

वहीं 2024 में गृह मंत्रालय द्वारा वार्षिक रैंकिंग आफ पुलिस स्टेशन में पटना के राजीव नगर थाना का सातवां स्थान दिया गया था. जिसको लेकर रामानुज राम पुलिस और निरीक्षक तत्कालीन थानाध्यक्ष को भी प्रशस्ति पत्र दिया गया.

चैनपुर कैमूर के बिहारी यादव सम्मानित

चैनपुर कैमूर के बिहारी यादव ने 16 सितंबर को वॉटरफॉल में अचानक पानी बढ़ जाने के कारण 11 पर्यटकों को पानी में फंसे गये थे. वे 11 पर्यटकों को पानी में फंसे होने की सूचना पर नदी में कूदकर रस्सी के सहारे सभी को सुरक्षित बाहर निकल गया. इसे इस साहसिक कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया है.

वैशाली के विक्रमजीत को मिला पुरस्कार

विक्रमजीत कुमार आदर्श नगर थाना सराय जिला वैशाली के रहने वाले हैं. इनके द्वारा अज्ञात वाहन से एक मोटरसाइकिल को धक्का मार कर गंभीर रूप से जख्मी होने की स्थिति में तुरंत थाना को सूचित करते हुए घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाकर उसकी जान बचाई थी. जिसके कारण इन्हें भी प्रशस्ति पत्र दिया गया.

पूरे बिहार में जमीन सर्वे का सर्वर चालू, अब दस्तावेज अपलोड करने में नहीं होगी परेशानी

पटना, एजेंसी। बिहार के सभी जिलों में जमीन सर्वे का सर्वर चालू हो गया है। जमीन सर्वे में अब किसी जिले के लोग स्वघोषणा के तहत अपना दस्तावेज या वंशावली अपलोड कर सकते हैं, इसमें कोई समस्या नहीं आएगी। सारण समेत सभी 9 प्रमंडलों के सर्वर ने काम करना शुरू कर दिया है।

9वां और अंतिम सर्वर सारण प्रमंडल का ही था, जिसने पूरी तरह से काम शुरू कर दिया है। साथ ही दस्तावेजों को संग्रह करने की समस्या का अंत हो गया है।

सर्वे निदेशालय की तकनीकी शाखा के अनुसार, निदेशालय की वेबसाइट के पेज पर यूजर्स को जिले के रूप में नया विकल्प मिलेगा, जिसका चयन करने पर उनके आवेदन उनके जिले से संबंधित प्रमंडल के लिए आरक्षित सर्वर में जाकर संग्रहित हो जाएंगे। सभी प्रमंडलों का आंतरिक लिंक अलग-अलग कर दिया गया है। यह व्यवस्था इसलिए की गई है कि डिजिटाइज्ड एवं स्कैंड डेटा को सहेज कर रखने में परेशानी नहीं हो। इस मामले को लेकर भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशक कमलेश कुमार सिंह ने गुरुवार को शास्त्री नगर स्थित सर्वे भवन से ऑनलाइन माध्यम से सभी 38 जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों से बात की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से यह जाना कि अब सर्वर अलग-अलग कर देने के बाद भी जमीन सर्वे से संबंधित क्या कोई तकनीकी समस्या बची हुई है। सभी पदाधिकारियों ने कहा कि अब कोई समस्या नहीं है और इससे डेटा अपलोड एवं डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी आएगी।

हालांकि, कई जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों ने अपलोड हुए दस्तावेजों के नहीं दिखने की शिकायत की। इन समस्याओं का समाधान 24 घंटे में करने का भरोसा उन्होंने दिलाया। ऑफलाइन मोड पर शिविरों में प्राप्त सभी दस्तावेजों को एक सप्ताह में ऑनलाइन करने का आदेश दिया गया है।

पटना सासाराम ग्रीनफील्ड फोरलेन एक्सप्रेस-वे को मंजूरी जल्द, 5 जिलों को होगा फायदा

पटना, एजेंसी। छ्बिहार की राजधानी पटना से भोजपुर होते हुए सासाराम तक ग्रीनफील्ड फोरलेन एक्सप्रेस-वे का निर्माण जल्द शुरू होगा। केंद्रीय वित्त कमेटी की सार्वजनिक निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) से मंजूरी मिलते ही इसका निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 की समाप्ति के पहले ही निर्माण के लिए राशि जारी होने की उम्मीद है। संभावना है कि मार्च महीने में कमेटी इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण की मंजूरी दे देगी। 3209 करोड़ से 120 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड (नई सड़क) फोरलेन का निर्माण होना है, इससे 5 जिले के लोगों को फायदा होगा। मालूम हो कि इस फोरलेन एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए 27 सितंबर को प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत केंद्र सरकार से स्वीकृति मिली थी। एनएचएआई ने निविदा जारी कर दी है। निर्माण को 6 मार्च तक ठेकेदार आवेदन कर सकते हैं।

पटना से सासाराम जाने में होगी सुविधा

पटना-आरा-सासाराम एनएच-119ए के निर्माण के लिए सोन नदी पर फोरलेन पुल बनेगा। यह सड़क आरा शहर के बाहर से होकर गुजरेगी। भोजपुर के दक्षिण हिस्से की ओर से पटना जाने के लिए वाहन बिना आरा शहर से गुजरे ही पटना की ओर आएंगे। वहीं, सासाराम से पटना तक आने में समय की बचत होगी।

पांच जिलों को होगी सुविधा

पटना से आरा होते हुए सासाराम तक सड़क बनने से पटना, अरवल, भोजपुर, रोहतास एवं

सासाराम की सड़क जुड़ जाएगी। वहीं विशेष कर नौबतपुर, अरवल, सहार, पीरो, हसन बाजार, संझौली और नोखा के लोगों को लाभ होगा। पटना से भोजपुर, अरवल, रोहतास, सासाराम होते हुए वाराणसी जाने में भी सुविधा होगी। सड़क का निर्माण दो पैकेज में होना है। पहले पैकेज में सासाराम से आरा के बीच लगभग 75 किलोमीटर का निर्माण होगा। दूसरे पैकेज में लगभग 45 किलोमीटर सड़क का निर्माण आरा से पटना के बीच होगा। इसके लिए 760 करोड़ से 550 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। वहीं, सोन नदी पर लगभग 3 किलोमीटर लंबे फोरलेन पुल का भी निर्माण होगा। इस सड़क को भारत सरकार की ओर से एनएच 119ए का दर्जा दिया गया है।

पटना के सदीसोपुर के समीप से शुरू होगा एक्सप्रेस-वे

पटना के कन्हौली से लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित सदीसोपुर के समीप स्थित एनएच-131जी से यह एक्सप्रेस-वे बनना है। इसके बाद पटना के घोड़ाटाप के समीप दक्षिण की ओर से सोन नदी के ऊपर पुल का निर्माण किया जाएगा। यह सोन नदी के पश्चिम से आरा के असनी होते हुए गड़हनी में दक्षिण की तरफ से सासाराम के आगे सुअरा होते हुए एनएच-19 यानी वाराणसी जाने वाली सड़क से जुड़ेगा।

भोजपुर में हथियारबंद अपराधियों ने मछुआरे को मारी गोली

लूट का विरोध करने पर मारी गोली, गंभीर हालत में सदर अस्पताल से पटना रेफर

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के बरजा गंगा नदी में गुरुवार की रात मछली लूटने आए हथियारबंद अपराधियों ने एक मछुआरे मैनेजर मलाह (50) को गोली मार दी। जख्मी अधेड़ को गोली दाहिने साइड गाल में लगी है जो गर्दन के पीछे आकर फंसी है। जख्मी हालत में मछुआरे ने किसी तरह जान बचाकर वहां से भागकर नदी की किनारे स्थानीय लोगों के पास पहुंचकर मदद मांगी। फिर स्थानीय लोगों इस घटना की जानकारी परिजनों को दी और उसके बाद जख्मी हालत में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचे, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मछुआरे को पटना रेफर कर दिया गया है। हालांकि परिजन आनन-फानन में आरा शहर स्थित आरा इमरजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर हर्षवर्धन की टीम की देखरेख में इलाज कराया जा रहा है।

मछली और जाल को लूटकर भाग रहे थे बदमाश : जख्मी मछुआरा कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव निवासी स्व राम किशुन चौधरी के बेटे मैनेजर मलाह है। इधर घटना की जानकारी देते हुए जख्मी मछुआरे ने बताया कि वो अपने साथी दशई मलाह के साथ बरजा गांव स्थित गंगा नदी में नाव से मछली मारने गए थे। हर रोज मछली मारने के बाद सुबह में बेचने जाते है। गुरुवार की रात दोनों बीच गंगा नदी में मछली मार रहे थे। तभी आठ की संख्या में हथियार लेकर आए बदमाशों ने हथियार के बल पर करीब दस किलों मछली और जाल को लूटकर भाग रहे थे। तभी हमलोगों ने इसका विरोध किया तो एक अपराधी ने पिस्टल निकालकर गोली मार दी। गोली में मेरे गाल पर लगी है। जैसे-तैसे गंगा नदी में कुदकर जान बचाई और इस घटना की जानकारी स्थानीय के लोगों के मदद से परिजनों को दी। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी दस किलों मछली लेकर वहां से आराम से फरार हो गए। वही ऑन ड्यूटी डॉक्टर हर्षवर्धन ने बताया जख्मी के चेहरे पर गोली लगने से ज्यादा खून रिसाव हो गया है। इमरजेंसी वार्ड में जख्मी का ऑपरेशन कर बुलेट को निकाल दिया गया,हालांकि अभी मरीज की स्थिति ठीक है। उसे ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। वही पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि जख्मी मछली मारने गए थे,इसी दौरान घटना घटी है। कुछ लोगों का नाम सामने आ रहा है। जल्दी ही उनकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

नालंदा में 3 मार्च को लगेगा रोजगार कैंप: 2,500 रिक्तियों पर की जाएगी बहाली

नालंदा, एजेंसी। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नालंदा जिले में 3 मार्च को एक विशेष नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह मेला संयुक्त श्रम भवन, जिला नियोजनालय नालंदा बिहारशरीफ (बिहारशरीफ प्रखंड कार्यालय कैम्पस के निकट) में आयोजित किया जाएगा। इस एक दिवसीय आयोजन में देश की प्रमुख कंपनियां सहभागिता करेंगी, जिनमें स्न्न्नत्र, होटल ममता इंटरनेशनल, लेनोवो ग्रुप, ग्रीन मैक्स सिस्टम, अरवन इन्फोसॉफ्ट, निमसन हर्बल, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन, क्वेस कॉर्प लिमिटेड, टाटा मोटर्स और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख हैं। इनके अलावा कई स्थानीय और बाहरी निजी कंपनियां भी इस मेले में भाग लेंगी। मेले में आने वाली कंपनियां रिटेल, हेल्थकेयर, अकाउंटिंग, डिलीवरी सर्विसेज, हॉस्पिटैलिटी और सिक्योरिटी सर्विसेज जैसे विविध क्षेत्रों में करीब 2,500 रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया चलाएंगी। यह मेला नालंदा के बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर साबित हो सकता है। जिला नियोजन अधिकारी अंकित राज ने बताया, ÷इस मेले का उद्देश्य है कि नालंदा और आसपास के क्षेत्रों के युवा प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार पाने का अवसर प्राप्त कर सकें। साथ ही, उन्हें विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी मिलेगा।÷ प्रशासन ने सभी युवाओं, विशेषकर युवतियों से अधिक से अधिक संख्या में इस मेले में भाग लेने का आग्रह किया है। आवेदकों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की मूल प्रति और फोटो कॉपी साथ लेकर आएं।

विक्रमशिला खंडहर संवरेगा, हरिहरनाथ कॉरिडोर बनेगा, बिहार का केंद्र को प्रस्ताव

पटना, एजेंसी। बिहार की प्राचीन धरोहरों का विकास तेज कर दिया गया है। इसी के तहत विक्रमशिला प्राचीन विश्वविद्यालय खंडहर और हरिहर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की तैयारी है। बिहार सरकार ने इसके लिए चैलेंज बेस्ड डिस्टिनेशन योजना के तहत केंद्र को प्रस्ताव भेजा है। इसमें हरिहर क्षेत्र (सोनपुर) में हाट बनाने की भी योजना है। वहीं, बाबा हरिहरनाथ क्षेत्र को काशी कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित करने की योजना है। इसके अध्ययन की जिम्मेदारी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के मुख्य परामर्शी एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजेंट प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद को सौंपी गई है। बता दें कि नारायणी नदी (गंडक) के किनारे बसे हरिहर क्षेत्र सोनपुर का पशु मेला विश्व प्रसिद्ध है। धार्मिक मान्यता है कि यहीं गज-ग्राह की लड़ाई हुई थी, जिसमें भगवान विष्णु ने गज की जान बचाई थी। कार्तिक माह में पशु मेला के समय दुनियाभर के पर्यटक यहां पहुंचते हैं। कॉरिडोर बनने और क्षेत्र का विकास होने से मेला अवधि के बाद भी यहां पर्यटकों का आना जारी रहेगा। राज्य सरकार ने सोनपुर हाट के लिए 24.41 करोड़ और विक्रमशिला प्राचीन

विश्वविद्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए 22.40 करोड़ का प्रस्ताव भेजा है। सोनपुर कॉरिडोर की रिपोर्ट आ जाने के बाद वहां की डीपीआर तैयार होगी।

मेला एप बनेगा, बाबा हरिहरनाथ के वर्चुअल दर्शन होंगे : देश-विदेश के पर्यटकों की जानकारी के लिए सोनपुर मेला ऐप भी विकसित किया जाएगा। इसके अलावा एआर-वीआर सुविधा विकसित की जानी है। बाबा हरिहरनाथ की वर्चुअल दर्शन कराने की भी योजना है। सोनपुर हाट के अलावा भव्य प्रवेश द्वार बनाने की योजना है। हाट से घाट तक की सड़क, पार्किंग, जनसुविधा विकसित की जाएगी। ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देते हुए क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा। सौर ऊर्जा और कचरा प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाएगा। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां के गाइड, होटल संचालक, फुड वेंडर, टूर ऑपरेटर आदि को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

विक्रमशिला में बनेगी प्रदर्शनी गैलरी : केंद्र को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार भागलपुर जिले में स्थित विक्रमशिला प्राचीन विश्वविद्यालय के खंडहर के आसपास पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रदर्शनी गैलरी बनाकर यहां रिप्लिका लगाई जाएंगी। रिसोर्स सेंटर, विजिटर सेंटर और जनसुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा परिसर में पौधरोपण की भी योजना है। प्राचीन विश्वविद्यालय का महत्व बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लिया जाएगा। इसके लिए अलग से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे। यहां के गाइड, टूर ऑपरेटरों को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महिषी का भी होगा विकास : पर्यटन विभाग ने सहरसा के मंडन मिश्र धाम महिषी को भी पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने की योजना बनाई है। इस पर 14 करोड़ 23 लाख रुपये खर्च होंगे। आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के शास्त्रत्तर्थ के साक्षी इस स्थल पर दोनों महापुरुषों के दर्शन होंगे। मंडन मिश्र की पत्नी भारती ने ही शास्त्रत्तर्थ में आदि शंकराचार्य को पराजित किया था। यहां प्रवेश द्वार, पार्किंग और अन्य जनसुविधा विकसित की जाएंगी। मुख्य भवन का जीर्णोद्धार, घाट का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा नैनो बबल टेक्नोलॉजी से तालाब का सौंदर्यीकरण होगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

आठ दिनों से चली आ रही राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव सम्पन्न

सभी लोगों के सहयोग से ही इस मेले का सफलतापूर्वक हो पाया आयोजन : डीसी

निज संवाददाता | दुमका

21 फरवरी से 28 फरवरी तक दुमका जिले के हिजला गांव में मयूराक्षी नदी के किनारे आयोजित राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव का सफल समापन हुआ। यह महोत्सव आठ दिनों तक चला, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेले के समापन समारोह में मुख्य रूप से उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे, सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता और अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ स्थानीय कलाकारों और ग्रामीणों ने भाग लिया। समारोह की शुरुआत में अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया, जहां उन्हें पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय दुमका, मसलिया और जामा की छात्राओं ने अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुति से समारोह को और भी रंगीन बना दिया। इसके साथ ही, इंडियन आइडल सीजन 6 के प्रतिभागी और गायक रजत आनंद ने भी अपनी मधुर आवाज से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। उनके गीतों ने सभी उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, सरायकेला से आए कलाकारों ने पारंपरिक नटुआ नृत्य का प्रदर्शन किया, जो दर्शकों के बीच एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र बन गया। उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने समापन समारोह में अपने संबोधन में कहा कि इस मेले के सफलतापूर्वक आयोजन के पीछे सभी लोगों का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा कि हिजला मेला स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को संजोने और उन्हें जीवित रखने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह मेला न केवल यहां के लोगों के बीच सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, बल्कि यह जनजातीय समुदाय की धरोहर और जीवनशैली को भी प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम के दौरान हिजला मेला की स्मारिका का विमोचन भी किया गया, जो सूचना जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित की गई थी।

इस स्मारिका में मेले के इतिहास, उद्देश्य, और इसमें भाग लेने वाले लोगों की जानकारी दी गई थी। इसके बाद, घड़ा उतार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जो इस मेले का एक प्रमुख आकर्षण था। इस प्रतियोगिता में चांदो पानी मुरु टोला की टीम ने घड़ा उतारकर पहला स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता हर साल की तरह इस बार भी बेहद रोचक और प्रतिस्पर्धी रही। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को जिला प्रशासन ने प्रोत्साहित किया और उनके उत्साहवर्धन के लिए पुरस्कार वितरित किए। समापन समारोह में शामिल हुए सभी अतिथियों ने इस आयोजन की सफलता के लिए स्थानीय समुदाय, प्रशासन और आयोजकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने आशा जताई कि आने वाले वर्षों में भी हिजला मेला इसी प्रकार सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक बना रहेगा और यह स्थानीय जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। इस मेले के माध्यम से स्थानीय कला, संस्कृति और परंपराओं को सम्मानित किया गया और यह आयोजन दुमका जिले के लिए एक विशेष अवसर बना।

उपायुक्त की अध्यक्षता में डीएमएफटी से कराए जा रहे विकास कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

निज संवाददाता | गोड्डा

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के तहत किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में उपायुक्त के द्वारा डीएमएफटी मद से कराए जा रहे आंगनबाड़ी केंद्रों का सुसज्जीकरण, पंचायत लाइब्रेरी, पुराना समाहरणालय स्थित बन रहे सिदो कान्हो डिजिटल लाइब्रेरी, विद्यालयों का आधुनिकीकरण कार्य आदि की क्रमवार समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त के द्वारा पुराना समाहरणालय में बंद पड़े विभागों को खाली करा कर पूरे परिसर को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने हेतु प्रस्ताव तैयार करने तथा पूर्ण हो चुके सभी कार्यों का जिला स्तरीय टीम गठित कर भौतिक सत्यापन करने के निर्देश उप विकास आयुक्त को दिए गए। मौके पर उप विकास आयुक्त स्मिता टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी, बैद्यनाथ उरांव एवं डीएमएफटी कार्यालय के कर्मीगण मौजूद थे।

बच्चों को स्वतंत्र एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार : डालसा

निज संवाददाता | गोड्डा

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से विभिन्न प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में 90 दिवसीय इंटेंशिव जागरुकता व साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया है। इसके तहत डालसा की ओर से गठित टीम ने न्याय आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी कड़ी में महागामा प्रखंड के महादेव बथान पंचायत क्षेत्र में डालसा की ओर से गठित टीम में शामिल शशि कुमार हांसदा व शनिलता मरांडी ने ग्रामीणों को कानून का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि बच्चों से मजदूरी कराना कानूनन अपराध है। बच्चों को एक ऐसे परिवेश में बड़ा होने की जरुरत है जिसमें वे एक स्वतंत्र एवं गरिमापूर्ण जिंदगी जीने योग्य बन सकें। उन्हें शिक्षा एवं प्रशिक्षण का अवसर दिया जाना चाहिए। ताकि वे बड़े होकर जिम्मेवार व जबावदेह नागरिक बन सकें। दुर्भाग्यवश वच्चों की एक बड़ी आबादी अपने मूलभूत अधिकारों से बंचित हैं। वे खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करते हुए पाये जाते हैं। उनमें से कुछ को कैद भी रखा जाता है तथा मारापीट किया जाता है। इन बच्चों को निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार से पूर्णतः वंचित रखा जाता है।

इस दिशा में समूदाय को सोचने की जरुरत है। बच्चों को काम पर लगाने की यही प्रक्रिया मानव तस्करी का रूप ले लेती है। टीम के सदस्यों ने कहा कि जागरुक होने से ही समाज से कुप्रथा समाप्त हो सकेगी। इसके लिए शिक्षा की बहुत जरुरत है। शिक्षित समाज से ही विकास संभव है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल जरुर भेजें। कम उम्र के बच्चों से मजदूरी नहीं करायें। इस अवसर पर दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

झालसा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को किया सम्मानित

निज संवाददाता | गोड्डा

झालसा की ओर से संचालित 90 दिवसीय इंटेंशिव लीगल लिटरेशी एवं लीगल अवेयरनेश प्रोग्राम के तहत पिछले 27 जनवरी 25 को विभिन्न लीगल लिटरेशी क्लब में निबंध, चित्रकला एवं वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के बीच जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डा0 प्रदीप कुमार ने झालसा से प्राप्त प्रमाणपत्र का वितरण किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में पेंटिंग के लिए पोड़ैयाहाट केजीबीभी की नगमा परवीन ने प्रथम, सुंदरपहाड़ी केजीबीभी के सबीना हेम्ब्रम ने द्वितीय एवं एनएससीबीएभी के सुरेन्द्र कुमार गिरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लेखन प्रतियोगिता में जेबीएभी बसंतराय की जूली कुमारी ने प्रथम, केजीबीभी पथरगामा की सीमा कुमारी ने द्वितीय एवं केजीबीभी महागामा की कहकशा परवीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के दौर में केजीबीभी पोड़ैयाहाट की निक्की कुमारी ने प्रथम, केजीबीभी महागामा की अंजली कुमारी ने द्वितीय एवं एनएससीबीएभी के सोनू ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डा0 प्रदीप कुमार ने कहा कि झालसा की ओर से आयोजित इंटेंशिव जागरुकता व विधिक साक्षरता अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों में गठित लीगल लिटरेशी क्लब की छात्र-छात्राओं के बीच निबंध, चित्रकला व वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया है। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन झालसा की ओर से किया गया है। इसी के आलोक में झालसा द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्र प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।

अनियंत्रित होकर बीच सड़क में पलटा बाल बाल बचे चालक एवं उपचालक

निज संवाददाता | नोनीहाट

दुमका-भागलपुर स्टेट हाईवे पर हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत खसिया गांव के समीप शुक्रवार को एक तेल टैंकर अनियंत्रित होकर बीच सड़क में ही पलट गया। टैंकर की चपेट में आने से कुछ राहगीर बाल बाल बच गए। टैंकर पलटने के बाद देखते ही देखते आस-पास के ग्रामीणों द्वारा टैंकर से गिर रहे तेल को डब्बे और बाल्टी में भरने की सैकड़ो की संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गयी | ग्रामीणों द्वारा बड़ी मुश्किल से तेल टेंकर के चालक व उपचालक को सकुशल टेंकर से बाहर निकाला गया। टैंकर चालक देवेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को करीब 4:30 बजे शाम शाम को(डब्लू वी 31 एन 1010) हल्दिया बंगाल से तेल लेकर विराट नगर नेपाल जा रही थी जो कि अनियंत्रित होकर खसिया गाँव के समीप पलट गया। टैंकर चालक ने जानकारी देते हुए यह बताया कि मैं गाड़ी में सोया हुआ था और उपचालक सचिन कुमार के द्वारा बिना मुझे जानकारी दिए ही अमरपुर के पास से गाड़ी को स्टार्ट करके बढ़ा दिया गया जिस कारण खसिया गांव के समीप यह घटना घटी। कुछ ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए यह बताया कि चालक व उपचालक दोनों शराब के नशे में धुत्त थे जिस वजह से यह घटना घटी। घटना की जानकारी जैसे ही हँसडीहा थाना को मिली, हँसडीहा थाना पुलिस अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर टैंकर को अपने कब्जे मे लेकर जाँच मे जुट गई |

कुलपति को पीएचडी में नामांकन हेतु छात्र नेता ने सौंपा ज्ञापन

दुमका (नि.सं.)। संताल परगना स्टूडेंट यूनियन सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में शुक्रवार को यूनियन के अध्यक्ष विमल मुर्मू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिन्हा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। कुलपति को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2022 से सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में पीएचडी में नामांकन नहीं हुआ है, जबकि लगातार प्रत्येक सत्र में सभी शंकाय के छात्र-छात्राएं नेट,जेआरएफ तथा पीएचडी में नामांकन के लिए नेट की परीक्षा में सफलता सहित कई विषयों के विद्यार्थीयों नेट, जे सफलता प्राप्त किया है। उन्हें सही समय पर कर रहे हैं। इस बार भी संताली, वाणिज्य विज्ञान चंडी में नामांकन को लेकर नेट की परीक्षा में नामांकन के लिए अवसर नहीं प्रदान किया जाता है तो उनका सुनहरा अवसर समाप्त हो जाएगा।

क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, संथाल परगना प्रमंडल के डॉ0 गोपाल कृष्ण झा को सेवानिवृत्त पर विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

निज संवाददाता | हाजीपुर (वैशाली)

दुमका। डॉ0 गोपाल कृष्ण झा, क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका के सेवानिवृत्त होने पर क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, संथाल परगना प्रमण्डल,दुमका कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी, दुमका भूतनाथ रजवार की अध्यक्षता मे विदाई सह सम्मान समारोह हुई। इस अवसर संथाल परगना प्रमण्डल के सभी जिलों के शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों, कर्मियों, डायट दुमका,शिक्षक संघो, भारत स्काउट एवं गाइड, दुमका एवं शिक्षकों द्वारा क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक,डॉ0 गोपाल कृष्ण झा को पुष्प गुच्छ, शाल, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस समारोह मे उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी दुमका कौशल कुमार ने क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ0 गोपाल कृष्ण झा को विदाई के बेला में शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉ0 गोपाल कृष्ण झा का व्यक्तित्व,कृतित्व एवं अपने सेवा कार्य के प्रति समर्पण हमसभी के लिए अनुकरणीय है। डॉ0 गोपाल कृष्ण झा एक व्यवहार कुशल अनुभवी पदाधिकारी है। श्री झा का सौम्य व्यवहार ही मुझे विदाई समारोह में भाग लेने के लिए यहाँ तक खीच लाया। अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि डॉ0 गोपाल कृष्ण झा एक अनुभवी कुशल पदाधिकारी के साथ साथ अपने मातहतों के लिए एक अभिभावक तुल्य नरम दील के पदाधिकारी हैं। कौशल कुमार ने कहा कि डॉ0 गोपाल कृष्ण झा सेवानिवृत्त होने के बाद स्वस्थ रहें एवं उनका अनुभवी मार्गदर्शन हमलोगों को मिलता रहे। जिला शिक्षा पदाधिकारी दुमका भूतनाथ रजवार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त होना एक विभागीय प्रक्रिया है, लेकिन सेवानिवृत्त होने के बाद जीवन की दूसरी पारी की शुरूआत होती है। सरकारी सेवा से पदमुक्त होने के बाद हमे परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका मिलता है।

श्री रजवार ने कहा कि डॉ0 गोपाल कृष्ण झा सर कठिन परिस्थितियों में भी अपने अनुभव से समस्या का समाधान खोज लेते हैं। क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ0 गोपाल कृष्ण झा ने अपने लंबे सेवाकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि अपने सम्पूर्ण सेवाकाल में मैंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा भाव से किया। डॉ0 झा ने कहा कि एक पदाधिकारी को एक प्रशासक की नही बल्कि एक मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। कहा कि मैने अपने सेवाकाल में अपने विद्यालयों का अनुश्रवण एक मार्गदर्शक की तरह सकरात्मक रुप से किया।कहा कि व्यक्ति की गरिमा पद धारण करने से ही है बल्कि पद की गरिमा बनाकर रखने में है।डॉ0 गोपाल कृष्ण ने कहा कि अपने सेवाकाल में ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक प्राप्त उपलब्धियां ही जीवन मे अर्जित असली धन है।कहा कि संथाल परगना के लोग बहुत अच्छे एवं निष्ठावान हैं।संथाल परगना प्रमंडल में मुझे अपार स्नेह एवं आदर मिला, जिसे मैं कभी नही भूल पाऊंगा।जिला शिक्षा पदाधिकारी देवघर बिनोद कुमार सिंह ने कहा कि डॉ0 गोपाल कृष्ण झा सर का स्नेह एवं कुशल सुझाव हमेशा हमलोगों को मिलता था।जिला शिक्षा अधीक्षक, दुमका आशीष कुमार हेम्ब्रम ने डॉ0 गोपाल कृष्ण झा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सर हमेशा हमलोगों को मार्गदर्शन करते थे । कहा कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी सर हमलोगों के दील में रहेंगे।जिला शिक्षा पदाधिकारी पाकुड़ अनिता पुर्ती ने कहा कि डॉ0 गोपाल कृष्ण झा सर एक अभिभावक तुल्य पदाधिकारी थे,जिनसे हमलोगों को कठिन परिस्थितियों में उचित सुझाव मिलता रहता था। क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक डॉ0 गोपाल कृष्ण झा की धर्मपत्नी रमा कुमारी ने कहा कि डॉ0 झा परिवार के लिए भी आदर्श हैं। श्रीमती रमा ने कहा कि डॉ0 झा अपने परिवार के साथ साथ अपने सेवा क्षेत्र के दायित्वों का निर्वहन भी ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा पदाधिकारी दुमका भूतनाथ रजवार ने किया। मंच संचालन जीवानंद यादव ने किया। विदाई सह सम्मान समारोह में डीएसई दुमका आशीष हेम्ब्रम,डीएसई गोड्डा, डीएसई देवघर, डीएसई पाकुड,डीएसई जामताड़ा, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी उर्मिला हांसदा, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी महगामा,क्षेत्रीय शिक्षा सन्युक्त निदेशक के बेटा अविनाश कुमार, बहू शिवानी, बेटी सुप्रभा,झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्याध्यक्ष दिवाकर महतो,जैक सदस्य अजय कुमार गुप्ता, जैक ओएसडी अश्विनी कुमार यादव,पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा, वरीय लिपिक विनोद कुमार, मनीष कुमार गुप्ता,समीर घोष, राजीव कुमार श्रीवास्तव,झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष दिलीप कुमार झा, डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राज हंस, पूर्व प्रभारी प्राचार्य बब्बन कुमार, जैक कर्मी जटाशंकर मिश्रा,स्काउट के जिला सचिव विजय कुमार दूबे शिक्षा विभाग के कर्मी प्राण गोपाल, भोला भारती, विजय कुमार,फनीलाल महतो के अलावे संथाल परगना प्रमण्डल के शिक्षा विभाग के कई पदाधिकारी,कर्मी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

सेवा का अनोखा कीर्तिमानः अदाणी-इस्कॉन ने महाकुंभ में 50 लाख लोगों में बांटा 11 लाख किलो महाप्रसाद

निज संवाददाता | गोड्डा

महाशिवरात्रि पर्व पर संगम में स्नान के साथ ही साल का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ समाप्त हो गया। यह आयोजन कई मायने में एतिहासिक रहा। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने प्रयागराज की यात्रा की और इसके चलते कई कीर्तिमान बने। एक अनुमान के मुताबिक महाकुंभ में तकरीबन 60 करोड़ लोगों ने श्रद्धा की डुबकी लगाई। इसके साथ ही महाकुंभ में एक और कीर्तिमान स्थापित हुआ। वह है किसी भी धार्मिक आयोजन में सबसे अधिक लोगों में मुफ्त महाप्रसाद के वितरण का। यह अनोखा कीर्तिमान अदाणी समूह और इस्कॉन ने मिलकर स्थापित किया है। इस्कॉन के प्रवक्ता के मुताबिक महाकुंभ के दौरान 50 लाख श्रद्धालुओं में 11 लाख किलो महाप्रसाद का वितरण किया गया। यह दुनिया के किसी भी धार्मिक आयोजन में मुफ्त वितरित भोजन का कीर्तिमान है। बता दें कि महाकुंभ 2025 में अदाणी समूह और इस्कॉन ने महाकुंभ श्रद्धालुओं की सेवा के लिए हाथ मिलाया था। अदाणी समूह की तरफ से प्रतिदिन 01 लाख लोगों में महाप्रसाद के वितरण का संकल्प लिया गया था। महाकुंभ में 50 लाख लोगों को मुफ्त महाप्रसाद वितरित किया गया। इस्कॉन प्रवक्ता ने बताया कि इस आयोजन के दौरान भारी मात्रा में खानपान की सामाग्री की खपत हुई। प्रवक्ता के मुताबिक महाप्रसाद को बनाने में ढाई लाख किलो सब्जी, 2 लाख 25 हजार किलो दाल, 3 लाख किलो चावल और 2 लाख 25 हजार किलो दाल की खपत हुई। इसके अलावा 1 लाख 75 हजार किलो आटे और 33 हजार लीटर देसी घी का इस्तेमाल भी किया गया। इसमें से ज्यादातर सामान प्रयागराज के लोकल व्यापारियों से ही खरीदा गया जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। वहीं इस्कॉन के प्रवक्ता ने बताया कि इस सेवाकार्य में स्वंम सेवकों ने 36 लाख काम के घंटे लगाए। सेवा करने वालों में देश-विदेश से लोग आए और उन्होंने प्रसाद निर्माण और वितरण की प्रक्रिया में हिस्सा लिया। इसमें अदाणी समूह के वे 5000 कर्मचारी भी शामिल हैं जिन्होंने महाकुंभ में आकर श्रद्धालुओं की सेवा की। अदाणी समूह ने अपने कर्मचारियों को कुंभ में जाकर सेवा करने का अनुपम मौका दिया था। 5000 कर्मचारियों ने महाकुंभ में जाकर अपनी सेवाएं दीं। समूह इसे अपने कर्मचारियों के बीच सेवाभाव विकसित करने के एक मौके की तरह देखता है। इस बार अदाणी समूह की तरफ से महाकुंभ में व्यापक स्तर पर सहयोग एवं सेवा देखने को मिली। समूह ने इस्कॉन के अलावा देश के सबसे पुराने धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रकाशन गीता प्रेस गोरखपुर से हाथ मिलाया। गीताप्रेस के साथ मिलकर अदाणी समूह ने 1 करोड़ आरती संग्रह का वितरण लिया था। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 21 जनवरी 2025 को अपने परिवार के साथ इस्कॉन में प्रसाद सेवा एवं आरती संग्रह वितरण में हिस्सा लिया।

वि.वि के पूर्व कुलसचिव बने नया वित्त पदाधिकारी

दुमका (नि.सं.)। विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा को विश्वविद्यालय का नया वित्त पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह के निर्देश पर कुलसचिव डॉ राजीव कुमार ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। राजभवन से प्राप्त अनुमोदन के आलोक में उक्त अधिसूचना जारी कर दी गई है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जिला सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की हुई बैठक

गोड्डा (नि.सं.)। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में जिला सड़क टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई। इस दौरान उपायुक्त के द्वारा विगत बैठक मे दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की गई तथा हिट एण्ड रन से संबंधित सभी मामलों को त्वरित गति से निष्पादित करने, ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन हेतु विशेष अभियान चलाए जाने, जिला प्रशासन पुलिस और संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करते हुए सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दिए जाने, सभी भारी और ओवरलोडेड वाहनों की नियमित और सघन जांच करने तथा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी, अनुमंडल पदाधिकारी महागामा आलोक वरण केसरी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गोड्डा, अशोक प्रियदर्शी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महागामा चंद्रशेखर, जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया, जिला खनन पदाधिकारी गोड्डा, सभी अंचल अधिकारी मौजूद थे।

जामताड़ा ने गढ़वा को 90 रन से किया पराजित

निज संवाददाता | पकरीबरावां (नवादा)

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित अंडर 23 अंतर जिला क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत स्थानीय गांधी मैदान में खेले गए मैच में जामताड़ा ने गढ़वा को 90 रन से पराजित किया। यह मुकाबला क्रिकेट के मैदान पर एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक खेल का गवाह बना। जामताड़ा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 32 ओवर 2 गेंद में कुल 173 रन बनाकर अपनी पारी समाप्त की। जामताड़ा की ओर से मुकेश कुमार ने शानदार 69 रन और ह्रितिक अनंत ने 34 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। गढ़वा की टीम ने जामताड़ा द्वारा निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने की शुरुआत की, लेकिन जामताड़ा की गेंदबाजी आक्रमण ने उन्हें दबाव में डाल दिया। गढ़वा की टीम केवल 21 ओवर 2 गेंद में 83 रन पर ऑल आउट हो गई। गढ़वा की ओर से हर्ष सिंह ने 23 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाए, लेकिन जामताड़ा के गेंदबाजों ने उन्हें ज्यादा समय तक मैदान पर टिकने का मौका नहीं दिया। जामताड़ा की ओर से मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए, जबकि आदित्य सिंह और ह्रितिक अनंत ने भी 3-3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मैच के बाद, मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जामताड़ा के मुकेश कुमार को दिया गया। यह पुरस्कार उन्हें ज्ञान स्थली पब्लिक स्कूल के निदेशक समीर दुबे के हाथों में ट्रॉफी और 5000 रुपये की नकद राशि के रूप में प्रदान किया गया। मुकेश कुमार की शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी ने जामताड़ा की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्रिकेट संघ के पर्यवेक्षक काजल दास, अंपायर उमेश पाठक, इफ्तेखार शेख, स्कोरर दीपक कुमार, और क्रिकेट संघ के संयोजक संजीव कुमार, कोषाध्यक्ष सनोज कुमार, इंतेखाब आलम, मुकेश मंडल, अवधेश कुमार, सनम कुमार, विजय कुमार, प्रभु, अंजन, राहुल, कन्हैया, संजीव सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने इस प्रतियोगिता के आयोजन को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई। क्रिकेट संघ द्वारा बताया गया कि कल होने वाला अगला मुकाबला गुमला और गढ़वा के बीच खेला जाएगा, जिसमें दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन स्थानीय क्रिकेट प्रतिभाओं को उभारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए किया जा रहा है।

केंद्रीय बजट पर भाजपाइयों ने की व्यापक चर्चा

दुमका (नि.सं.)। भाजपा जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी एवं संगठन चुनाव संबंधी बैठक के० बी० वाटिका में हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने की, जबकि जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील सोरेन, विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में 2025-26 के केंद्रीय बजट पर व्यापक चर्चा हुई, जिसमें बजट की जनकल्याणकारी नीतियों और देश के आर्थिक विकास में इसकी भूमिका को रेखांकित किया गया। साथ ही, संगठन चुनाव की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में दुमका जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने ने कहा कि 28 फरवरी तक शक्तिकेंद्रों के संयोजक एवं सह-संयोजकों की नियुक्ति पूरी कर ली जाएगी।

बोकारो स्टील प्लांट से सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

बोकारो स्टील प्लांट से फरवरी '2025 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुराजबनर्जी उपस्थित रहे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी दी और प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी का संक्षिप्त बायोडाटा प्रस्तुत किया। अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुराजबनर्जी ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किए। फरवरी 2025 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 07 अधिशासी एवं 47 अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। समारोह में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुराजबनर्जी ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों तथा उनके परिवारजनों से मुलाकात की और उनके सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) डॉ. नन्दा प्रियदर्शिनी के द्वारा किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी), आइबन बंकिरा के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में कार्यकारी निदेशक प्रभारी सी. आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुराजबनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी. आर. मिश्रा कार्यकारी सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी, महापात्रा ने आइबन बंकिरा को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की और उपस्थित सभी ने उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने सीएम से की मुलाकात

रांची, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात की. इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं. माना जा रहा है कि नीरू शांति भगत जल्द ही झामुमो में शामिल होंगी. नीरू शांति भगत आजसू से हैं. वह आजसू की टिकट पर दो बार लोहरदगा से चुनाव भी लड़ चुकी हैं. हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली. उनके पति कमल किशोर भगत इसी पार्टी से लोहरदगा से विधायक रहे थे. बताया जाता है कि नीरू शांति भगत लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रही हैं. विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी बुरी तरह पराजित हो चुकी है. ऐसे में आजसू पार्टी के स्तंभ माने जाने वाले लोग लगातार विकल्प की तलाश में हैं.

बीसीसीएल में महिला सशक्तीकरण पर कार्यशाला

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के मानव संसाधन कल्याण विभाग, जगजीवन नगर में बुधवार को महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों, सेंट्रल अस्पताल व कंपनी मुख्यालय कोयला भवन से 30 से अधिक महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में आइआइटी आइएसएम धनबाद की प्रोफेसर आकांक्षा सिन्हा ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक व व्यावसायिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता, नेतृत्व कौशल एवं आत्मनिर्भरता पर चर्चा की। वहीं द्वितीय सत्र का संचालन वाशरी डिवीजन की प्रबंधक (कार्मिक) प्रिया सिंह ने किया। उन्होंने कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा, अधिकारों व नीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। बीसीसीएल में महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रावधानों की भी जानकारी दी। मौके पर मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन) आरएन विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में महिला अधिकारी व कर्मचारी थीं।

कोल इंडिया बिजली सलाहकार की नियुक्ति करेगा। सलाहकार की नियुक्ति दो साल के लिए होगी। इस आलोक में कोल इंडिया अधिकारी स्थापना विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। इसके मुताबिक सक्षम व योग्य उम्मीदवारों से एक मार्च तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गये हैं। आवेदन करने के लिए अधिकतम उम्र सीमा 65 साल रखी गयी है। जबकि 70 साल के उम्र तक काम कर सकते हैं। कांट्रेक्ट की अवधि दो साल की होगी। सलाहकार नियुक्त होने वालों को 1।20 लाख रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा।

गोविंदपुर में जीटी रोड पर रोज लग रहा जाम, लोग परेशान

गोविंदपुर, एजेंसी। गोविंदपुर में जीटी रोड जाम की समस्या खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। बुधवार को भी जीटी रोड पर जाम लगा, इससे लोगों को काफी परेशानी हुई। जाम का असर यहां व्यवसाय पर भी पड़ने लगा है। स्थिति यह हो गयी है कि लोग गोविंदपुर बाजार आने से कतराने लगे हैं। पिछले कई दिनों से गोविंदपुर में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। लोगों के काफी प्रयास के बाद भी सड़क जाम से पीछा नहीं छूट रहा है। बुधवार को शिवरात्रि पर सरकारी छुट्टी होने के बाद भी गोविंदपुर बाजार में सड़क जाम लग गया। सर्विस लेन पर अतिक्रमण, नाली निर्माण कार्य, पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस नहीं रहने तथा साहिबगंज मोड़ के सिग्नल लाइट की टाइम सेटिंग ठीक नहीं रहने के कारण भी यहां जाम लग रहा है। इधर स्थानीय नागरिकों ने गोविंदपुर जीटी रोड चौड़ीकरण कंपनी द्वारा गोविंदपुर ऊपर बाजार के धनबाद मोड़ पर सड़क से ऊंची नाली बनाने का बुधवार को विरोध किया।

अनुमंडल कैंप कार्यालय में डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

पलामू, एजेंसी। जिले के हुसैनाबाद में आयोजित कैंप कार्यालय के माध्यम से जनता से सीधे रूबरू होने का मौका मिला. यहां विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे और आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका त्वरित निराकरण किया. जो मामले तत्काल निष्पादन योग्य नहीं हैं, उनका निर्धारित समय अवधि के अंदर निष्पादन कर संबंधित लोगों को लाभ दिलाया जाएगा. कैंप कार्यालय के आयोजन से लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाया जा रहा है. लोगों को जिला स्तर या अन्य कार्यालयों में आयोजित जनता दरबार में जाने से छुटकारा मिलेगा. इससे उनका समय और पैसा दोनों बचेगा. इस समय और पैसे से आम लोग अपने विकास कार्यों में लगा सकेंगे. कैंप कार्यालय के आयोजन से जिले में विकास कार्यों में तेजी आएगी. ये बातें उपायुक्त शशि रंजन ने कही.

उपायुक्त आज हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय भवन में आयोजित कैंप कार्यालय के दौरान बोल रहे थे. उपायुक्त ने अनुमंडल कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय और प्रखंड, अंचल स्तरीय सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि कैंप कार्यालय के माध्यम से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने से लेकर जमीन संबंधी मामलों का निराकरण किया गया. वहीं, विभिन्न आवास योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया.

उपायुक्त शशि रंजन ने हुसैनाबाद टाउन हॉल का निरीक्षण किया. उपायुक्त शशि रंजन सहित जिले के सभी कार्यालय यहां लगे और संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जनता की समस्याएं सुनी गयीं. साथ ही समस्याओं का समाधान भी किया गया. उपायुक्त ने स्वयं समस्याओं को सुना और संबंधित आवेदनों को स्थानांतरित कर संबंधित पदाधिकारियों को निष्पादन का निर्देश दिया. देवरी कला के मोहसिन इदरीसी ने जलमीनार की मरम्मत को लेकर उपायुक्त को आवेदन दिया. वहीं, हैदरनगर सड़ेया के

विजय विश्वकर्मा ने आवेदन देकर अपनी पत्नी सुनीता देवी के नाम आवंटित अबुआ आवास का निर्माण कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की. उन्होंने उपायुक्त को बताया कि जिस जमीन पर आवास का निर्माण होना है, उस पर दूसरे व्यक्ति ने दावा कर रखा है. इसके अलावा दरुआ गांव निवासी अवधेश सिंह ने व्यापार मंडल में बेचे गए धान का पैसा नहीं मिलने से संबंधित आवेदन दिया. वहीं, सैदाबाद के राजेश कुमार सिंह ने आवेदन देकर आवास के निर्माण कार्य में जबरदस्ती बाधा डालने की शिकायत की. इसके अलावा सैकड़ों अन्य लोगों ने आवेदन देकर अपनी समस्याएं रखीं. कई मामलों का त्वरित समाधान किया गया. कैंप कार्यालय में कई सेवाएं उपलब्ध कराई गईं. मुख्य रूप से परियोजनाओं और स्कीमों के लिए भूमि चिन्हित कर भूमि सौंपने और विवादों का निपटारा किया गया. वन भूमि के बदले अन्य भूमि/सरकारी भूमि का हस्तांतरण, बिजली बिल संबंधी शिकायतों का समाधान, पेयजल संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया. इसके साथ ही मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मेनिया सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, सर्जन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, ग्रीन राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं से पात्र लाभुकों को लाभान्वित करने की पहल की गई.

शहर में अब मकान बनाने से पहले परिषद की लेनी होगी अनुमति

गोड्डा , एजेंसी। गोड्डा नगर परिषद के नए आदेश के बाद अब शहरी क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डो में निर्माण कार्यो को बंद करना होगा अन्यथा कानूनी कारवाई होगी. विभाग के विशेष पदाधिकारी आशीष कुमार के अनुसार नगर परिषद अंतर्गत सभी इक्कीस वार्डो में झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 426 के तहत प्रशासक की अनुमति के बिना निर्माण कार्य करना प्रतिबंधित है. नए भवन निर्माण से संबंधित कार्य हो या पुराने भवन का नवीनीकरण संबंधित कोई भी कार्य सभी बंद रहेंगे. बिना प्रशासक की अनुमति के निर्माण कराना कानून का उल्लंघन माना जाएगा. निर्माण से पहले पदाधिकारी की अनुमति आवश्यक कर दी गई है. कानून का उल्लंघन पाए जाने पर निर्माण को ध्वस्त करने के साथ ही जुर्माना भी वसूला जाएगा. जुर्माने की रकम एक लाख रुपए से लेकर दस लाख रुपए तक हो सकती है. जुर्माने नहीं देने पर कारावास का भी प्रावधान किया है. ये सभी कार्य नगरपालिका अधिनियम के तहत संपादित होंगे. विभाग के इस आदेश के बाद मकान का निर्माण कराने वालों में संशय की स्थिति है. पहले से चल रहे निर्माण कार्य को एकाएक रोकने के आदेश से मकान मालिक को नुकसान झेलना होगा. साथ ही निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को भी बेरोजगार होना पड़ेगा. विभाग ने बिना व्यापक प्रचार-प्रसार के आनन-फानन में आदेश जारी कर दिया. विभाग ने आदेश लेने के लिए विभाग ने क्या तैयारी की है इसका खुलासा नहीं किया है. भ्रष्टाचार मुक्त आदेश कैसे मिले इसकी पुख्ता व्यवस्था भी होनी चाहिए थी. एक निश्चित अवधि देने के बाद ही ऐसे कठोर निर्णय को लागू किया जाना चाहिए था. दो दिन पहले ही विभाग के कर्मियो ने मोहल्ले में पहुंचकर बोरिंग कर रही गाड़ी को जब्त कर लिया था. आरोप था कि विभागीय अनुमति के बिना बोरिंग करवाया जा रहा था. इसके लिए पूर्व से अनुमति लेनी होगी।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण में घोटाला ! राज्यपाल ने दिए कार्रवाई के निर्देश

रांची, एजेंसी। पलामू के नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण के दौरान गुणवत्ता कॉम्प्रोमाइज (गुणवत्ता में अनियमितता) की गई है. जांच समिति की रिपोर्ट में कई गड़बड़ियों का जिक्र है. इस रिपोर्ट के मुताबिक प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्ता की जगह संवेदक ने निम्न स्तर का काम किया है. राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा है कि भवन निर्माण निगम के अभियंताओं और पदाधिकारियों के स्तर पर मॉनिटरिंग के अभाव में ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है.

कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने इस बात पर भी नाराजगी व्यक्त की है कि विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने बिना समुचित निरीक्षण के भवन को हस्तांतरित कर लिया, जबकि वहां पेयजल का भी घोर अभाव है. मामले को गंभीर बताते हुए राज्यपाल ने झारखंड भवन निर्माण निगम के एमडी को हाई लेवल कमेटी गठन कर कमियों की गहन समीक्षा करने, बीओक्यू और एग्रीमेंट के तहत कार्यों में पाई गई विसंगतियों पर स्पष्ट प्रतिवेदन देने को कहा है.

उन्होंने जेएसबीसीसीएल पलामू के कार्यपालक अभियंता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. क्योंकि उन्होंने मुख्यालय और विश्वविद्यालय को जो प्रतिवेदन पेश किया था, उसमें पेयजल व्यवस्था की गलत जानकारी दी गई थी. राज्यपाल ने इस योजना के संवेदक मेसर्स छावडा और जे0के0 इंजीनियरिंग द्वारा बीओक्यू के अनुरूप कार्य नहीं करने और निम्न स्तर का कार्य करने के लिए निगम को इनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने को कहा है. साथ ही, झारखंड भवन निर्माण निगम के प्राक्कलन में 40 प्रतिशत की वृद्धि के संबंध में भी स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं.

राज्यपाल ने नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, सीटीसी और प्रॉक्टर से भी स्पष्टीकरण मांगते हुए सख्त प्रशासनिक कार्रवाई का निर्देश दिया है. क्योंकि इन्हीं अधिकारियों के प्रतिवेदन के आधार पर भवन का हस्तांतरण हुआ है. बता दें कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 13 फरवरी को राज्यपाल से मिलकर नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की गुणवत्ता में हुई धांधली की शिकायत की थी. इसी आधार पर राज्यपाल ने तीन सदस्य जांच कमेटी का गठन किया था.

पलामू में 652 कारतूसों के साथ उग्रवादी गिरफ्तार, लातेहार में हथियारों के साथ पांच अपराधी अरेस्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के पलामू और लातेहार जिलों की पुलिस को अपराधियों और उग्रवादियों के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पलामू जिले की पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के हार्डकोर मेंबर उपेंद्र भुईयां को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से कारतूसों का जखीरा बरामद किया है। जबकि, लातेहार जिले की पुलिस ने एक व्यवसायी पर फायरिंग की तैयारी कर रहे कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के पांच अपराधियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है।

पलामू की एसपी रिष्मा रमेशन ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिले के मनातू थाना क्षेत्र से गिरफ्तार इस उग्रवादी की निशानदेही पर 0.315 बोर की 652 गोलियां बरामद की गई हैं। उससे पूछताछ से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। बताया गया कि एसपी को टीएसपीसी के हार्डकोर सदस्य उपेंद्र के अपने गांव नागद आने की सूचना मिली थी। उन्होंने एएसपी (ऑपरेशन) राकेश सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया, जिसने गांव पहुंचने वाले रास्ते पर निगरानी रखनी शुरू की।

बुधवार की शाम को एक व्यक्ति चादर ओढ़कर आता दिखा। पुलिस ने उसे आवाज देकर रुकने को कहा

तो वह भागने लगा। इस पर पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ा। उसकी पहचान उपेंद्र भुईयां के रूप में हुई। इसके बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस ने छिपाकर रखे गए कारतूसों का जखीरा बरामद किया। दूसरी तरफ लातेहार जिले की पुलिस ने एक कारोबारी पर फायरिंग की योजना बना रहे कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से तीन बंदूकें और 13 गोलियां बरामद की।

गिरफ्तार अपराधियों में चंदवा निवासी वीरेंद्र गंझू, मुन्ना गंझू, उमेश गंझू, हेरहंज निवासी दिलीप उरांव और बारियातु निवासी विकास साहू शामिल हैं। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि राहुल सिंह के इशारे पर पूर्व में भी बालूमाथ निवासी एक कोयला व्यवसायी के घर पर गोलीबारी की गई थी। इसके अलावा एनएचएआई के कंस्ट्रक्शंस साइट पर इन अपराधियों ने फायरिंग की थी।

बालिका गृह यौन शोषण कांड- पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। बालिका गृह यौन शोषण कांड में पुलिस ने पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत केडी पासवान को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने केडी पासवान को पलामू के हैदरनगर स्थित उनके आवास पर छापेमारी कर गिरफ्तार किया. गुरुवार को टाउन महिला थाना पुलिस को

सूचना मिली थी कि पूर्व बाल संरक्षण पदाधिकारी संस्थागत केडी पासवान हैदरनगर स्थित अपने घर में है. इसी सूचना के आलोक में थाना प्रभारी रूपा बाखला के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर गिरफ्तार किया. महिला थाना प्रभारी रूपा बाखला ने बताया कि केडी पासवान को गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. इस पूरे मामले में पुलिस का अनुसंधान आगे बढ़ रहा है. पलामू बालिका गृह यौन शोषण कांड के मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है. इससे पहले पुलिस ने बालिका गृह के संचालक, काउंसेलर, सीडब्ल्यूसी के बर्खास्त सदस्य को गिरफ्तार किया था. 30 नवंबर 2024 को पलामू के बालिका गृह में यौन शोषण कांड का खुलासा हुआ था. पुलिस ने पूरे मामले में पोक्सो समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करते हुए मौके से ही संचालक और काउंसेलर को गिरफ्तार किया था।

पत्थर लेने जा रहे हाइवा में अपराधियों ने लगाई आग

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के कुहकुह इलाके में अपराधियों ने एक हाइवा में आग लगा दी। हाइवा माइंस में पत्थर लेने के लिए जा रहा था। बाइक सवार तीनअपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अपराधियों की पहचान और घटना का कारण स्पष्ट करने में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का हाइवा कुहकुह इलाके में माला कुमार की माइंस में पत्थर लेने जा रहा था। एक साथ तीन से चार हाइवा जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक से आए तीन अपराधियों ने सबसे लास्ट हाइवा को रोका और चालक से पूरी जानकारी लेकर उसमें आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। नौडीहा बाजार के थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने शुक्रवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज की जाएगी। जलाया गया हाइवा छतरपुर के शैलेंद्र सिंह का है। वाहन खाली था और पत्थर लोड करने के लिए माइंस में जा रहा था। इस घटना की अपराधी और उग्रवादी कनेक्शन को लेकर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि बिहार बॉर्डर वहां से काफी नजदीक है। ऐसे में अपराधियों का स्प्लिंटर ग्रुप भी इसमें शामिल हो सकता है। अपराधियों की संख्या तीन थी और वह मोटरसाइकिल से पहुंचे थे।

रामगढ़ के गोला थाना के सामने दो सांसद धरने पर बैठे

पत्थरबाजी करने वालों पर कार्रवाई की मांग

रामगढ़, एजेंसी। प्रतिमा विसर्जन के दौरान निकाली गई शोभा यात्रा में हुई पत्थरबाजी की घटना में शामिल दोषियों पर अब तक कार्रवाई नहीं होने के विरोध में गुरुवार को गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ रामगढ़ के गोला थाना के गेट के सामने धरना दिया. इस दौरान पुलिस की कार्यशैली, प्रशासन की भूमिका के खिलाफ नारेबाजी की.

पत्थर चलाने वालों पर हो कार्रवाई: मनीष जायसवाल: इस मौके पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सोसोंकला की घटना में एक गुट के लोगों ने पुलिस के सामने ही पत्थरबाजी की थी. जिसमें महिलाएं सहित कई लोग घायल हो गए थे. पुलिस को पूरे मामले में कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन पुलिस के द्वारा कार्रवाई नहीं की गई. इसके बाद हमने 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया था बावजूद दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई. जिसके विरोध में आज धरना दिया गया है. वहीं झारखंड सरकार में मंत्री इरफान अंसारी को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि वो फूहड़ भाषा के लिए जाने जाते हैं. सांसद ने तंज कसते हुए कहा कि कौन मजबूत है, कौन कमजोर है एक बार सड़क उतर जाइए पता चल जाएगा.

हेमंत सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप: वहीं हजारीबाग के इचाक में शिवरात्रि के दिन हुई घटना पर सांसद ने कहा कि सिर्फ चोंगा(लाउडस्पीकर) लगाने के लिए एक गुट के लोगों ने बवाल किया. इस दौरान उन्हीं लोगों के द्वारा पहला पत्थर चलाया गया था. उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सरकार में तुष्टीकरण की राजनीति हो रही है.

गिरिडीह सांसद भी हेमंत सरकार पर बरसे: वहीं गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि पुलिस प्रशासन के पास लोग आवेदन देते-देते परेशान हो गए हैं. साथ ही उल्टा हम लोगों पर ही कार्रवाई हो रही है. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार जब से बनी है, तब से हम पर अत्याचार हो रहा है. उन्होंने मंच से अपने संबोधन में कहा कि चितरपुर में कई जगहों पर गौ हत्या हो रही है. यह सब किनके संरक्षण में चल रहा है. प्रशासन सोया हुआ है. पूरे चितरपुर में बांग्लादेशियों को दामाद बनाकर बसाया जा रहा है. उन्होंने

कहा कि पुलिस प्रशासन से लोगों का विश्वास उठता जा रहा है. अब ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा.

एसडीएम के आश्वासन पर धरना समाप्त: वहीं धरना में बड़ी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ता शामिल हुए. धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं के हाथों में सरकार और प्रशासन के खिलाफ स्लोगन लिखी तख्तियां थी.वहीं धरना को लेकर बड़ी संख्या में गोला थाना के आसपास पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी. साथ ही मजिस्ट्रेट की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी. देर शाम रामगढ़ एसडीएम अनुराग तिवारी व पुलिस प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया. वहीं इसके पूर्व सांसद ने पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की.

सोसोंकला गांव में हुई थी घटना: पिछले दिनों गोला थाना क्षेत्र के सोसोंकला गांव में सरस्वती पूजा में मूर्ति विसर्जन के दौरान एक गुट के द्वारा पत्थरबाजी की गई थी. घटना में महिलाएं समेत कई लोग घायल भी हुए थे. इस मामले में पुलिस ने दोनों ओर से एफआईआर की थी. मामले की जानकारी मिलने के बाद हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने पुलिस प्रशासन को विशेष समुदाय के दोषियों को 15 दिन के अंदर गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने किसी भी दोषी को गिरफ्तार नहीं किया. जिसके विरोध में यह धरना-प्रदर्शन किया गया.

विचार-मंथन

संपादकीय

रेल हादसे को लेकर उच्च न्यायालय ने किए उचित सवाल

भारत के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर त्योहारों और छुट्टियों के दौरान या किसी विशेष आयोजनों के समय डिब्बों से लेकर प्लेटफार्म तक यात्रियों की भीड़ बेतहाशा बढ़ जाती है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पिछले दिनों मची भगदड़ के बाद उठे कई सवालों के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जरूरी सवाल उठा कर रेलवे की एक सबसे बड़ी खामी की ओर इशारा किया है। आमतौर पर किसी भी रेलगाड़ी में डिब्बों के हिसाब से यात्रियों की संख्या निर्धारित होती है। इसी तरह अनारक्षित श्रेणी के डिब्बे में भी यात्रियों की एक सीमा है। मगर यह देखा गया है कि छुट्टियों और त्योहारों के दौरान गैरआरक्षित टिकटों की बिक्री करने में किसी सीमा का ध्यान नहीं रखा जाता। ऐसी स्थिति में सीट मिलना तो दूर, सामान्य डिब्बे में घुसने तक की स्थिति न बन पाने की वजह से कई यात्री आरक्षित डिब्बे में भी सवार हो जाते हैं। इससे पहले से आरक्षित श्रेणी में यात्रा करने वालों को काफी दिक्कत होती है। वहीं अनारक्षित डिब्बे में पैर रखने तक की जगह नहीं होती। कई बार यात्री दरवाजे पर लटके दिखाई देते हैं। ऐसे में स्टेशन पर मची भगदड़ के संदर्भ में उच्च न्यायालय ने उचित सवाल किया है कि डिब्बों की क्षमता से अधिक टिकट बेचे ही क्यों गए। यह प्रश्न स्वाभाविक ही है कि जब रेलवे को मालूम है कि स्टेशन से कितनी गाड़ियां रवाना होंगी और एक डिब्बे में अधिकतम कितनी संख्या में लोग यात्रा कर सकते हैं, तो उससे बहुत ज्यादा टिकट कैसे बेचे गए। दरअसल, रेलवे कई बार अपने ही बनाए नियमों की उपेक्षा करता है। उच्च न्यायालय ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाया है। हादसे वाले दिन नई दिल्ली स्टेशन पर अधिक प्लेटफार्म टिकट जारी होने से भी स्थिति बिगड़ी थी। नई दिल्ली स्टेशन पर त्रासद हादसे के बाद कई सख्त नियम-कायदे लागू किए गए, लेकिन दूरदर्शिता के अभाव में भगदड़ और उसके नतीजे में जो हुआ, उससे स्टेशन प्रबंधकों की बदइंतजामी और घोर लापरवाही ही सामने आई। नई दिल्ली स्टेशन का जो बुनियादी ढांचा है, वह इतनी बड़ी संख्या में आए यात्रियों की भीड़ को संभाल नहीं पाया। बेहतर होगा कि जिस तरह हवाईअड्डों पर भीड़ प्रबंधन के लिए एक पुख्ता तंत्र है, रेलवे वैसी ही व्यवस्था जल्द अपनाए।

अभिव्यक्ति की आजादी

यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की एक अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद के मद्देनजर केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को ओटीटी प्लैटफॉर्म्स के लिए जारी की गई अडवाइजरी ने स्वाभाविक ही सबका ध्यान खींचा है। हालांकि, सरकार इस मामले में अपनी तरफ से काफी संयम बरतती हुई दिखी है और उसके ताजा कदम को मुख्यतया सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख से जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन यह कदम भी कई सवालों को जन्म दे रहा है। भारत जैसे पारिवारिक मूल्यों वाले समाज में ऐसी संवेदनहीन टिप्पणी सामने आने पर विवाद खड़ा हो जाना अस्वाभाविक नहीं कहा जा सकता। उसके बाद कई राज्यों में दर्ज हुई स्न्नद्बक्रको भी कुछ हद तक इन विवादों का स्वाभाविक परिणाम माना जा सकता है। लेकिन इस एक शो में हुई टिप्पणी के आधार पर अभिव्यक्ति की आजादी जैसे अहम मसले को बहस के दायरे में ले आना कितना उचित है और कितना आवश्यक, यह जरूर देखने वाली बात होगी। संभवत- इसीलिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के मद्देनजर ओटीटी प्लैटफॉर्म्स के लिए अडवाइजरी जरूर जारी की, लेकिन इसमें सभी संबंधित कानूनों के मौजूदा प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने की सलाह तक सीमित रही। इस बाबत किसी तरह की चूक होने पर भी वह स्वनियामक प्रणाली के इस्तेमाल को प्राथमिकता देती दिख रही है। यह बात ध्यान देने की है कि अपने देश की न्यायपालिका नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर शुरू से संवेदनशील रही है। सत्तर के दशक के मध्य में लागू हुई इमर्जेंसी की छोटी सी अवधि को छोड़ दें तो जब भी इस अधिकार को बाधित या सीमित करने की जानी-अनजानी कोशिश हुई, सुप्रीम कोर्ट इसके बचाव में खुलकर सामने आया। इसलिए इस मान्यता को लेकर सर्वसम्मति सी बनी रही कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत मिली अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं भी संविधान के ही अनुच्छेद 19 (2) ने तय कर दी है। इन सीमाओं का विस्तार करने का कोई भी बहाना उचित नहीं माना जाएगा।

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

(ललित गर्ग)

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ़ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है।

टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा? प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है। मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है। कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं। हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है।

उत्तरप्रदेश की उत्कृष्ट प्रबंधकीय व्यवस्था का अनुपम उदाहरण है महाकुंभ 2025

(डॉ दिनेश चंद्र सिंह)

दिव्य महाकुंभ 2025 अपनी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, धार्मिक आस्था के समागम के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने में सफल साबित हुआ है। वहीं महाकुंभ में तैनात सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का अनुकरणीय कार्य और अदम्य साहस प्रशंसनीय है। मैं कहाँ और आप कहाँ, यह एहसास ही तो नहीं, मुझमें और आप में! इसलिए अनवरत संघर्षरत हैं, अपनी एहमियत को स्थापित करने की, संघर्ष भरी! कंटकाकीर्ण जिंदगी की यात्रा में! यानी मैं और आप के अंतर और विभिन्न पदेन संघर्षपूर्ण यात्रा से प्राप्त प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की ऊंचाइयों पर पहुंचे, संत, संन्यासी, राजनीतिज्ञ, न्याय की मूर्ति न्यायाधीश, लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रतिष्ठा, जनप्रतिनिधित्व के प्रतीक, समाज की व्यवस्था को यथार्थ की ऊसर, अनुपजाऊ भूमि के साथ उर्वरा भूमि में तब्दील करने को प्रतिबद्ध, विभिन्न प्रलोभनों एवं व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए समष्टि की समृद्धि का आवरण होकर नितांत व्यैक्तिक उपलब्धियों के लिए प्रयासरत, सभी वर्गों के लोग! क्योंकि हम भारत के लोग ही भारतीय लोकतंत्र की आन-बान-शान हैं। परन्तु प्रत्येक वर्ग के उच्च शिखर पर बैठे और उस वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रतिष्ठित भारत के नागरिक, चाहे वह पूज्य संत हो, माननीय राजनीतिज्ञ हों, न्याय के लिए प्रतिबद्धता के साथ जनता की उम्मीदों के न्याय का प्रकाश पुंज न्यायाधीश हो और कार्यपालिका में नीचे से सर्वोच्च स्तर पर कार्यरत कर्मचारी-अधिकारी गण, विशेष रूप से सभी विभागों के कर्मठ कर्मचारी और अधिकारियों के साथ पीसीएस, आईएएस के रूप में अनवरत, निरंतर बिना थके सभी की आलोचना, सभी की प्रत्यालोचना एवं सभी की आंखों में उनकी व्यवस्था, यद्यपि वह व्यवस्था उनके लिए नहीं होती है, से जुड़े सभी लोग वंदनीय हैं। क्योंकि समाज की अहर्निश सेवा के लिए, प्रबंधकीय व्यवस्था में कोई चूक न हो, आपदा की स्थिति में फ्रंट पर उतर कर कार्य करने की चुनौती को पूर्ण करने के लिए दिए गए उत्तरदायित्व बोध के निर्वहन के लिए अतिरिक्त रूप से कुछ व्यवस्था अंग्रेजी हुकूमत की दूरदर्शिता पूर्ण सोच के साथ आज भी चल रही है, या जीवंत है। वह अनिवार्य है और रहनी चाहिए। परंतु कुछ लोग इस अचूक प्रबंधकीय व्यवस्था की भी आलोचना करते हैं। इसलिए उन्हें सद्बुद्धि आनी चाहिए। दरअसल, जिस प्रकार उत्तरप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी, जिनका मैंने समग्र अध्ययन किया है और नजदीक देखा है, वह तपस्वी, संन्यासी, महंत और कुशल प्रशासनिक छवि के ऐसे अदम्य साहसिक व प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी युगपुरुष हैं, जो निर्भीक, निडर और न्यायप्रिय कार्यों के लिए कार्यपालिका जो सदैव शासनादेश के अधीन कार्य करती है, के साथ पुलिस व्यवस्था जो शांति और कानून व्यवस्था तथा अपराध नियंत्रण के लिए सभी कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं व्यवस्था के साथ समन्वय स्थापित कार्य करती है, इन सभी को इतना सुस्पष्ट आदेश/निर्देश देते हुए मैंने किसी अन्य मुख्यमंत्री को न कभी देखा और न कभी सुना है। लिहाजा, यह कहना उपयुक्त होगा कि मैंने उसको जब-जब देखा, लोहा देखा, लोहे जैसा- तपते देखा, गलते देखा, ढलते देखा, मैंने उसको गोली जैसा चलते देखा! वास्तव में माननीय योगी जी के व्यक्तित्व के अध्ययन से मुझे केदारनाथ अग्रवाल की उपरोक्त पंक्तियां सायास याद आ गईं, क्योंकि योगी जी में वेदना एवं चुनौती पूर्ण समय में भी हमने लौह पुरूष के साहस का प्रतिबिंब देखा है। इसलिए दिव्य महाकुंभ 2025 अपनी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, धार्मिक आस्था के समागम के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने में सफल साबित हुआ है। वहीं महाकुंभ में तैनात सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का अनुकरणीय कार्य और अदम्य साहस प्रशंसनीय है। यूँ तो ऐसे विशाल आयोजन और करोड़ों (अनन्त) की संख्या में आए अनगिनत श्रद्धालुओं की भीड़ में कुछ मानवीय/यंत्रीय त्रुटियां स्वाभाविक हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5657

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5656

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5657

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1970 को इस देश ने स्वतंत्रता हासिल की (2)
3. 1954 को बॉलीवुड की इस अभिनेत्री ने जन्म लिया, इस अभिनेत्री की पहली फिल्म सावन भादों (1970) थी (2)
5. शिकन, ताकत, मरोड़, शक्ति (2)
7. आजीविका, जीवन यापन साधन (2)
8. पुराणानुसार उज्जयिनी के राजा चंद्रसेन की पुत्री जो चंद्रवंशी सहस्त्रानी के पुत्र उदयन को ब्याही थी (5)
10. एक अन्न जिससे मदिरा का निर्माण भी होता है (1)
11. अपमान, अनादर (उर्दू) (3)
12. एक कर्ण आभूषण, गेंहू, जौ कीफसल में लगने वाला कीड़ा (2)
14. माता सरस्वती का एक नाम (3)
16. रगड़ या पीसकर टुकड़े-टुकड़े करना (3)
18. तौलने की एक प्राचीन ईकाई (2)
19. किन्हें की स्थिति को यह भी कहा जाता है (3)
21. यूनानी चिकित्सा करने वाला (3)
22. शब्द ब्रह्मा, नादरूपिणी वाणी (2)
24. सरिता, तटिनी, निर्झरणी (2)

ऊपर से नीचे
1. उत्तरप्रदेश का यह स्थान चूड़ी बनाने के कारखाने के लिए प्रसिद्ध है (5)
2. बड़ी बहन के लिए संबोधन, दीदी (2)
3. नर्मदा नदी का एक नाम यह भी है (2)
4. विशिष्टत, खासकर (3)
5. देह, काया, तन, शरीर (3)
6. चीथड़ा, धज्जी (2)
9. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म सीआईडी थी इनका जन्म 3 फरवरी 1938 को हुआ था (7)
13. दिल्ली की इस इमारत को पांचवे मुगलशासक शाहजहां ने बनवाया था (4)
15. हथेली में चुल्लु में पानी लेकर मंत्रपूर्वक पीना (4)
17. मोटी खमीरी रोटी (4)
20. तुषार पात, कुहरा (3)
22. पुराणानुसार मद्र देश की राजकुमारी को पांडुराज की पत्नी थी (2)

वर्ग पहेली 5656 का हल

अ	म	ज	द	अ	ली	खां	
क्ष	ति		स्तू		प	सी	ना
य		प	र	ना	ना		
तृ	ती	या		लि			त
ती		म	हे	श	भू	प	ति
या	म		ल्मे		त	ल	त
	ल	ला	ट		ना	क	
बे	ना	म		पं	थ		

आज का राशिफल

मेष
आज दिन शुभ है। आपका ध्यान नई योजनाओं पर लगेगा और कुछ नया करने के बारे में सोच सकते हैं। मन को शांति मिलेगी। इन योजनाओं में सफलता भी मिलेगी। कानूनी विवादों में जीत होगी। स्थानांतरण की संभावना बन रही है। दिन के दूसरे भाग में कुछ उलझनें आ सकती हैं, लेकिन आपका पराक्रम बढ़ेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

वृष
आज दिन करियर के लिहाज से शुभ है। कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी। बिजनस में आपको मुनाफा काफी अच्छा होगा और आपके धन-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभ कार्य में धन का खर्च करने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाम तक कोई बड़ा व्यापारिक सौदा फाइनल हो सकता है। इससे तरक्की के रास्ते खुलेंगे। विशेष सम्मान और अधिकार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन
आज दिन रचनात्मक कार्यों में बीतेगा। जिस काम को आप सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, उसे करने का मौका मिलेगा। इससे आपको खुशी और आनंद मिलेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। नई योजनाएं भी मन में आएंगी और उन पर काम शुरू कर सकते हैं। यह समय आराम करने और नई योजनाएं बनाने के लिए भी उपयुक्त है।

तुला
आज दिन बेहद रचनात्मक रहेगा। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। जो भी काम लगन से करेंगे, उसका फल तुरंत मिलेगा। अधूरे काम पूरे होंगे। महत्वपूर्ण बातचीत होगी। कार्यालय में आपके अनुकूल माहौल रहेगा और सभी लोग मदद करेंगे। रात में किसी विवाह समारोह में शामिल होने का अवसर मिल सकता है और आपके लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक
आज सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी। व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ हो सकता है। रोजमर्रा के कामों के अलावा कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नए अवसर आपके आस-पास हैं, उन्हें पहचानें। आपके लिए धन लाभ के योग हैं और आपको सुख समृद्धि प्राप्त होगी। आपके धन में वृद्धि होगी।

धनु
आज दिन काफी व्यस्तता से भरा रहेगा और आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ेगी। छात्रों को धार्मिक कार्य और पढ़ाई के लिए वक्त मिल जाएगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं। रात का समय आनंद और सुख-समृद्धि में बीतेगा। कारोबार से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। शाम को किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

कर्क
आज दिन लाभ से भरा होगा। सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है। जमीन-जायदाद के मामले में कोई बड़ी डील आप कर सकते हैं। आस-पास के लोग परेशानी पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं। उनकी बातों पर ध्यान न दें और अपने मन की सुनें। आपका दिन शुभ होगा।

सिंह
आज आप आराम के मूड में रहेंगे। घर से ही काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आत्मविश्वास की कमी के कारण कुछ फैसले लेने में देरी हो सकती है। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ होगा। महंगी चीज खरीदने पर पैसा खर्च हो सकता है। बजट बनाकर चलें और अनावश्यक खर्चों से बचें। आपके धन में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ होगा।

कन्या
आज दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। कारोबार में योजनाएं सफल होंगी। दिन भर लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यशील रहें। परिवार में सुख-शांति का आनंद लें। नौकरी या व्यापार में कुछ नयापन लाएं तो आगे चलकर लाभ होगा। मेहनत से आपको सफलता मिलेगी।

मकर
आज दिन सामान्य रहेगा। साझेदारी में किया गया काम लाभ देगा। हर काम में किस्मत का साथ मिलेगा। घरेलू कामों को निपटाने का अच्छा मौका है। संतान के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है, जिससे आगे चलकर लाभ होगा। ईमानदारी और नियमों का पालन करें। कई काम एक साथ आने से बेचैनी हो सकती है। परेशानी आने पर घबराएं नहीं और हिम्मत से काम लें।

कुंभ
आज व्यापारियों के लिए समय अनुकूल है। मनोरंजन, खेल, बच्चों का सामान, और कंसल्टेंसी से जुड़े लोगों को लाभ होगा। कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। धार्मिक रुचि बढ़ेगी। नई नौकरी के लिए प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है। नए अवसरों के लिए तैयार रहें और उनका स्वागत करें। और आपके धन में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी।

मीन
आज करियर में सूझबूझ से काम लेना होगा। बातचीत में संयम और सावधानी बरतें। किसी से विवाद न हो, इस बात का ध्यान रखें। कहीं किसी जरूरी कार्य से आपको शहर के बाहर जाना पड़ सकता है। किसी शुभ कार्यक्रम की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। रात के समय स्थिति में सुधार होगा और आपको धन लाभ होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

नशीला ड्रिंक पिलाकर किया रेप, वीडियो बनाकर करता रहा ब्लैकमेल

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद जिले में एक शर्मनाक वारदात सामने आई है। एक आदमी ने महिला को नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर बेहोश कर दिया। फिर उसके साथ रेप कर वीडियो बना लिया। उसके बाद ब्लैकमेल कर बार-बार रेप करता रहा। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि एक आदमी को 20 साल की एक महिला को नशीला पदार्थ मिलाकर कोल्ड ड्रिंक पिलाने और बाद में रेप कर वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला ने लोनी बॉर्डर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपी गुड्डू मलिक उसका पुराना परिचित है। करीब आठ-नौ महीने पहले उसे घुमाने ले गया था। अंकुर विहार के सहायक पुलिस आयुक्त अजय कुमार सिंह ने बताया कि महिला ने आरोप लगाया कि घुमने के दौरान उसने उसे नशीली गोलियां मिलाकर कोल्ड ड्रिंक पिलाई, जिससे वह बेहोश हो गई। सिंह ने बताया कि महिला की हालत का फायदा उठाकर आरोपी ने उसके साथ रेप किया और इसका वीडियो भी बना लिया। अधिकारी ने कहा कि मलिक ने बाद में उसे वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर बार-बार उसके साथ रेप किया और उसे ब्लैकमेल करना जारी रखा। एसीपी ने कहा कि उसकी धमकियों के बावजूद जब वीडियो आखिरकार लीक हो गया, तो महिला ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। सिंह ने बताया कि जांच शुरू की गई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

जदयू आगामी चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी: प्रशांत किशोर

पटना, एजेंसी। राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर ने गुरुवार को भविष्यवाणी की कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) आगामी चुनावों में एक भी सीट हासिल करने में विफल रहेगी, उन्होंने कहा कि अनुभवी नेता शारीरिक रूप से थके हुए और मानसिक रूप से सेवानिवृत्त हैं। यह टिप्पणी इस साल के अंत में होने वाले बहुप्रतीक्षित बिहार विधानसभा चुनावों की अगुवाई में आई है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के भी पहली बार इन चुनावों में उतरने की संभावना है। बिहार चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी भी हालत में जदयू का कोई भी उम्मीदवार नहीं जीतना चाहिए। नीतीश कुमार ने बिहार में एक नया चलन शुरू किया है कि अगर उनकी पार्टी के 5-10 उम्मीदवार भी जीत जाएं, तो भी वह गठबंधन बनाएंगे और सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार शारीरिक रूप से थक चुके हैं और मानसिक रूप से रिटायर हो चुके हैं और अगर उन्हें अब भी बीजेपी का समर्थन हासिल है तो इसका मतलब साफ है कि बीजेपी बिहार में सरकार का हिस्सा बने रहना चाहती है। पीके ने कहा कि इस सरकार का कार्यकाल खत्म होने से 6 महीने पहले 7 नए मंत्रियों को शपथ दिलाने का सीधा सा मतलब है कि ये जाने से पहले जनता को लूटना चाहते हैं। नीतीश कुमार 2013 में भाजपा से अलग हो गए थे, लेकिन 2015 से 2017 तक कुछ समय के लिए राजद के साथ गठबंधन करने के बाद चार साल बाद वापस लौटे।

रमजान के मौके पर संभल मस्जिद की होगी सफाई

इलाहाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को संभल स्थित जामा मस्जिद की साफ सफाई कराने का शुक्रवार को निर्देश दिया। हालांकि अदालत ने मस्जिद की पुताई और पेंटिंग के लिए कोई आदेश पारित नहीं किया। पुताई और सफाई की अनुमति मांगने वाली एक याचिका पर यह आदेश पारित किया और सुनवाई की अगली तिथि चार मार्च, 2025 तय की। शुक्रवार को जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई, तो एएसआई द्वारा एक रिपोर्ट पेश की गई जिसमें कहा गया कि मस्जिद की पेंटिंग सेरामिक पेंट से हुई है। और वर्तमान में पुताई कराने की कोई आवश्यकता नहीं है। पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एस एफ ए नकवी ने कहा कि वे केवल मस्जिद की पुताई और सफाई कराना चाहते हैं। इस पर अदालत ने एएसआई को परिसर में धूल और घास की सफाई कराने को कहा।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक: 122 करोड़ रुपये के गबन मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक की तिजोरी से 122 करोड़ रुपये के गबन के मामले में वांछित आरोपी उन्नाथन अरुणाचलम उर्फ अरुण भाई के बेटे मनोहर अरुणाचलम (33) को गुरुवार रात गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि मनोहर पर अपने पिता को भागने में मदद करने का आरोप है और उसे शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा। दूसरी ओर, मनोहर के पिता उन्नाथन अरुणाचलम पर मुख्य आरोपी और बैंक के पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता से 40 करोड़ रुपये लेने का आरोप है। मनोहर ने कथित तौर पर 2019 में मेहता से 15 करोड़ रुपये लिए थे और अपने पिता को भागने और पुलिस की नजर से दूर रखने में मदद करने के लिए एक अन्य व्यक्ति से भी संपर्क किया था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन की जांच कर रही आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने धोखाधड़ी से प्रभावित बैंक का अलग-अलग समय पर ऑडिट करने वाली आधा दर्जन फर्मों के प्रतिनिधियों को तलब किया है। एक अधिकारी ने बताया कि ये वित्तीय सेवा फर्म 2019-2024 के दौरान वैधानिक, समवर्ती या आंतरिक ऑडिट में शामिल थीं, जिस अवधि में कथित गबन हुआ था। चूंकि ऋणदाता का प्रारंभिक ऑडिट मेसर्स संजय राणे एसोसिएट्स द्वारा किया गया था, इसलिए फर्म के एक भागीदार अभिजीत देशमुख से ईओडब्ल्यू पिछले चार दिनों से पूछताछ कर रहा है। अधिकारी ने बताया कि अब जांच एजेंसी ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म के एक अन्य भागीदार संजय राणे को अपना बयान दर्ज करने के लिए तलब किया है।

122 करोड़ रुपये की हेराफेरी कैसे की गई?: उन्होंने बताया कि संजय राणे एसोसिएट्स के अलावा ईओडब्ल्यू ने मेसर्स यूजी देवी एंड कंपनी, मेसर्स गांधी एंड एसोसिएट्स एलएलपी, मेसर्स शिंदे-नायक एंड एसोसिएट्स, मेसर्स जैन त्रिपाठी एंड कंपनी और मेसर्स एसआई मोगुल एंड कंपनी को भी तलब किया है। अधिकारी ने बताया कि इन फर्मों के प्रतिनिधियों को बुधवार से ही बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया है। उन्होंने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो ईओडब्ल्यू बैंक के वित्तीय रिकॉर्ड की फोरेंसिक ऑडिट की मांग करेगा ताकि पता लगाया जा सके कि 122 करोड़ रुपये की हेराफेरी कैसे की गई।

अधिकारी ने बताया कि बैंक के पूर्व सीईओ अभिमन्यु भोआन, जो कथित धोखाधड़ी के लिए अब तक गिरफ्तार किए गए तीन लोगों में से एक हैं, ने बैंक की सभी ऑडिट रिपोर्ट और बैलेंस शीट पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा कि भोआन साजिश का हिस्सा थे क्योंकि उन्हें पता था कि बैंक की तिजोरियों में कितनी नकदी है।

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर पर हमले की पाकिस्तान की साजिश? मुंबई पुलिस को मिली धमकी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को व्हाट्सएप पर एक संदेश मिला है, जिसमें भेजने वाले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय पर हमले की योजना की बात कही है। वर्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह संदेश एक पाकिस्तानी फोन नंबर से वर्ली ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम को भेजा गया था, जिससे सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

यातायात पुलिस को बुधवार दोपहर को एक पाकिस्तानी नंबर से व्हाट्सएप पर यह धमकी भरा संदेश मिला। संदेश भेजने वाले ने खुद को मलिक शाहबाज हुमायूं राजा देव बताया है। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि भेजने वाला भारतीय है या विदेशी।

यह ताजा धमकी एक अन्य ईमेल के बाद आई है, जिसने मुंबई पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा है। पिछले हफ्ते महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को निशाना बनाकर बम की धमकी दी गई थी। शिंदे के वाहन को उड़ाने की धमकी देने वाला ईमेल गोरेगांव और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और मंत्रालय सहित कई आधिकारिक खातों को भेजा गया था। अधिकारियों ने धमकी का जवाब देने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। गोरेगांव पुलिस ने पूछताछ के लिए एक संदिग्ध को हिरासत में लिया, जबकि मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा समानांतर जांच में आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी हुई।

पूछताछ के दौरान, संदिग्ध ने कथित तौर पर ईमेल भेजने की बात कबूल की, लेकिन जांचकर्ता अब संदेश की सटीक उत्पत्ति और इस कृत्य के पीछे किसी भी संभावित मकसद का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए, भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत तुरंत एक प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें आपराधिक धमकी के लिए धारा 351 (3) और 351 (4) और सार्वजनिक शरारत के लिए बयानों के लिए धारा 353 (2) शामिल हैं। धमकी की डिजिटल प्रकृति को संबोधित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अतिरिक्त प्रावधान भी लागू किए गए। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पिछले महीने भी इसी तरह की बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद 27 वर्षीय संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया था।

तो रिजल्ट भी फिर केजरीवाल जैसे ही आएंगे, अब उमर अब्दुल्ला ने कसा तंज

कश्मीर , एजेंसी। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी पर तंज कसा है। उन्होंने केंद्र सरकार के साथ बगैर टकराव के काम करने पर पूछे सवाल पर कहा कि तो फिर केजरीवाल जैसे नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह जम्मू और कश्मीर की जनता की भलाई के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी अब्दुल्ला ने इंडिया गठबंधन की एकता पर सवाल उठाए थे।

इंडियन एक्सप्रेस के आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में पहुंचे सीएम अब्दुल्ला ने कहा, ...भाजपा के कामों से हम असहमत हैं और ऐसा करना हम जारी रखेंगे। हमने राजनीतिक रूप से भाजपा का विरोध किया है और आगे करते रहेंगे। हम इंडिया ब्लॉक के सदस्य हैं और जब तक यह रहेगा, तब तक इसका हिस्सा रहेंगे। लेकिन यहां हम जम्मू और कश्मीर की जनता की भलाई के लिए जम्मू और कश्मीर की सरकार और केंद्र सरकार के साथ काम करने पर बात कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, और मुझे लगता है कि इस पद पर रहते हुए मुझे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए करना होगा। अगर लोगों को लगता है कि मेरे तरीके में कुछ गलत है, तो उन्हें फैसला सुनाने का समय मिलेगा। और अगर वह चाहते हैं कि जम्मू और कश्मीर का केंद्र सरकार के साथ टकराव रहे और केजरीवाल जैसी स्थिति में पहुंच जाएं, तो आपको केजरीवाल जैसे नतीजों के लिए भी तैयार रहना होगा। सीएम अब्दुल्ला ने कहा, यह सुलह का सवाल नहीं है। कुछ चीजें जो भारत सरकार कर रही है, उनका हम विरोध करते हैं। जैसे वक्फ बिल को लेकर संसद में जो रहा है, हम उसके खिलाफ हैं, लेकिन अगर केंद्र सरकार जम्मू और कश्मीर में हमारे काम का समर्थन कर रही है और परेशानी पैदा नहीं कर रही या फंड देने से इनकार नहीं कर रही, तो हमारा उनसे झगड़ा करना बेवकूफी होगी।

नींद जरूरी है; ड्यूटी पर सोते पकड़े गए कॉन्स्टेबल को हाईकोर्ट ने दी राहत

बेंगलूरू , एजेंसी। ड्यूटी के बीच सोने के कारण सस्पेंड हुए एक कॉन्स्टेबल को कर्नाटक हाईकोर्ट ने राहत दी है। अदालत का कहना है कि नींद और काम और जीवन में संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है। दरअसल कर्नाटक स्टेट ट्रांसपोर्ट के कॉन्स्टेबल के कुछ वीडियो वायरल हो गए थे, जिसमें वह ड्यूटी पर सोते नजर आ रहे हैं। उन्होंने निलंबन के खिलाफ अदालत का रुख किया था। याचिका पर जस्टिस एम नागप्रसन्न सुनवाई कर रही थे। उन्होंने कहा कि जब कॉन्स्टेबल को लंबे समय तक तय से ज्यादा काम कराया गया, तो ऐसे में उसे झपकी लेने के लिए दोषी नहीं माना जा सकता है। खबर है कि स्टाफ की कमी के कारण कॉन्स्टेबल 8 के बजाए 16 घंटे की शिफ्ट कर रहे थे। कोर्ट ने उन्हें राहत दी है और सेवा में वापस लौटने के आदेश दिए हैं। साथ ही निलंबन की अवधि की सैलरी देने के भी आदेश दिए गए हैं। जस्टिस नागप्रसन्न ने कहा, अगर किसी व्यक्ति को उसकी क्षमता से ज्यादा काम करने के लिए कह दिया जाए, तो कई बार शरीर को नींद की जरूरत पड़ती है। क्योंकि आज के समय में नींद और वर्क लाइफ बैलेंस बहुत जरूरी है। आज एक कॉन्स्टेबल है, कल कोई भी हो सकता है। इंसान को नींद से वंचित रखा जाएगा, तो वह कहीं भी सो जाएगा।

कोर्ट ने यह भी कहा, अगर याचिकाकर्ता तब ड्यूटी के दौरान सो जाता, जब उन्हें एक ही शिफ्ट में काम करना होता तो यह गलत होता। इस मामले में याचिकाकर्ता को बगैर ब्रेक के 60 दिनों तक 24 घंटे में से 16 घंटे काम कराया गया...। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 24 के प्रकाश में सभी को आराम का अधिकार है, जिसमें काम करने की सीमा और छुट्टियां शामिल हैं। कोर्ट ने कॉन्स्टेबल के निलंबन के आदेश को रद्द कर दिया है।

33 साल के चंद्रशेखर को जुलाई 2024 में सस्पेंड कर दिया गया था। वह अप्रैल 2024 में ड्यूटी के दौरान सोते पाए गए थे और उनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद कल्याण कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने उन्हें निलंबित कर दिया था। अब कॉन्स्टेबल ने कोर्ट को बताया है कि उनसे डबल शिफ्ट में काम कराया जा रहा था, जिसके चलते वह थक गए थे।

परिसीमन प्रक्रिया पर अमित शाह के दावे पर विश्वास नहीं किया जा सकता: सिद्धारमैया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि, परिसीमन प्रक्रिया पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किए गए दावे पर विश्वास नहीं किया जा सकता है. गृह मंत्री शाह ने कहा था कि जनगणना के आधार पर किए जाने वाले परिसीमन में दक्षिणी राज्यों को एक भी संसदीय सीट का नुकसान नहीं होगा. सिद्धरमैया ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि उन्होंने दक्षिणी राज्यों में भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से यह बयान दिया है.

सीएम सिद्धारमैया की यह टिप्पणी शाह द्वारा दक्षिणी राज्यों को यह आश्वासन दिए जाने के एक दिन बाद आई है .उन्होंने एक बयान में कहा, गृह मंत्री की अस्पष्ट टिप्पणियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि या तो उनके पास उचित जानकारी का अभाव है या फिर कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित दक्षिणी राज्यों को नुकसान पहुंचाने की जानबूझकर मंशा है.

सिद्धारमैया ने कहा कि अगर केंद्र सरकार वास्तव में दक्षिणी राज्यों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना चाहती है, तो गृह मंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि परिसीमन नई जनसंख्या अनुपात या लोकसभा सीटों की वर्तमान संख्या के आधार पर होगा.

उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि यदि नवीनतम जनसंख्या अनुपात के आधार पर परिसीमन किया जाता है, तो यह दक्षिणी राज्यों के साथ घोर अन्याय होगा. इस तरह के अन्याय को रोकने के लिए, संवैधानिक संशोधनों के बाद 1971 की जनगणना को आधार बनाकर पिछले परिसीमन अभ्यास किए गए थे. उनके अनुसार, पिछले 50 वर्षों में, दक्षिणी राज्यों ने विकास के मामले में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया है.

उन्होंने कहा कि,, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे उत्तरी राज्य जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में विफल रहे हैं और विकास में पिछड़ रहे हैं. परिणामस्वरूप, यदि परिसीमन नवीनतम जनगणना के आधार पर किया जाता है, तो कर्नाटक सहित दक्षिणी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में कमी या स्थिरता देखी जा सकती है, जबकि उत्तरी राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी. किसी भी परिदृश्य में, दक्षिणी राज्यों को नुकसान उठाना पड़ेगा. उन्होंने सवाल किया कि, क्या गृह मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है?

सीएम ने कहा कि इन अध्ययनों के अनुसार, यदि परिसीमन केवल नवीनतम जनगणना (2021 या 2031) पर आधारित है, तो कर्नाटक में लोकसभा सीटों की संख्या 28 से घटकर 26 हो जाएगी. इसी तरह, आंध्र प्रदेश की सीटें 42 से घटकर 34, केरल की 20 से घटकर 12 और तमिलनाडु की 39 से घटकर 31 हो जाएंगी. सिद्धारमैया ने आश्चर्य जताते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 80 से बढ़कर 91, बिहार की 40 से बढ़कर 50 और मध्य प्रदेश की 29 से बढ़कर 33 हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि यदि परिसीमन प्रक्रिया में कर्नाटक सहित दक्षिणी राज्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार किया जाना है, तो 1971 की जनगणना को आधार बनाया जाना चाहिए या केवल जनसंख्या के आंकड़ों पर निर्भर किए बिना, आनुपातिक रूप से लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए. हालांकि, परिसीमन के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिखाए गए असाधारण उत्साह को देखते हुए, ऐसा लगता है कि असली इरादा दक्षिणी राज्यों के लोगों को उनकी पार्टी के प्रभुत्व का विरोध करने के लिए दंडित करना है, सीएम ने आरोप लगाया।

गुरुग्राम की किस सड़क पर निर्माण, कहां से बदलना पड़ेगा रास्ता; गूगल मैप पर मिलेगी सारी जानकारी

गुरुग्राम , एजेंसी। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की सड़कों पर गूगल मैप का इस्तेमाल कर गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए अच्छी खबर है। सड़कों पर होने वाले निर्माण और रास्ते बदले जाने की जानकारी उन्हें पहले ही मिल जाएगी। इससे वे जाम में फंसने से बच जाएंगे। ट्रैफिक पुलिस ने गूगल मैप के साथ करार किया है। इसको लेकर ट्रायल भी शुरू कर दिया गया है।

चालकों को वाहन चलाने के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से मैप पर अलर्ट दिखेगा। इसके अलावा बोलकर भी जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा डायवर्जन और निर्माण वाले रास्ते की तरफ गूगल मैप वाहन चालकों को लेकर नहीं जाएगा। डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की तरफ से सड़कों पर होने वाले डायवर्जन, निर्माण और रास्ते बंद होने की जानकारी अब एक दिन पहले गूगल मैप को दी जाएगी। गूगल मैप दूसरे वैकल्पिक रास्तों के बारे में भी सुझाव देगा। डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज ने बताया कि शहरवासियों के सुरक्षित सफर के लिए गूगल के साथ मिलकर व्यवस्था में बदलाव किया गया है। ताकि राहगीर सुरक्षित सफर कर अपने गंतव्य तक पहुंच सके। गूगल मैप पर अलर्ट मिलने से लोगों को जाम के झाम में भी नहीं फंसना पड़ेगा। वह समय से अपने घर पर पहुंच सकेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए गूगल मैप पर नई व्यवस्था की गई है।

एक निजी संस्था की रिपोर्ट के अनुसार गुरुग्राम में 24 घंटे के अंदर पांच लाख के लगभग वाहन चालक गूगल मैप का इस्तेमाल अपने गंतव्य तक जाने के लिए करते हैं। इनमें अपने गंतव्य तक जाने के लिए बेहतर रूट और पहुंचने में कम समय लगे, सर्च कर इसकी भी जानकारी हासिल करते हैं। वहीं गुरुग्राम में सबसे ज्यादा मैप का इस्तेमाल डिलीवरी ब्वॉय के द्वारा खाने, ग्रोसरी सहित अन्य सामान घर तक डिलीवरी करने में इस्तेमाल होता है। इसके साथ-साथ कैब और बाइक राइडर भी लोगों को पिक-अप और ड्राप करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार गुरुग्राम में रोजाना चार लाख के लगभग वाहन दिल्ली, रोहतक, झज्जर, फरीदाबाद, पलवल, नूंह,रेवाड़ी और जयपुर से आते हैं। डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज ने कहा, गूगल मैप पर सड़कों पर होने वाले डायवर्जन, एडवाइजरी और निर्माण के बारे में जानकारी मिलेगी। गूगल के साथ करार हो गया है। रोजाना गूगल को इनके बारे में जानकारी साझा की जाएगी।

हिंडन एयरपोर्ट से पहली बार बड़े विमान भरेंगे उड़ान, 1 मार्च को गोवा, बेंगलुरु और कोलकाता की फ्लाइट

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से शनिवार से गोवा, बेंगलुरु और कोलकाता की उड़ान शुरू हो रही है। पहली बार इस एयरपोर्ट से बड़ा विमान उड़ान भरेगा, जिसके लिए एयरलाइंस कंपनी और एयरपोर्ट प्राधिकरण तैयारी में जुटा है। गोवा के लिए 80 फीसदी और बेंगलुरु और कोलकाता के लिए 55-60 फीसदी टिकट बुक हो चुके हैं। हिंडन एयरपोर्ट से इस समय लुधियाना, बठिंडा, आदमपुर, किशनगढ़ और नांदेड़ के लिए उड़ान सेवा है। एक मार्च से बेंगलुरु, गोवा और कोलकाता की उड़ान शुरू हो रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस इसे शुरू कर रही है। यह उड़ान रोजाना हिंडन से तीनों शहरों के लिए और वापसी में हिंडन के लिए मिलेगी। जनवरी के अंतिम सप्ताह में कंपनी ने ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी थी। गोवा की लगभग 80 फीसदी सीट बुक हुई हैं, जबकि बेंगलुरु और कोलकाता की भी 60 फीसदी तक टिकट बुक हो चुके हैं।

अब तक गोवा के लिए सर्वाधिक बुकिंग हुई है,क्योंकि 50-60 सीट सांसद अतुल गर्ग ने बुक कराई है। वह विधायकों और पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ गोवा जाएंगे। पहली बार व्यावसायिक विमान के उड़ान भरने के कारण हिंडन एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई जा रही है। हिंडन एयरपोर्ट के निदेशक उमेश यादव ने बताया कि उड़ान की तैयारी लगभग पूरी कर ली हैं।

चैंपियस ट्राफी 2025

आज सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को यहां होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच में संघर्षरत इंग्लैंड पर जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगा। ग्रुप ए से भारत और न्यूजीलैंड पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं लेकिन ग्रुप बी से ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान इस दौड़ में शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने एक रोमांचक मुकाबले में आठ रन से जीत दर्ज करके न सिर्फ इंग्लैंड को सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर किया बल्कि अंतिम चार में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को भी जीवंत रखा। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। इन दोनों टीम के अभी तीन-तीन अंक हैं जबकि अफगानिस्तान के दो अंक हैं। इंग्लैंड की टीम को अपने दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा थोड़ा भारी नजर आता है क्योंकि उसकी टीम ने अभी तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसके अधिकतर खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। दूसरी तरफ इंग्लैंड की टीम बल्लेबाजी में जो रूट पर जरूरत से ज्यादा निर्भर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम बारिश से प्रभावित टूर्नामेंट में अभी तक केवल एक मैच खेल पाई है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था।

इस मैच में रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक जमाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद

अफगानिस्तान को 208 रन पर आउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम भले ही कागजों पर मजबूत नजर आती है और आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है लेकिन पिछले एक साल में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 वनडे मैच में से आठ में पराजय झेलनी पड़ी थी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि जोस बटलर की अगुवाई वाली टीम जीत के साथ अपने अभियान का अंत करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। रूट को छोड़कर इंग्लैंड का कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला में उसे सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

उसकी टीम को हार के इस क्रम को तोड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में रूट ने 120 रन की शानदार पारी खेली थी लेकिन उसके अन्य बल्लेबाज फिर से अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। इंग्लैंड को अपने पहले मैच में गेंदबाजों की नाकामी के कारण ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार सामना करना पड़ा था।

टीमें:

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड। दक्षिण अफ्रीका- टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्क्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

समय - दोपहर 2.30 बजे।

शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है : शिखर धवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को लगता है कि शानदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है। यह युवा खिलाड़ी मौजूदा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में है। गिल ने शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद शतक के साथ की जबकि कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 46 रनों की पारी खेली। दो मैचों में 147 रन के साथ वह विराट कोहली (122 रन) से आगे हैं और भारत के शीर्ष स्कोरर हैं।

धवन ने कहा, मुझे शुभमन गिल की बल्लेबाजी बहुत पसंद है, यह बहुत ही उत्तम दर्जे की है और उनकी बल्लेबाजी में लालित्य है। और उनमें निरंतरता है; यह देखकर अच्छा लगता है कि उनमें इतना पेशेवरपन है। युवा लड़के हैं, वे अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाना जानते हैं और लगातार रन बना रहे हैं। रोहित को युवाओं के साथ खेलना अच्छा लगता है और वह अपने कई सालों के अनुभव को उनके साथ साझा करते होंगे। मुझे यकीन है कि वह उनकी पीठ थपथपाते होंगे और उन्हें बताते होंगे कि किसी भी परिस्थिति में कैसे खेलना है। ये छोटी-छोटी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी के बावजूद धवन ने कहा कि उनकी कमी खलेगी, लेकिन उन्होंने कहा कि हर्षित राणा के लिए वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने का यह एक बड़ा मौका है। राणा ने टूर्नामेंट में अब तक चार विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, %जसप्रीत बुमराह एक बहुत बड़ा नाम है, एक बहुत बड़ा गेंदबाज है। वह वहां लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

बेशक, उसकी मौजूदगी की बहुत कमी खल रही थी। कोई कुछ कहे या न कहे, मुझे 100त्न लगता है कि उसकी मौजूदगी बहुत महत्वपूर्ण है। हर्षित राणा के लिए यह एक बहुत अच्छा मंच है। उसके पास जुनून और आक्रामकता है, और मुझे उसका विकेट लेने का तरीका पसंद है। उसके लिए यह एक शानदार मौका है, रोहित और विराट का मार्गदर्शन भी है। उसे उनसे सीखना चाहिए और इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।

पृथ्वी शॉ और सपना गिल विवाद:

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

मुंबई (एजेंसी)। गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल के खिलाफ दर्ज एफआईआर खारिज करने से इनकार कर दिया। यह एफआईआर क्रिकेटर पृथ्वी शॉ से जुड़े एक मामले में दर्ज की गई थी। कोर्ट ने सपना को आरोपपत्र दाखिल करने के बाद रिहाई के लिए ट्रायल कोर्ट जाने पर विचार किया।

सहारा स्टार के मेंशन क्लब में 15 फरवरी, 2023 को हुई घटना तब शुरू हुई जब सपना के दोस्त शोभित ठाकुर ने रात करीब 1 बजे पृथ्वी शॉ के साथ लगातार सेल्फी लेने के लिए कहा। उस समय शॉ अपने दोस्त आशीष सुरेंद्र यादव के साथ डिनर कर रहे थे। हालांकि शॉ ने उनकी बात मान ली। बाद में उन्होंने सेल्फी से इंकार किया जिसके कारण ठाकुर को परिसर से निकाल दिया गया।

जब क्रिकेटर वहां से जाने की कोशिश कर रहा थे, तो ठाकुर ने बेसबॉल के बल्ले से हमला किया गया। सौभाग्य से शॉ खुद को बचाने में सफल रहे, लेकिन उसके दोस्त यादव का पीछा छह लोगों के एक समूह ने किया, जिसमें ठाकुर भी शामिल था, जिसे एक महिला पर भी संदेह है जिसे सपना गिल माना जा रहा है। समूह ने यादव को धमकाया और सपना ने 50,000 रुपए की मांग की।

सपना ने एक अलग ही कहानी सुनाई जिसमें दावा किया गया कि यादव और शॉ ने उसे और ठाकुर को शराब पार्टी के लिए अपनी वीआईपी सीट पर आमंत्रित किया था। उसने कहा कि ठाकुर द्वारा सेल्फी के लिए कहने के बाद एक विवाद शुरू हुआ, जिसके दौरान शॉ और यादव ने ठाकुर पर हमला किया। जब उसने रोकने की कोशिश की तो शॉ ने उसके साथ शारीरिक और यौन उत्पीड़न किया।

यादव द्वारा शिकायत के साथ आगे बढ़ने के बाद सपना को 17 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया गया, लेकिन तीन दिन बाद उसे जमानत दे दी गई। शॉ पर हमला, छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए सपना ने एक जवाबी शिकायत दर्ज की।

अफ्रीकी बल्लेबाज ने किया ऐलान

यह मेरा आखिरी आइसीसी टूर्नामेंट है

कराची। कराची में इंग्लैंड के खिलाफ अपने अहम मुकाबले से पहले दक्षिण अफ्रीका के दाएं हाथ के बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने कहा कि मौजूदा टूर्नामेंट संभवत : उनके क्रिकेट करियर का आखिरी बड़ा आइसीसी टूर्नामेंट होगा। शनिवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में प्रतियोगिता के अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में प्रोटियाज का मुकाबला जोस बटलर की अगुआई वाली टीम से होगा। वैन डेर डुसेन ने कहा, यह निश्चित रूप से एक संभावना है कि यह मेरा आखिरी आइसीसी टूर्नामेंट हो। मैं यह किसी पूर्वधारणा के साथ नहीं कह रहा हूं कि मैं इसे खत्म कर दूंगा या प्रबंधन मेरे करियर को खत्म कर देगा। यह सिर्फ वास्तविकता है। इसके अलावा अनुभवी क्रिकेटर ने कहा कि उनके लिए अपने देश के लिए खेलना हमेशा उनका सबसे बड़ा और

एकमात्र लक्ष्य रहा है। वैन डेर डूसन ने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा प्रोटियाज के लिए खेलना रहा है। लोग मुझसे पूछ रहे हैं, क्या आप इसके बाद लीग खेलेंगे? मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि प्रोटियाज के लिए नहीं खेलने की संभावना खत्म हो जाएगी या नहीं, मुझमें लीग में खेलने की भूख बनी रहेगी। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र लक्ष्य रहा है, इसलिए अगर यह लक्ष्य पूरा नहीं होता है, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगा। अगर मुझे दूसरा अनुबंध दिया जाता है, तो मैं निश्चित रूप से इसे स्वीकार करूंगा और उस अवधि के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने टीम के युवा बल्लेबाजों (ट्रिस्टन स्टब्स, टोनी डी ज़ोरज़ी और मैथ्यू ब्रीट्ज़के) की प्रशंसा की जो वर्तमान में पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चल रही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनके साथ भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि इतने सारे युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं, जो वाकई अच्छा खेल रहे हैं। ट्रिस्टन स्टब्स या टोनी डी जोरजी जैसे खिलाड़ी किनारे पर बैठे हैं। अगर आप घरेलू ढांचे में भी जाएं, तो मैथ्यू ब्रीट्जके आए और उन्होंने 150 रन बनाए। आप इससे भी पीछे जा सकते हैं; लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने वन-डे कप में वेस्टर्न प्रोविंस के खिलाफ शतक बनाया। रयान [रिकेल्टन] वास्तव में अभी शुरुआत कर रहे हैं, इसलिए बहुत सारे अच्छे खिलाड़ी हैं।

प्राग मास्टर्स 2025

प्रज्ञानंद ने फिर से बाजी ड्रॉ खेली अरविंद ने कीमर को हराया

प्राग, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने यहां प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में तुर्की के गुरेल एडिज़ के खिलाफ अपनी बाजी ड्रॉ खेल कर लगातार दूसरे मैच में अंक बांटे जबकि अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया। पहले दौर में चैक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ अंक बांटने वाले अरविंद ने काले मोहरों के साथ अपनी पहली जीत हासिल की।अरविंद दस खिलाड़ियों के बीच राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। दूसरे दौर के अन्य मुकाबलों में दाई वान ने अमेरिका के सैम शैंकलैंड के साथ, शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के वेई यी ने नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ और वियतनाम के क्वांग लीम ले ने चेक गणराज्य के नवारा डेविड के साथ अंक बांटे। अब जबकि टूर्नामेंट में सात दौर की बाजी खेली जाने बाकी हैं तब भारतीय खिलाड़ी अरविंद ने 1.5 अंक लेकर शैंकलैंड के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। उनके बाद गिरि, लीम, दाई वान, डेविड, कीमर और प्रज्ञानानंद का नंबर आता है। एडिज और वेई यी अपने दो मैचों में आधे-आधे अंक के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

डोपिंग प्रतिबंध के कारण सिनर का लॉरियस नामांकन रद्द

पेरिस, एजेंसी। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने घोषणा की है कि वह 2025 के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है।

यह निर्णय हाल ही में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा इतालवी खिलाड़ी पर लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है। नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में अकादमी ने बताया कि मामले से जुड़ी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, निलंबन ने सिनर के नामांकन को अयोग्य बना दिया। लॉरियस अकादमी द्वारा चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए जानिक सिनर का नामांकन वापस लिया जाता है। हमने इस मामले में संबंधित वैश्विक निकायों के निर्णयों का अनुसरण किया है और - यद्यपि हम इसमें सम्मिलित परिस्थितियों को देखते हैं - हमारा मानना है कि तीन महीने का प्रतिबंध नामांकन को अयोग्य बनाता है। जानिक और उनकी टीम को सूचित कर दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में, वाडा ने खुलासा किया कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद सिनर ने एक मामले के समाधान समझौते में प्रवेश किया था।

मजाक में बोले वसीम जाफर

भारत को अबू धाबी और शारजाह में खेलना चाहिए था

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने मजाक में कहा कि भारत को अबू धाबी और शारजाह में खेलना चाहिए था और शायद चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में एक ही स्थान पर खेलने के आलोचकों का मुंह बंद करने के लिए किसी दूसरे होटल में ठहरना चाहिए था। भारत एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अपने सभी मैच एक ही मैदान, दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले हैं।

पाकिस्तान के मुख्य कोच आकिब जावेद, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस, इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और कई अन्य लोगों का मानना ??है कि भारत के पास बहुत बड़ा फायदा था क्योंकि उन्हें पूरे टूर्नामेंट में बेस बदलने की जरूरत नहीं पड़ी। जाफर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण भारत के पास कोई विकल्प नहीं था।

जाफर ने कहा, आईसीसी को शारजाह में एक मैच और अबू धाबी में एक मैच आयोजित करना चाहिए था और शायद उन्हें दूसरे होटल में चेक इन करने की अनुमति देनी चाहिए थी। तब शायद यह मुद्दा नहीं उठता। भारत राजनीतिक कारणों और सरकार की भागीदारी के कारण पाकिस्तान नहीं जाना चाहता है - हर देश के पास यह विकल्प है।

चैम्पियंस ट्रॉफी : इंडिया-न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया का रेस्ट फॉर्मूला

रोहित करेंगे आराम, ऋषभ पंत को मिलेगा चांस !

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है. भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट से जीत हासिल की थी. फिर उसने पाकिस्तान को भी छह विकेट से हराया. लगातार दो जीत दर्ज करके भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है. भारतीय टीम अपना सेमीफाइनल 4 मार्च को दुबई में खेलेगी. हालांकि उसका मुकाबला किस टीम से होगा, ये 2 मार्च (रविवार) को ही तय हो पाएगा.

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में रोहित रहेंगे बाहर ?

2 मार्च को भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अपना आखिरी ग्रुप मुकाबला खेलने जा रही है. सेमीफाइनल से पहले ये मुकाबला भारतीय टीम के लिए किसी प्रैक्टिस मैच से कम नहीं होगा. इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम में बदलाव भी देखने को मिल सकता है. अनुसार शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में कप्तानी कर सकते हैं. जबकि रोहित शर्मा रेस्ट लेने का फैसला कर सकते हैं. रोहित को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में

हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते देखा गया था. ऐसे में रोहित सेमीफाइनल से पहले अपनी चोट को और बढ़ाना नहीं चाहेंगे. शुभमन गिल अस्वस्थ होने के चलते बुधवार को प्रैक्टिस के लिए नहीं उतरे थे. हालांकि गुरुवार को शुभमन नेट्स पर लौटे और नेट्स में काफी समय तक बल्लेबाजी की.

अगर रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से बाहर रहते हैं, तो ऋषभ पंत या वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है. ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी एक भी मैच खेलने का मौका नहीं था. फिर ऋषभ चैम्पियंस ट्रॉफी में दोनों मुकाबलों से बाहर रहे. ऋषभ ने बुधवार और गुरुवार को नेट पर काफी समय बल्लेबाजी की. दूसरी ओर सुंदर को भी अपनी बारी का इंतजार है. भारतीय टीम के पास बैकअप ओपनर नहीं है, ऐसे में रोहित शर्मा के बाहर होने पर न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में शुभमन गिल और केएल राहुल ओपनिंग करते दिख सकते हैं. केएल राहुल ने वनडे इंटरनेशनल में पिछले दो-तीन सालों में मध्य क्रम में ही बैटिंग की है, लेकिन रोहित के बाहर होने की स्थिति में बैटिंग ऑर्डर में बदलाव दिखेगा.

भारतीय स्क्वॉड: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वॉशिंगटन सुंदर.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

20 लीटर महुआ शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज पुलिस ने मई गांव से 20 लीटर महुआ शराब के साथ मई गांव निवासी प्रकाश भुईया को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि अपने घर में शराब का बिक्री करता है। पुलिस बल को पहुंचते ही घर से सभी लोग निकलकर भागने लगे। लेकिन पुलिस बल के सहयोग से एक व्यक्ति को पकड़ा गया। उसने अपना नाम प्रकाश भुईया बताया। घर मे विधिवत तलाशी ली गई तो 20 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया। मद्य निषेध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया।

डीयू के प्राध्यापक प्रो. अनील ने ली जन सुराज की सदस्यता

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज के बलवंत बिगहा के निवासी और दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राध्यापक प्रो.(डॉ.) अनील कुमार सिंह ने जन सुराज की सदस्यता ग्रहण कर ली है। सिंह को जन सुराज के सूत्रधार और चर्चित रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सदस्यता ग्रहण कराई। जन सुराज की सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रो. अनील कुमार सिंह ने कहा कि प्रशांत किशोर बिहार के सम्मान की लड़ाई लड़ रहे है। वें बिहार के खोए हुए वैभव की पुर्नस्थापना के काम में निरंतर लगे है। उनके विचारों और कार्यों से प्रभावित होकर ही उन्होने जन सुराज की सदस्यता ग्रहण की है। कहा कि मार्च में होली के बाद औरंगाबाद में प्रशांत किशोर की मीटिंग भी होगी, जिसमें वें अग्रणी भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि प्रो. अनील राजनीतिक पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखते है। उनके पिता रामाधार सिंह गुरूआ से विधायक और निगरानी के चेयरमैन रहे है। साथ ही उनके बड़े भाई रफीगंज से दो बार विधायक रहे है। खुद प्रो. अनील भी पढ़ाई के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष भी रहें है।

पंचायत भवन की छत पर इकट्ठा किया जाएगा बारिश का पानी

पटना (नि.सं.)। पंचायती राज विभाग ने बारिश का पानी रोकने की योजना तैयार की है। इसमें पंचायत के किसी एक भवन की छत पर बारिश के पानी को रोककर संग्रहित किया जाएगा। इससे भूजल स्तर रिचार्ज होगा। साथ ही पानी संकट को दूर करने में भी मदद मिलेगी। विभाग की ओर से मानक प्राक्कलन में छत पर वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण का दिशा निर्देश जारी किया है। विभाग ने इसको लेकर पंचायतों को भेजे निर्देश में कहा है कि पहले से निर्मित पंचायत के अधीन अन्य भवनों में वर्षाजल संचयन संरचना का निर्माण नहीं किया गया है। इस योजना लेकर ग्राम पंचायत विकास योजना या प्रखंड पंचायत विकास योजना अथवा जिला परिषद विकास योजना में शामिल कराएं। भवन निर्माण विभाग ने छत पर वर्षा जल संग्रहित करने को लेकर दो मॉडल विकसित किया है। एक गैर बलुआही मिट्टी वाली छतों और दूसरा बलुआही मिट्टी वाले जगहों पर संरचना का निर्माण। बिना बालू वाली मिट्टी क्षेत्रों में संरचना निर्माण पर 95 हजार और बालू वाले मिट्टी की संरचना निर्माण पर 65 हजार 600 रुपये की राशि निर्धारित की गयी है। इनका निर्माण पंचायती राज विभाग के नियंत्रणाधीन सरकारी भवनों में कम से कम एक छत पर वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण किया जाना है। पंचायती राज विभाग के मुताबिक अबतक कुल 1044 भवनों को चिह्नित कर उनकी छतों पर वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है।

बैंककर्मियों ने मांगों का बिल्ला लगाकर किया काम

पटना (नि.सं.)। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) की अपील पर शुक्रवार को राज्य के सभी बैंकों के अधिकारी-कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में बैच लगाकर काम किया। 24 और 25 मार्च को होने वाली अखिल भारतीय बैंक हड़ताल को लेकर 3 मार्च को दिल्ली में संसद के पास धरना का कार्यक्रम प्रस्तावित है। बिहार प्रोविंशियल बैंक एम्प्लॉयज एसोसिएशन, पटना जिला इकाई महासचिव उत्पल कांत ने बताया कि इस मौके पर यूनाइटेड फोरम के सभी नौ संगठनों की ओर से वित्त मंत्री सहित अन्य जिम्मेवार लोगों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

दो दिवसीय देवकुंड महोत्सव का शुभारंभ सांस्कृतिक धरोहर को संजोने की पहल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शुक्रवार को कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार पटना और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय देवकुंड महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद अभय कुमार सिन्हा और जिला पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से किया। महोत्सव के माध्यम से न केवल देवकुंड धाम के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को उजागर किया गया, बल्कि इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत बिहार गीत से हुई, जिसने पूरे वातावरण को एक सांस्कृतिक और भावनात्मक रंग में रंग दिया। इसके बाद दीप प्रज्वलन कर औपचारिक रूप से महोत्सव का उद्घाटन किया गया। मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से पौधा और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के प्रतीक के रूप में देखा गया। महोत्सव में उपस्थित सांसद अभय कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में देवकुंड धाम की ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने महोत्सव में आए सभी अतिथियों और छात्रों का धन्यवाद करते हुए कहा कि देवकुंड धाम को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि इस धरोहर को संरक्षित करने और इसे राज्य स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए प्रस्ताव सरकार को भेजा जाए।

देवकुंड धाम का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व

जिला पदाधिकारी ने महोत्सव की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि देवकुंड धाम न केवल धार्मिक स्थल है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी अत्यधिक है। उन्होंने सभी दर्शकों का स्वागत करते हुए उन्हें इस पवित्र धरोहर के संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। न्होंने कहा कि जिला प्रशासन इस धरोहर के संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए संभावित योजनाओं पर विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसे महोत्सवों का आयोजन नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

सांसद ने कहा कि देवकुंड महोत्सव केवल मनोरंजन का मंच नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती देने और नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने यह भी बताया कि इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महोत्सव में अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर मनोज कुमार, वरीय उप समाहर्ता मेराज जमील, कला संस्कृति पदाधिकारी कुमार पप्पू राज, बीडीओ, सीओ गोह, देवकुंड धाम के महंत, सभी जनप्रतिनिधि और कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महोत्सव के दौरान स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोकगीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत किए गए। लोक कलाकारों ने भोजपुरी, मैथिली और मगही भाषा में अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, स्कूली छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक झलकियां और नाटक भी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। बच्चों ने अपने प्रस्तुतियों के माध्यम से बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को जीवंत किया। इस महोत्सव के आयोजन से देवकुंड धाम को पर्यटन के नक्शे पर उभारने का प्रयास किया जा रहा है। अगर इसे राज्य स्तरीय पर्यटन स्थल का दर्जा मिल जाता है, तो यहां बुनियादी सुविधाओं का विकास होगा और यह धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा। देवकुंड महोत्सव के माध्यम से धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन विकास को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है। आने वाले समय में यह महोत्सव और भी भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा, जिससे स्थानीय समुदाय और सरकार के बीच सहभागिता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

झारखंड से बिहार में अवैध शराब की तस्करी

बाप-बेटे गिरफ्तार, बाइक से ला रहे थे 92 बोतल अंग्रेजी शराब

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना की पुलिस ने शराब कारोबारी बाप-बेटे को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के कसौटी गांव के पास से दोनों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए लोगों में थाना क्षेत्र के ही जीवा बिगहा गांव का रहने वाला गोपाल साव और उसका बेटा रंजन कुमार शामिल है। दोनों बाप-बेटे झारखंड से शराब की खेप लेकर आ रहे थे। पुलिस ने उनके पास से कुल 92 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया है। थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बाइक सवार शराब कारोबारी बाप बेटे झारखंड से शराब की खेप लेकर वैकल्पिक रास्तों से होते हुए थाना क्षेत्र में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई। गश्ती टीम की ओर से उत्तर कोयल नहर मार्ग होते हुए कसौटी गांव जाने वाली रास्ते में दक्षिण दिशा की ओर से आ रहे बाइक सवार को रुकवा कर उसके बैग की तलाशी ली गई। इस दौरान बैग में छिपाकर रखे गए 750 एमएल की पांच बोतल, 375 एमएल की 14 बोतल और 180 एमएल की 73 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई। शराब की बरामदगी के बाद आरोपी बाप-बेटे को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। मामले में मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। औरंगाबाद जिले के अंबा, कुटुंबा, नवीनगर और ढ़िबरा थाना क्षेत्र का इलाका झारखंड सीमा से सटा हुआ है। इन थाना क्षेत्र में मुख्य सड़क के अलावा कोई ऐसे वैकल्पिक रास्ते हैं, जो झारखंड से जुड़े हुए हैं। शराब तस्कर शराब की खेप ले जाने के लिए वैकल्पिक मार्गों को चुन रहे हैं। इन रास्तों में पुलिस से पकड़े जाने का भय कम रहता है। होली पर्व को लेकर इन दिनों शराब कारोबारी अधिक सक्रिय हो गए हैं। शराब के अवैध कारोबारियों की ओर से अभी से ही होली में बिक्री के लिए शराब का स्टॉक जमा किया जा रहा है। वहीं होली को देखते हुए पुलिस की ओर से झारखंड की ओर से आने वाले मुख्य मार्ग के अलावा वैकल्पिक रास्तों में भी सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

सड़क हादसे में दो लोग घायल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के सुजा कर्मा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर शुक्रवार को एक बड़ी दुर्घटना हो गई। पेट्रोल पंप के समीप एक्सयूवी और बाइक की टक्कर में दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में भलुआरा गांव निवासी धनेश यादव (35) घायल हो गए, जो खेत के लिए डीजल लेने गए थे। लौटते समय दिल्ली नंबर की एक्सयूवी (डीएल 7सीएम 2650) ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल किसान को सदर अस्पताल पहुंचाया, जबकि एक्सयूवी चालक, जो एनटीपीसी का कर्मचारी बताया जा रहा है, को एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया।

इस टक्कर में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद एक्सयूवी चालक मौके से फरार हो गया। घायल किसान के परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे ठोस प्रयास : वीरेंद्र सिंह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने 2015 में ही महिला सशक्तिकरण नीति तैयार की है और लिंग संबंधी मुद्दों को देखने के लिए एक केंद्र को बढ़ावा दिया है। पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण ने एक सामाजिक क्रांति की नींव रखी क्योंकि इसका उद्देश्य महिलाओं को समान अधिकार, समान सामाजिक स्थिति और समान अवसर प्रदान करना है। इसने नीति निर्माताओं के रूप में स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की सम्मानजनक भागीदारी का मार्ग प्रशस्त किया। यह पहल पूरे देश में अग्रणी है। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के सभी स्तरों पर 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के चुनाव ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। वहीं राज्य सरकार ने कार्य भागीदारी के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत मिलने वाले 10 लाख के लोन में केवल पांच लाख रुपये ही चुकाने हैं। महिलाओं को इस लोन के लिए ब्याज नहीं देना है। यह योजना 18 जून 2021 को लॉन्च की गई है। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत सभी लड़कियों को जन्म से लेकर उनके स्नातक की डिग्री हासिल करने तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। यह सहायता सरकार द्वारा बालिकाओं को उन्हें उच्च शिक्षा और विकास के लिए दी जाती है। यह बातें औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिंह ने शुक्रवार को ग्राम संपर्क यात्रा के दौरान कही। जदयू के बारूण प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पूर्व सांसद ने नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के टेंगरा ग्राम पंचायत में ग्राम संपर्क यात्रा की। उन्होंने टेंगरा, डिगर बीघा, पहाड़पुर, बनौली, रसलपुर, शिवनाथपुर, महावीरगंज, सीतारामपुर, तिवारी बीघा, कांस, जोगिया एवं रतनपुरा गांव में ग्राम संपर्क यात्रा की। इस दौरान पूर्व सांसद ने वहां के ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही समस्या का समाधान करने का भी आश्वासन दिया। वही जगह-जगह ग्रामीणों ने भी पूर्व सांसद का स्वागत किया।

यात्रा में जदयू जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व राज्य परिषद सदस्य अनिल कुमार यादव, कुलवंश सिंह, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र कुमार चंद्रवंशी, टेंगरा पंचायत के मुखिया अरुण कुमार, टेंगरा पंचायत अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद चंद्रवंशी, टेंगरा पंचायत के उप सरपंच शशिभूषण यादव, मनोज कुमार, मृत्युंजय कुमार, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

राज्य के 187 कैंसर पीड़ित शिक्षकों का हुआ तबादला

पटना (नि.सं.)। शिक्षा विभाग ने बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित होकर कार्य कर रहे 187 शिक्षकों का तबादला किया है। ये सभी शिक्षक कैंसर से पीड़ित होने के कारण आवेदन दिया था। इन सभी को विद्यालय आवंटन कर इसकी सूचना भेज दी गई है। शिक्षा विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि बीपीएससी के 260 शिक्षकों के आवदेन आए थे। इनकी स्क्रूटिनी के बाद 187 का स्थानांतरण किया गया है। विभाग ने कहा है कि 28 शिक्षकों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। इनके द्वारा दिये गये विकल्प के जगह पर रिक्त पद नहीं रहने के कारण इनका तबादला नहीं किया जा सका है। विभाग ने कहा है कि 15 दिनों के अंदर इन 28 शिक्षकों से नए विकल्प मांगे जाएंगे, जिनके आधार पर उनका तबादला किया जाएगा।

सात मार्च को अध्यात्म गुरू श्री श्री रविशंकर का ग्रामोत्सव सह दिव्य महासत्संग, युद्ध स्तर पर चल रही तैयारी

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

अंर्तराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था आर्ट ऑफ लिविंग के तत्वावधान में आगामी 7 मार्च को औरंगाबाद के बारूण प्रखंड के मुंशी बिगहा में ग्रामोत्सव सह दिव्य महासत्संग का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति की संगीता सिंहा, नितिन, शिव अरूण डालमिया एवं नागेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यहां प्रेसवार्ता में बताया कि कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरूदेव श्री श्री रविशंकर न सिर्फ आमजनों को जीवन जीने की कला का ज्ञान देंगे बल्कि औरंगाबाद जिले के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में आने वाले युवाओं से भी संवाद करेंगे। गुरुदेव युवाओं को तनाव रहित शिक्षण-प्रशिक्षण, अवसाद मुक्त जीवन, समय प्रबंधन, सामाजिक उतरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्ती भूमिका का भी गुर सिखाएंगे। कार्यक्रम में खासतौर पर इस क्षेत्र में हो रहे युवाओं को रोकने और उन्हे स्किल ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाने पर चर्चा की जाएगी। कहा कि इस ऐतिहासिक महासत्संग में औरंगाबाद जिले के आमजनों के अलावा बड़ी संख्या में राजनीति, प्रशासन, तकनीकी, चिकित्सा एवं व्यवसाय क्षेत्र के प्रतिष्ठित गणमान्य एवं बुद्धिजीवी भाग लेंगे। कार्यक्रम में गुरुदेव जनवरी माह में कांचीपीठ के शंकराचार्य से 1000 वर्ष पूर्व मिले सोमनाथ ज्योर्तिलिंग के पवित्र अवशेषों का भी अनावरण करेंगे। इस दौरान गुरूदेव का आध्यात्मिक प्रवचन भी करेंगे और ध्यान सत्र भी आयोजित होगा। आयोजकों ने बताया कि गुरूदेव के स्वागत में झारखंड के आदिवासी नृत्य की भी प्रस्तुति होगी। साथ ही नवादा के प्रसिद्ध लोक गायक जितेंद्र और धर्मेंद्र द्वारा गुरूदेव के जीवन पर रचित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। कहा कि औरंगाबाद में आयोजित होने वाला यह सत्संग बिहार और देशभर के लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान, सांस्कृतिक गर्व एवं प्रेरणा प्रदान करने वाला एक अभूतपूर्व आयोजन होगा। कहा कि कार्यक्रम की युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है।

घर में आग लगने से नौ सदस्य झुलसे

पटना (नि.सं.)। पटना में घर में आग लगने से एक ही परिवार के 8 सदस्य समेत 9 लोग झुलस गए। घटना शुक्रवार की सुबह नदी थाना क्षेत्र के फतेहजंगपुर गांव में हुई है। बताया जा रहा कि घर के एक सदस्य ने केरोसिन उड़ेलकर खुदकुशी करने की कोशिश की थी। उसे बचाने के चक्कर में बाकी के सात लोग झुलस गए। साथ ही एक पड़ोसी भी गंभीर रूप से झुलसा है। ग्रामीण सूत्रों के अनुसार, घर में लंबे समय से आपसी कलह चल रही थी। माना जा रहा कि इसी कलह से तंग आकर परिवार के राकेश चौधरी ने खुद पर केरोसिन तेल डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। इससे आग भड़क गई और हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद सूचना नदी थाना को दी गई है। मौके पर पहुंची नदी थाना की पुलिस और फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने मिलकर आग पर काबू पा लिया।

11 दिवसीय श्री रूद्रचंडी महायज्ञ आज से, तैयारी पूरी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मां कामाख्या ट्रस्ट के तत्वावधान में शहर के दानी बिगहा बस स्टैंड मैदान में आगामी 1 मार्च से 11 दिवसीय रूद्रचंडी महायज्ञ सह श्रीराम कथा का आयोजन आरंभ होगा। यज्ञ आयोजन की सभी आवश्यक तैयारी पूरी की जा चुकी है। यज्ञ मंडप और प्रवचन पंडाल बन कर पूरी तरह तैयार हो चुका है। आयोजन समिति के संरक्षक सह मुख्य आयोजक सेवानिवृत प्रधानाध्यापक रामप्रसाद सिंह ने बताया कि महायज्ञ में न सिर्फ भगवान की भक्ति नजर आएगी बल्कि प्रतिदिन रामकथा के माध्यम से श्रद्धालु सुख-शांति और सकारात्मक उर्जा भी प्राप्त करेंगे। कहा कि इस 11 दिवसीय श्री रुद्रचंडी महायज्ञ का आयोजन प्रयागराज के अंर्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सद् गृहस्थ संत संकर्षण जी महाराज के नेतृत्व में संपन्न होने जा रहा है। यज्ञ के दौरान 11 मार्च तक संकर्षण जी महाराज प्रतिदिन नियमित रूप से दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीराम कथा का सरल और निराले अंदाज में वाचन करेंगे। यज्ञ का शुभारंभ 1 मार्च को प्रातः 8 बजे भव्य कलश यात्रा से किया जाएगा। कलश यात्रा में हजारों श्रद्धालु भक्त शामिल होंगे। कलश यात्रा के बाद यज्ञ मंडप में बनी 111 कुंडीय यज्ञ वेदियों में विधि विधान से अग्नि प्रवेश कराया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा यज्ञ मंडप की परिक्रमा की जा सकेगी। उन्होने बताया कि यज्ञ वेदियों में श्रद्धालुओं के लिए हवन-पूजन में भाग लेने की विशेष व्यवस्था की गई है। हवन-पूजन में भाग लेने के लिए श्रद्धालु आयोजन समिति से संपर्क कर सकते है। उन्होने बताया कि यज्ञारंभ के बाद प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीराम कथा होगी। यज्ञ का समापन 11 मार्च को पूर्णाहुति, दिव्य हवन एवं भंडारा के साथ किया जाएगा। यज्ञ के दौरान सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण एवं पूजन विशेष आकर्षण होगा। उन्होंने यज्ञ के धार्मिक अनुष्ठान में जिलेवासियों से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि हमारे जीवन में यज्ञ और हवन का धार्मिक के साथ ही वैज्ञानिक महत्व है। इसलिए जन कल्याण के लिए समाज में समय-समय यज्ञ आयोजित होने ही चाहिए। यज्ञ से सुख, शांति, समृद्धि के साथ ही अजेय और अभय की प्राप्ति होती है। महायज्ञ अमृत के समान है और यज्ञामृत को हर जनमानस को पान करना चाहिए।

राधा कृष्ण मंदिर के विकास के लिए कमिटी का गठन

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

सदर प्रखंड के जम्होर स्थित प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर के रखरखाव और विकास को लेकर पुनपुन रोड मार्ग स्थित मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी गौरी प्रसाद ने की, जबकि संचालन की जिम्मेदारी सुरेश विद्यार्थी ने निभाई। बैठक में मंदिर के विकास को लेकर गहन विचार-विमर्श हुआ, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने आपसी समन्वय बनाते हुए मंदिर के सुचारू संचालन और विकास कार्यों की देखरेख के लिए एक कमेटी का गठन किया। इस कमेटी में कमलेश पासवान को अध्यक्ष, पंकज कुमार शौंडिक को उपाध्यक्ष, सुजीत कुमार को सचिव, अरुण प्रसाद गुप्ता को उपसचिव, रंजीत प्रसाद गुप्ता को कोषाध्यक्ष और रवि अग्रवाल को उपकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। मंदिर के संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक संरक्षक मंडल भी गठित किया गया, जिसमें गौरी प्रसाद, घनश्याम प्रसाद खत्री, अशोक शौंडिक, सुरेंद्र पासवान, दुर्गा प्रसाद गुप्ता और सोनू जायसवाल को शामिल किया गया।

इसके अलावा, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में संजय गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, राम ध्यान प्रसाद, प्रवीण अग्रवाल, शिव प्रसाद सोनी, बीकू अग्रवाल, राम पुकार पासवान, घुरी प्रसाद गुप्ता, संजय कुमार गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता और जीतन प्रसाद को चुना गया।

2.5 लाख के अंग्रेजी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, टोटो वाहन जब्त

निज संवाददाता | रफीगंज(औरंगाबाद)

रफीगंज पुलिस ने सूचना के आधार पर डाक खाना गली में शराब उतारने के क्रम में 250 लीटर लगभग ढ़ाई लाख रुपये के अंग्रेजी शराब को बरामद किया गया। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिला कि डाक खाना गली में शराब को टोटो वाहन से उतारकर घर के पास रख रहा है। पुलिस को देखते ही भागने लगा। लेकीन पुलिस बल के सहयोग से एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पकड़े व्यक्ति का नाम पता पूछा गया तो सुनील कुमार के 19 वर्षीय पुत्र गोलू कुमार उर्फ अंशु कुमार बताया। भागे व्यक्ति का नाम टोटो चालक है। टोटो और घर की तलाशी ली गई तो 500 एमएल के दा स्ट्रांग किक बियर बंगाल लिखा हुआ 324 बोतल, 375 एमएल आफ्टर डार्क झारखंड लिखा हुआ 59 बोतल, 375 एमएल ऑल सीजन चंडीगढ़ लिखा हुआ 29 बोतल, 375 एमएल ब्लेंडर प्राइड झारखंड लिखा हुआ 5 बोतल, 375 एमएल का रॉयल स्टैग झारखंड लिखा हुआ 69 बोतल, 750 एमएल रॉयल स्टैग झारखंड लिखा हुआ 21 बोतल कुल 249.375 बरामद किया गया। साथ ही टोटो वाहन एवं शराब कारोबारी को हिरासत में लेकर रफीगंज थाना लाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है। शराब कारोबारी गोलू कुमार उर्फ अंशु कुमार को जेल भेज दिया गया। अन्य शराब कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी संघ की प्रखंड स्तरीय कमिटी गठित

रफीगंज(औरंगाबाद)(नि.सं.)। प्रखंड परिसर स्थित भवन में अनुसूचित जाति व जनजाति कर्मचारी संघ की प्रखंड स्तरीय कमिटी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर बीपीआरओ अमर कुमार, उपाध्यक्ष शिक्षक सुरेन्द्र प्रसाद, सचिव शिक्षक राजेन्द्र कुमार राकेश, कोषाध्यक्ष शिक्षक ललन दास, संयुक्त सचिव अखिलेश कुमार, प्रचार सचिव शिक्षक वीरेंद्र कुमार, कमलेश राम, मनीष कुमार, नवीन कुमार राम, लेखा परीक्षक शिक्षक दयानंद दास, ऑफिस सचिव वीरेंद्र कुमार, रेणु कुमारी, सदस्य देव शरण रजक, जय कुमार चौधरी, बैजनाथ रजक, जयनंदन रजक को जिम्मेदारी सौंपी गई। सहित अन्य पदों पर भी चयन किया गया। अध्यक्ष अमर पासवान, सचिव राजेंद्र कुमार राकेश ने कहा कि प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। इसमें कर्मचारी व पदाधिकारी के सदस्य ही भाग लिए। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने एवं कर्मचारियों की समस्याओं समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया गया। साथ ही संघ कर्मचारियों, पदाधिकारी अधिकार का रक्षा एवं समाज के विकास के प्रतिबद्ध रहेगा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विद्यार्थियों को किया सम्मानित, 533 छात्रों पुरस्कृत

निज संवाददाता | पटना

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विज्ञान, प्रावैद्यिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत बिहार काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विज्ञान, प्रावैद्यिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विज्ञान के प्रति छात्रों की रुचि को बढ़ावा देना और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना था। इस आयोजन में सर सीवी रमण टैलेंट सर्च टेस्ट इन साइंस 2025 के तहत कक्षा 6 से 12 तक के 533 मेधावी छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिन्होंने अपने-अपने जिलों में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। इसके अलावा, राज्य स्तर पर पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले कुल 21 छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन विद्यार्थियों को लैपटॉप, प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और मेडल प्रदान किए गए। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5,000 रुपये नकद पुरस्कार, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को 3,000 रुपये, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी विजेताओं को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अतिरिक्त 1,000 रुपये प्रदान किए गए। इसके अलावा, जिला स्तर पर तीसरे से दसवें स्थान तक आने वाले छात्रों को उनके संबंधित जिलों में स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री सुमित कुमार सिंह ने छात्रों को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार और शोध कार्यों को बढ़ावा देने से ही देश का विकास संभव है।

इस अवसर पर विभाग की सचिव डॉ. प्रतिमा, अपर सचिव सह निदेशक अहमद मुहम्मद और बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रो. एसके वर्मा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। इस आयोजन के माध्यम से छात्रों को विज्ञान के प्रति और अधिक जागरूक करने, उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें उच्च शिक्षा व शोध कार्यों के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया।